सत्यमेव जयते

भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

का

निष्कर्ष बजट

2010-2011

निष्पादन सारांश

इस्पात मंत्रालय के निष्पादन बजट मंत्रालय की विशिष्ट भूमिका और उद्देश्यों की पूर्ति हेतु तैयार किए गए कार्यक्रमों, परियोजनाओं और गतिविधियों तथा इस्पात मंत्रालय तथा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों के निष्कर्ष पर प्रकाश डालता है। इस दस्तावेज में पिछले वर्षो के लिए वास्तविक और वित्तीय लक्ष्यों, उपलब्धियों और चालू वर्ष 2010-2011 के लिए अनुमानों का विवरण भी दिया गया है।

अध्याय-I में इस्पात मंत्रालय के संगठनात्मक ढांचे और उद्देश्यों, मुख्य कार्यक्रमों के वर्गीकरण और इनसे सम्बद्ध कार्यान्वयन एजेंसियों की संक्षिप्त जानकारी दी गई है।

अध्याय-II में मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों के संबंध में परिव्यय तथा निष्कर्षों/लक्ष्यों का विवरण दिया गया है। चूंकि सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनाएं/परियोजनाएं बहुत अधिक हैं तथा प्रकृति में भिन्न-भिन्न हैं और अधिकांशत: उनके दिन-प्रतिदिन के प्रचालनों से संबंधित हैं, अत: 50 करोड़ रूपए और इससे अधिक अनुमानित/मंजूर लागत वाली केवल प्रमुख योजनाओं को ही इस विवरण में शामिल किया गया है। वर्ष 2010-2011 के लिए ऐसी 50 प्रमुख योजनाओं, (49 योजनागत योजनाएं तथा 1 गैर-योजनागत योजना) को निष्कर्ष बजट में शामिल किया गया है। 49 योजनागत योजनाओं में से 48 योजनागत योजनाओं को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (22 योजनाएं), राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (17 योजनाएं), केआईओसीएल (5 योजनाएं) और एनएमडीसी लि. (2 योजनाएं) और मैंगनीज ओर इंडिया लि. (2 योजनाएं) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है और इन योजनाओं पर होने वाले पूरे व्यय की पूर्ति संबंधित उपक्रमों के आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ईबीआर) से की जाएगी। लोहा एवं सइस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए 1 योजना को इस्पात मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। एक मात्र प्रमुख गैर-योजनागत योजना हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना के कार्यान्वयन हेतु कंपनी द्वारा वाणिज्यिक बैंकों से लिए गए ऋणों हेतु ब्याज इमदाद उपलब्ध करवाने के लिए है। इन 50 प्रमुख योजनाओं के संबंध में अनुमानित/मंजूर लागत, वर्ष 2010-2011 के लिए परिव्यय, प्रक्रियाओं/टाइमलाइन्स, जोखिम घटकों, अनुमानित वास्तविक उत्पादन तथा अनुमानित निष्कर्ष इस विवरण में दिए गए हैं।

अध्याय-III में इस्पात मंत्रालय द्वारा किए गए सुधारात्मक उपायों और नीतिपरक पहलों का विवरण दिया गया है। इस अध्याय में सरकार द्वारा भारतीय लोहा और इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए उदारीकरण के बाद किए गए महत्वपूर्ण नीतिपरक उपायों का ब्यौरा दिया गया है। इस संबंध में इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई एक महत्वपूर्ण नीतिपरक पहल राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2005 की घोषणा है। राष्ट्रीय इस्पात नीति का दीर्घकालिक लक्ष्य

घरेलू इस्पात उद्योग को विविधीकृत इस्पात मांग को पूरा करने वाला विश्वस्तरीय मानकों का आधुनिक तथा क्षमतावान इस्पात उद्योग बनाना है। इस नीति में न केवल लागत, गुणवत्ता तथा उत्पाद मिश्र की दृष्टि से अपितु दक्षता तथा उत्पादकता के वैश्विक मानकों की दृष्टि से भी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने पर जोर दिया गया है। तदनुसार राष्ट्रीय इस्पात नीति में वर्ष 2019-2020 तक 110 मिलियन टन वार्षिक इस्पात उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। इस्पात उद्योग के निष्पादन की समीक्षा करने, प्रमुख क्षेत्रगत नीतिपरक मुद्दों तथा सरोकारों पर विचार करने, 11वीं योजना (2007-2012) के दौरान मांग तथा आपूर्ति संबंधी आवश्यकताओं का अनुमान लगाने तथा कार्यान्वयन के लिए नीतिपरक सिफारिशें करने के लिए मई, 2006 में योजना आयोग द्वारा लोहा और इस्पात उद्योग से संबंधित एक कार्य दल का गठन किया गया था। 11वीं योजना (2007-12) के लिए कार्य दल ने मांग तथा आपूर्ति संबंधी प्रबंधन, प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान एवं विकास, पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण, मूल्य स्थिरता तथा सुरक्षा उपायों जैसे प्रमुख क्षेत्रों के संबंध में सिफारिशें करते हुए अपनी रिपोर्ट दिसंबर, 2006 में प्रस्तुत कर दी है। इस अध्याय में उन सिफारिशों तथा उन प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया है जिनके संबंध में भारत को लोहा और इस्पात क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए सहायक उपाय किए जाने/नीतियां बनाए जाने की जरूरत है।

अध्याय- IV में इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट, 2009-10 में दर्शाए गए अनुमानित निष्कर्षो/लक्ष्यों के संबंध में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की 50 करोड़ रूपए अथवा इससे अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत वाली प्रमुख योजनाओं तथा परियोजनाओं के निषादन की समीक्षा की गई है। निष्कर्ष बजट 2009-10 में शामिल 57 प्रमुख योजनाओं-56 योजनागत योजनाओं तथा एक गैर-योजनागत योजना के संबंध में अनुमोदित परिव्यय तथा अनुमानित निष्कर्षों की तुलना में किए गए वास्तविक व्यय और योजनाओं की वास्तविक उपलब्धियों को देखते हुए इन योजनाओं के अभिप्रेत निष्कर्ष की तुलना में वास्तविक उपलब्धियों (31 दिसम्बर, 2009 तक) को दर्शाया गया है। 56 प्रमुख योजनागत योजनाएं सेल, आरआईएनएल, एनएमडीसी और केआईओसीएल लिमिटेड, मॉयल और एक स्कीम इस्पात मंत्रालय से संबंधित हैं तथा एक मात्र गैर-योजनागत योजना एचएससीएल की है। सेल की 33 योजनाओं में से 14 योजनाएं पूरी कर ली गईं हैं। आरआईएनएल की 14 योजनाओं में से 1 योजना पूरी हो गई हैं (स्थिरीकरण किया जा रहा हैं)। चूंकि अधिकांश प्रमुख योजनाएं इस समय कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, अत: वास्तविक उपलब्धियों का अपेक्षाकृत अधिक सार्थक और वास्तविक मूल्यांकन इन योजनाओं के पूर्ण होने के बाद ही संभव होगा।

अध्याय-V में इस्पात मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ कार्यालयों और इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों/संगठनों के वित्तीय परिव्यय तथा वित्तीय आवश्यकताओं का ब्यौरा दिया गया है। बजट अनुमान 2009-10 में 123.01 करोड़ रूपए तथा संशोधित अनुमान 2009-10 में 827.20 करोड़ रूपए के बजटीय प्रावधान की तुलना में बजट अनुमान 2010-2011 में इस्पात मंत्रालय के लिए मांग संख्या-91 के तहत 114.92 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। बजट अनुमान 2009-10 में मंत्रालय के 13756.66 करोड़ रूपए के वार्षिक योजना परिव्यय (आई एंड ईबीआर: 13722.66 करोड़ रूपए तथा योजना बजटीय सहायता: 34.00 करोड़ रूपए) को बढ़ाकर बजट अनुमान

2010-2011 में 17199.82 करोड़ रूपए (आई एंड ईबीआर: 17163.82 करोड़ रूपए तथा योजना बजटीय सहायता: 36.00 करोड़ रूपए) कर दिया गया है। सेल के इस्पात संयंत्रों अर्थात भिलाई इस्पात संयंत्र (3258 करोड़ रूपए), राउरकेला इस्पात संयंत्र (1645 करोड़ रूपए), इस्को इस्पात संयंत्र (3432 करोड़ रूपए), दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (180 करोड़ रूपए), बोकारो इस्पात संयंत्र (930 करोड़ रूपए) सेलम इस्पात संयंत्र (194 करोड़ रूपए) के विस्तार के लिए और आरआईएनएल, विजाग इस्पात संयंत्र के क्षमता विस्तार के लिए 2800 करोड़ रूपए के परिव्यय सहित 2010-2011 के लिए पर्याप्त योजना परिव्यय रखा गया है। वित्तीय वर्ष 2010-11 सहित हाल ही के वर्षों (2009-10) में बजट अनुमान/संशोधित अनुमान की तुलना में व्यय के समग्र रुख के संबंध में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा बकाया उपयोग प्रमाण पत्रों तथा उनके पास व्यय नहीं किए गए शेष की स्थिति भी इस अध्याय में दर्शाई गई है। इस्पात मंत्रालय की अनुदान मांगों में शामिल प्रावधानों को संबद्ध करते हुए इस अध्याय में वित्तीय वर्ष 2010-2011 के लिए इस्पात मंत्रालय की अनुदान मांग की अनुपूरक जानकारी भी दी गई है।

अध्याय - VI में इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के पिछले 3 वर्षों और वित्तीय वर्ष 2009-10 (31 दिसम्बर, 2009 तक) के वास्तविक तथा वित्तीय निष्पादन और 2010-2011 (बजट अनुमान) के लिए अनुमानों से संबंधित जानकारी उपलब्ध करवाई गई है।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की प्रमुख योजनाओं/परियोजनाओं के लिए निधियों की व्यवस्था अधिकांशत: उनके आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ईबीआर) से की जा रही है और संबंधित सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की आंतरिक तकनीकी समिति द्वारा इनका वास्तविक और वित्तीय तौर पर नियमित रूप से प्रबोधन किया जा रहा है। निदेशक मंडल द्वारा इन योजनाओं/परियोजनाओं की आवधिक रूप से समीक्षा के अलावा मंत्रालय द्वारा त्रैमासिक आधार पर इनकी प्रगति की समीक्षा की जाती है। प्रबोधन तथा मूल्यांकन तंत्र यह सुनिश्चित करने के लिए है कि योजनाओं/परियोजनाओं के पूरा होने पर उनकी वास्तविक उपलब्धियां निष्कर्ष बजट 2010-2011 में अनुमानित निष्कर्षों से मेल खाती हों।

****

अध्याय - I

प्रस्तावना

1. **उद्देश्य**

इस्पात मंत्रालय के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं:

(क) लोहा और इस्पात तथा फैरो-मिश्र के उत्पादन, वितरण, मूल्य, आयात और निर्यात से संबंधित नीतियां बनाना;

(ख) लोहा और इस्पात उत्पादन सुविधाओं की स्थापना के लिए आयोजना, विकास और सुविधा प्रदान करना।

(ग) सरकारी क्षेत्र में लौह अयस्क खानों तथा लोहा और इस्पात उद्योग के उपयोग में आने वाली अन्य लौह अयस्क खानों का विकास; और

(घ) लोहा और इस्पात क्षेत्र में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और उनकी सहायक कंपनियों तथा सरकारी प्रबंधन की कंपनी के निष्पादन का निरीक्षण करना।

2. **कार्यक्रम**

2.1 इस्पात मंत्रालय के मुख्य कार्यक्रम/उप-कार्यक्रम निम्नलिखित हैं :-

(i) खनन तथा धातुकर्मीय उद्योग - लोहा और इस्पात उद्योग

(क) उत्पादन, आयात और निर्यात;
(ख) शुल्क तथा मूल्य निर्धारण;
(ग) अनुसंधान तथा प्रशिक्षण;
(घ) निर्माण कार्य; और
(ड.) तकनीकी तथा परामर्शी सेवाएं

(ii) खान और खनिज:

(क) लौह अयस्क;
(ख) मैंगनीज अयस्क; और
(ग) क्रोमाइट अयस्क

2.2 इस्पात मंत्रालय - इस्पात उद्योग के विकास के लिए मददकर्ता

इस्पात मंत्रालय से भारत में इस्पात क्षेत्र के सुव्यवस्थित एवं एकीकृत उत्थान के लिए निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। इस्पात एक महत्वपूर्ण क्षेत्र होने के कारण, 11वीं पंचवर्षीय योजना में परिकल्पित सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि के स्तर को प्राप्त करने के लिए इस्पात क्षेत्र का सतत् उत्थान पूर्वापेक्षित है। तथापि, यह मानना होगा कि इस्पात उद्योग का अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के साथ अग्रगामी

एवं पश्चगामी सम्बन्ध हैं अत: इसकी अपनी स्वयं की विकास पद्धति अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में होने वाली घटनाओं से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकती। कच्चे माल और ऊर्जा लागत की बढ़ती हुई कीमतें इस्पात क्षेत्र की कई कम्पनियों के तुलन-पत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। इस क्षेत्र में निजी निवेश के सतत् स्तर को भी बनाए रखने की आवश्यकता है। यह अच्छी बात है कि इस्पात क्षेत्र जिस माहौल में प्रचालन करता है उसमें इस्पात मंत्रालय द्वारा एक प्रोत्साहक की भूमिका निभाने की जरूरत है। इस्पात मंत्रालय से एक सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है ताकि भारतीय इस्पात क्षेत्र के विकास में आने वाली अड़चनों को दूर किया जा सके। इसमें कच्चे माल की उपलब्धता, अवसंरचना विकास, अपेक्षित पूंजी उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय संस्थाओं से लगातार बातचीत करना और उपयुक्त नीतिपरक कार्रवाई करने में सरकार के अन्य संबंधित मंत्रालयों और विभागों से विचार-विमर्श सुनिश्चित करना शामिल है।

3. संगठन

इस्पात मंत्रालय का नेतृत्व एक कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री द्वारा किया जाता है। इनकी सहायता के लिए एक सचिव, भारत सरकार, एक विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, भारत सरकार, एक मुख्य लेखा नियंत्रक, तीन संयुक्त सचिव, एक आर्थिक सलाहकार, पांच निदेशक, तीन उप सचिव तथा अन्य अधिकारी एवं सहायक कर्मचारी कार्यरत हैं। लोहा और इस्पात उद्योग से संबंधित मामलों को तकनीकी दृष्टि से देखने के लिए एक तकनीकी स्कंध है जिसके प्रभारी औद्योगिक सलाहकार हैं, जो भारत सरकार के वरिष्ठ निदेशक स्तर के हैं। इनकी सहायता के लिए एक अपर औद्योगिक सलाहकार, एक संयुक्त औद्योगिक सलाहकार एवं अन्य सहायक कर्मचारी हैं।

इस्पात मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय नामत: विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात का कार्यालय था, जो कोलकत्ता में स्थित था। व्यय सुधार आयोग की सिफारिशों के आधार पर विकास आयुक्त लोहा और इस्पात का कार्यालय तथा इसके चार क्षेत्रीय कार्यालयों को दिनांक 23.5.2003 से बंद करने का प्रशासनिक निर्णय लिया गया था। इस कार्यालय को बंद करने के परिणामस्वरूप विकास आयुक्त लोहा और इस्पात के 226 कर्मचारियों में से 220 कर्मचारी अधिशेष घोषित कर दिए गए और पुनर्तैनाती हेतु कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के अधिशेष सैल की नामावली में ले लिए गए। शेष 6 कर्मचारी कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा अभी अधिशेष घोषित किए जाने हैं। आंकड़े संग्रहण का कार्य जो संयुक्त संयंत्र समिति (जे पी सी) को सौंपा गया है, को छोड़कर विकास आयुक्त लोहा और इस्पात के शेष कार्य मंत्रालय द्वारा किए जा रहे हैं।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कोई सांविधिक अथवा स्वायत्त निकाय नहीं है।

4. सरकारी क्षेत्र के उपक्रम/सरकारी प्रबंधन की कंपनी

4.1 इस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में सरकारी क्षेत्र के निम्नलिखित उपक्रम और सरकारी प्रबंधनाधीन कंपनी कार्य कर रहे हैं:-

(1) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), नई दिल्ली

(2) केआईओसीएल लिमिटेड, बंगलौर

(3) एन एम डी सी लिमिटेड, हैदराबाद

(4) हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एच एस सी एल), कोलकाता

(5) मेकान लिमिटेड, रांची

(6) मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल), नागपुर

(7) स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड (सिल), हैदराबाद

(8) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल), विशाखापट्टनम

(9) एम एस टी सी लिमिटेड, कोलकाता

(10) फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल), भिलाई (एम एस टी सी लि. की सहायक कंपनी)

(1) स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के समग्र नियंत्रणाधीन निम्नलिखित इकाइयां हैं:-

(1) बोकारो इस्पात संयंत्र, बोकारो (झारखंड)

(2) भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई (छत्तीसगढ़)

(3) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)

(4) राउरकेला इस्पात संयंत्र, राउरकेला (उड़ीसा)

(5) मिश्र इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)

(6) सेलम इस्पात संयंत्र, सेलम (तमिलनाडु)

(7) इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर (पूर्व में सेल की एक सहायक कंपनी इस्को का 16.2.2006 को सेल में विलय हो गया और इसे इस्को स्टील प्लांट नाम दिया गया है)।

(8) विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र, भद्रावती (कर्नाटक)

(9) केन्द्रीय विपणन संगठन, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)

(10) लोहा और इस्पात अनुसंधान तथा विकास केन्द्र, रांची (झारखंड)

(11) कच्चा माल प्रभाग, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)

(12) इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र, रांची (झारखंड) और

(13) निगमित कार्यालय, नई दिल्ली

इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मैल्ट लिमिटेड (एमईएल) भी सेल की एक सहायक कंपनी है जिसमें सेल की 99.12 प्रतिशत शेयर पूंजी है। एमईएल का संयंत्र चंद्रपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है और यह कंपनी फैरो मिश्र का उत्पादन करती है।

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 396 के अंतर्गत निगमित कार्य मंत्रालय द्वारा दिनांक 28.7.2009 को जारी विलय संबंधी आदेशों के अनुसरण में इस्पात मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के एक उपक्रम भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड (बीआरएल) का 1.4.2007 से स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में विलय कर दिया गया है। सेल में विलय के पश्चात तत्कालीन बीआरएल को सेल रिफ्रैक्ट्री यूनिट का नाम दिया गया है।

(2) केआईओसीएल लिमिटेड (पहले कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड) यह पूर्णतः सरकारी कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय बंगलौर में है, जिसे कर्नाटक राज्य में लौह अयस्क भण्डारों का विकास करने तथा उनसे उत्पादित लौह अयस्क सांद्रणों की बिक्री के लिए अप्रैल, 1976 में बनाई गई थी।

(3) **एन एम डी सी लिमिटेड :** देश में लौह अयस्क और हीरे का एकमात्र सबसे बड़ा उत्पादक है और हीरे, चूना-पत्थर, डोलोमाइट, टंगस्टन और ग्रेफाइट, टिन आदि जैसे खनिजों के अन्वेषण विकास और शोषण कार्य में लगा हुआ है। कंपनी फैरिक ऑक्साइड, आयरन पाउडर आदि ब्लू डस्ट से उच्च तकनीक तथा उच्च मूल्यवर्धक उत्पादों के उत्पादन के लिए गहन आर एंड डी के जरिये नए उत्पादों का अधिग्रहण कर रही है। एनएमडीसी लिमिटेड इस्पात मंत्रालय के अधीन च्नवरत्न दर्जाछ प्राप्त करने वाली दूसरी कंपनी बन गई है। एनएमडीसी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी जे एंड के मिनरल डेवलपमेंट कार्पोरेशन, जम्मू में स्थित है। एनएमडीसी ने हाल ही में छत्तीसगढ़ में नागरनार में 3 मिलियन टन वार्षिक क्षमता का एक एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है। चार वर्ष के अंतराल के पश्चात कंपनी ने मध्य प्रदेश में अपनी पन्ना स्थित हीरा खान में खनन कार्यकलाप पुन: शुरू किए हैं।

(4) **हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल)** का पंजीकृत कार्यालय कोलकत्ता में है, इसने बोकारो, विजाग और सेलम जैसे इस्पात संयंत्रों की स्थापना और भिलाई, दुर्गापुर, बर्नपुर (इस्को) आदि इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण से सम्बद्ध बड़े-बड़े निर्माण कार्य किए हैं। अब कंपनी ने उच्च श्रेणी की योजना समन्वय और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ अवसंरचना क्षेत्रों में भी अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। इस्पात संयंत्रों में निर्माण संबंधी कार्यकलापों में कमी के चलते कंपनी ने अपने कार्यकलापों का विद्युत, कोयला, तेल एवं गैस जैसे अन्य क्षेत्रों में विस्तार किया है। इसके अलावा, कंपनी ने सड़क/राजमार्गों, पुलों, बांधों, भूमिगत संचार और परिवहन प्रणाली और उच्च स्तर की आयोजना वाले औद्योगिक तथा बस्ती परिसरों, समन्वय और आधुनिक तकनीकों आदि जैसे अवसंरचना क्षेत्रों में अपने कार्यकलापों को फैलाया है। जिसमें आयोजना, समन्वय और जटिल तकनीकों की आवश्यकता होती है। आज एचएससीएल एक आईएसओ: 9001-2000 कंपनी है तथा इसकी क्षमताएं निर्माण कार्यकलापों के लगभग सभी क्षेत्रों में हैं।

(5) **मेकॉन लिमिटेड :** देश में पहला परामर्शी और इंजीनियरी संगठन है जिसे आई एस ओ : 9001-2000 मान्यता प्राप्त है तथा जो वर्ल्ड बैंक एशियन डेवलपमेंट बैंक, यूरोपियन बैंक ऑफ रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट तथा यूनाइटेड नेशन्स इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन में पंजीकृत है। यह कंपनी लोहा एवं इस्पात, रसायन, रिफाइनरीज तथा पैट्रो रसायनों, विद्युत, सड़क एवं राजमार्गों, रेलवे, जल प्रबंधन, पत्तन एवं बंदरगाह, गैस एवं तेल, पाइपलाइनों, अलौह खनन, सामान्य इंजीनियरिंग, पर्यावरण इंजीनियरिंग तथा संबद्ध/विविधीकृत क्षेत्रों में व्यापक विदेशी अनुभव सहित अग्रणी बहुविधिक डिजाइन, इंजीनियरिंग, परामर्शी और कांट्रैक्टिंग संगठन है।

(6) **मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल)** का निगमित कार्यलय नागपुर में है, उच्च ग्रेड के मैंगनीज अयस्क का उत्पादक करने वाली सबसे बडी कंपनी है। इस्पात निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री जिसका प्रयोग फैरो-मिश्र के उत्पादन हेतु मौलिक कच्ची सामग्री के लिए तथा शुष्क बैटरियों के उत्पादन हेतु डाईऑक्साइड अयस्क किया जाता है। मॉयल ने 90 के दशक के दौरान कारोबार की मात्रा और लाभप्रदता में सुधार करने के लिए मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन में अपने कार्यकलापों का विस्तार किया है। विविधीकरण के एक भाग के रूप में कंपनी ने 600 एमटी वार्षिक प्रारंभिक क्षमता से 1991 में इलैक्ट्रोलिटिक मैंगनीज डाईऑक्साइड का उत्पादन करने के लिए एक परियोजना प्रारंभ की थी जिसका चरणबद्ध ढंग से 1500 एमटी वार्षिक तक विस्तार किया गया है। आगे और विविधीकरण करने के लिए मॉयल ने वर्ष 1998 के दौरान मध्य प्रदेश के बालघाट में 10000 एमटी वार्षिक संस्थापित क्षमता से 5 एमवीए क्षमता का एक फैरो मैंगनीज संयंत्र स्थापित किया था। वर्ष 2006-07 के दौरान कंपनी ने मध्य प्रदेश में नागदा हिल्स में 4.8 मेगावाट की विंड पावर इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन यूनिट स्थापित की है जिसका 20 मेगावाट तक आगे विस्तार किया गया। मॉयल ने भिलाई के समीप नन्दिनी में और विशाखापट्टनम के समीप बोबिली में फैरो मिश्र उत्पादन इकाईयाँ स्थापित करने के लिए सेल और आरआईएनएल के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित किए हैं।

(7) **स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड (सिल),** प्रदर्शन स्पंज लौह संयंत्र के सफल प्रचालन के पश्चात् अस्तित्व में आया। यह भारत सरकार और आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की भागीदारी तथा संयुक्त राष्ट्र विकास

कार्यक्रम/संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन की सहायता से ठोस अपचयन प्रक्रिया (सॉलिड रिडक्टेंट प्रोसेस) के आधार पर स्पंज लोहे का उत्पादन करने के लिए स्थापित किया गया था। सरकार ने सिल का एनएमडीसी में विलय करने के लिए 22.5.2008 को मंजूरी दे दी है। निगमित कार्य मंत्रालय ने सिल के एनएमडीसी में विलय की मंजूरी 18.1.2010 को दे दी है। शेष कानूनी प्रक्रिया एनएमडीसी लिमिटेड से समन्वय करके शीघ्र पूरा किए जाने की संभावना है।

(8) **राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल)** का पंजीकृत कार्यालय विशाखापट्टणम में है। यह भारत में स्थापित प्रथम तटीय आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। इसे 3.0 मिलियन टन प्रति वर्ष द्रव इस्पात क्षमता के साथ अगस्त, 1992 में चालू किया गया था।स्टेट आफ आर्ट टैक्नोलोजी के अंतर्राष्ट्रीय स्तर से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है इसमें विस्तृत विद्युत बचत तथा प्रदेषण नियंत्रण उपाय शामिल हैं। कंपनी ने 2019-20 तक चरणों में 16 मिलियन टन तक पहुँचने के लक्ष्य से अपनी निगमित योजना तैयार की है और इस समय 2011-12 तक 3.0 मिलियन टन से 6.3 मिलियन टन द्रव इस्पात उत्पादन करने के विस्तार संबंधी प्रथम चरण को पूरा कर रही है।

(9) **एम एस टी सी लिमिटेड** भारत सरकार का एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान है। पहले यह लघु इस्पात संयंत्रों को वितरण के लिए इस्पात गलन स्क्रैप का आयात करने वाली माध्यम एजेंसी के रूप में नामित थी । इसका मुख्यालय कोलकात्ता में स्थित है। इस कंपनी का माध्यम एजेंसी का स्वरूप फरवरी, 1992 से समाप्त हो गया। अब यह अन्य निजी व्यावसायिक कंपनियों की तरह पूर्णत: स्वतंत्र एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में काम कर रही है। कंपनी ट्रेडिंग कार्यकलाप, ई-कॉमर्स, लौह तथा अलौह स्क्रैप का निपटान,सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और रक्षा मंत्रालय सहित सरकारी विभागों में उत्पन्न होने वाले अधिशेष भंडारों तथा अन्य गौण सामग्रियों का कार्य देखती है।

(10) **फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल)** एम एस टी सी लिमिटेड की 100% सहायक कंपनी है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य सेल, आरआईएनएल और एनआईएनएल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों में स्लैग से स्क्रैप प्राप्त करना और आईआईएल तथा जेएसपीएल जैसे निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों में प्रचालन करना भी है। कंपनी अग्रणी संगठनों में से एक है जो देश के धातुकर्मीय उद्योगों को विशेषज्ञतायुक्त सेवाएं उपलब्ध करवाती है।

4.2 सरकारी क्षेत्र के उपरोक्त उपक्रमों के अतिरिक्त इस्पात मंत्रालय के अधीन सरकारी प्रबंधन की एक कंपनी अर्थात **बर्ड ग्रुप की कंपनियां, कोलकाता में है।** 25 अक्तूबर, 1980 से भारत सरकार द्वारा 21 कम्पनियों के शेयर जो पहले बर्ड एंड कम्पनी लिमिटेड के पास थे, का अधिग्रहण करने पर इस्पात उद्योग से संबंधित बर्ड ग्रुप की निम्नलिखित 7 कम्पनियां इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आ गई थी:-

(1) उड़ीसा मिनरल डेवलमेंट कंपनी लिमिटेड (ओ एम डी सी);

(2) बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड (बी एस एल सी);

(3) करनपुरा डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (के डी सी एल);

(4) स्कॉट एंड सैक्सबी लिमिटेड (एस एस एल), (के डी सी एल की सहायक कंपनी);

(5) कुमारधुबी फायरक्ले एंड सिलिका वर्क्स लिमिटेड (के एफ एस डब्ल्यू);

(6) बोरिया कोल कंपनी लिमिटेड; और

(7) बुराकुर कोल कंपनी लिमिटेड

उपर्युक्त 7 कंपनियों में से ओएमडीसी, बीएसएलसी और केडीसीएल नामक तीन कंपनियाँ खनन कंपनियां हैं। एसएसएल गहरे नलकूपों की खुदाई और खनिज गवेषण से संबंधित कार्य कर रही है। ईआईएल एक निवेश कंपनी है

और बर्ड ग्रुप के तहत प्रचालन कर रही कंपनियों के साम्या शेयरों में इसकी मुख्य हिस्सेदारी है। बोरिया तथा बुराकुर कोयला कंपनियों का प्रचालन कोयला खानों के राष्ट्रीयकरण के बाद बंद हो गया है। केवल चार कंपनियां नामत: ओ एम डी सी, बी एस एल सी, के डी सी एल और एस एस एल ही अब प्रचलन में हैं।

सरकार ने बर्ड कंपनी समूह की पुनर्सरचना की मंजूरी तारीख 10.9.2009 को दे दी है, पुनर्सरचना के अनुसार ओएमडीसी और बीएसएलसी ईआईएल की सहायक कंपनी हो जाएगी जो आरआईएनएल की सहायक कंपनी होगी। इस प्रकार ईआईएल, ओएमडीसी और बीएसएलसी आरआईएनएल के अधिकार क्षेत्र में आ जाएगी। अन्य दो कंपनियों को चरणबद्ध ढंग से बन्द किया जाएगा।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा वर्ष 2009-10 के दौरान (50 करोड़ रुपए अथवा अधिक की अनुमानित/स्वीकृत लागत से) कार्यान्वित मुख्य स्कीमों/कार्यक्रमों का ब्यौरा अध्याय-II में दिया गया है।

इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों तथा सरकारी प्रबंधन की कंपनी की सूची, उनके पंजीकृत कार्यालयों के स्थान सहित नीचे दी गई है।

I. सरकारी क्षेत्र के उपक्रम/सहायक कंपनियां

(1) स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली - 110003

(2) कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड (के आई ओ सी एल), II-ब्लाक, कोरमंगला, बंगलौर-560034

(3) एनएमडीसी लिमिटेड, खनिज भवन, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मसाब टैंक, हैदराबाद-500028

(4) हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एच एस सी एल), 5/1 कैमिशेरिएट रोड, हैस्टिंग्स, कोलकाता-700022

(5) मेकान लिमिटेड, मेकान बिल्डिंग, पो.ओ.,हीनू, रांची-834002

(6) मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मायल), मॉयल भवन, 1ए, कोटाल रोड़, नागपुर-440013

(7) स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड (सिल), एन एम डी सी कॉम्पलैक्स, खनिज भवन, 10-3-311/ए कैसल हिल्स, हैदराबाद-500028

(8) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, (आर आई एन एल), परियोजना कार्यालय ए ब्लाक, विशाखापट्टणम-530031

(9) एम एस टी सी लिमिटेड, 225 एफ, आचार्य जगदीश बोस रोड, कोलकाता-700020

(10) फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल), एफ एस एन एल भवन, इक्विपमेंट चौक, सेंट्रल एवेन्यू, पोस्ट बॉक्स नं. 37, भिलाई (छत्तीसगढ़)-490001

II. सरकार के प्रबंधन में कंपनी

(1) बर्ड ग्रुप की कंपनियाँ, एफ डी 350, साल्ट लेक, सेक्टर-III, कोलकाता-700106

****

अध्याय-II

वर्ष 2010-2011 के लिए प्रमुख योजनाओं का निष्कर्ष बजट

उनके अवधारणात्मक, रूपांकन और कार्यान्वयन को निष्कर्षोन्मुखी बनाकर विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा 2005-06 में निष्कर्ष बजट की अवधारणा शुरू की गई थी। यह इस अवधारणा पर आधारित है कि परिव्यय अनिवार्य रूप से निष्कर्ष नहीं होता। निष्कर्ष बजट का अभिप्राय न केवल मध्यवर्ती वास्तविक उत्पादन जिसे अधिक तात्कालिक ढंग से मापा जा सकता है, का ट्रैक करना है, बल्कि सरकार के हस्तक्षेप के अन्तिम उद्देश्य का निष्कर्ष है। इसके लिए सुदृढ़ परियोजना/कार्यक्रम बनाने, मूल्यांकन क्षमताओं के साथ-साथ प्रभावी बेंच-सुपुर्दगी प्रणालियों की आवश्यकता होती है। सम्पूर्ण कार्रवाई को मानिटर करने योग्य बनाकर सुपुर्दगी की यूनिट लागत की बेंच-मार्किंग सहित निष्कर्ष विकास को मापने योग्य परिभाषित करना है। धन जिसे वांछित निष्कर्ष सहित प्रस्तावित प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, के समय पर प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रणाली की आवश्यकता है तथा उपयुक्त रिर्पोटिंग के जरिए उचित लेखांकन, लेखा परीक्षा एवं मूल्यांकन तंत्र की आवश्यकता है। इसलिए निष्कर्ष बजट सभी प्रमुख कार्यक्रमों के विकास निष्कर्ष को मापने के लिए तंत्र तैयार करने का एक प्रयास है।

10वीं योजना (2002-07) तक इस्पात मंत्रालय को प्रत्यक्ष रूप से किसी योजना का कार्यान्वयन नहीं करना था। 11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित घरेलू लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए शामिल किया गया है। औपचारिक रूप से यह योजना कार्यान्वयन हेतु 23.01.2009 को मंजूर की गई थी। मंजूरी के अनुसार यह योजना 1.4.2009 से लागू है।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालनों के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम बनाते हैं और कार्यान्वित करते हैं। योजना के स्वरूप पर निर्भर करते हुए सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनागत योजनाएं उनकी वार्षिक योजना अथवा पंचवर्षीय योजनाओं अथवा दोनों की घटक होती हैं। प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई योजनाएं हैं। अधिकांश योजनाएं कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और प्रचालनों से संबंधित हैं। इसलिए यह महसूस किया गया है कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी योजनाओं को शामिल करना न तो व्यवहारिक होगा और न ही निष्कर्ष बजट के उद्देश्य के अनुरूप। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक लागत की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख योजना और गैर-योजनागत योजनाओं को ही शामिल किया जाए।

तदनुसार, सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की प्रमुख योजनाओं (50 करोड़ रूपए अथवा उससे अधिक मंजूर लागत) को निम्नलिखित तालिका में दिया गया है। तथापि, इस्पात मंत्रालय के वित्तीय बजट, 2009-10 और निष्कर्ष बजट, 2009-10 के बीच पूर्णत: अनुरूपता बनाए रखने को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय और सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की 50 करोड़ रूपए से कम लागत की विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों के लिए बजटीय आबंटन भी तालिका में दिए गए

परिव्यय तथा निष्कर्ष का विवरण/लक्ष्य का विवरण (2010-11)
(50.00 करोड़ रूपए से अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत की योजनाएं)

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
क	50.00 करोड़ रूपए से अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत की योजनाएं									
1.	स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल)									
(क)	भिलाई स्टील प्लांट									
(i)	प्लेट मिल ड्राईव्ज का थिरिस्टोराईजेशन	स्टेट-ऑफ-आर्ट डिजिटल कंट्रोल के साथ मॉर्डन थिरिस्टर कन्वर्टरों द्वारा पुराने व अविश्वसनीय एमजी सैटों को बदलना।	53.52	--	--	6.22	मिल उपलब्धता में सुधार एवं विद्युत खपत में कमी	फरवरी, 09	जनवरी 2010 में पूरा हुआ	उपस्कर सप्लाई और उत्थापन तथा सब-स्टेशन 51 की चार्जिग और डीसीबीयूएस डक्ट. के उत्थापन में विलम्ब
(ii)	ऑक्सीजन संयंत्र-II में 700 टीपीडी एएसयू	ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आर्गन की मांग में हुई बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन संयंत्र-II में नया एएसयू स्थापित किया जा रहा है।	258.18	--	--	130.00	700 टन ऑक्सीजन प्रतिदिन	जुलाई, 09	मई, 11	मै0 क्राइयोजेन के साथ ठेका समाप्त, निविदा पुन: दी गई। मै0 एयर लिक्विड के साथ नया ठेका हस्ताक्षरित

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(iii)	सीओबी-6 का पुनर्निर्माण	उत्पादन में सुधार करना तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानकों को प्राप्त करना।	191.20	--	--	60.00	--	जनवरी, 10	अप्रैल 10	पूरा करने की पुन: अनुसूची अप्रैल, 10
(iv)	बीएसपी का विस्तार	लो ग्रेडिंग तथा इनर्जी इंट्रींसिक यूनिटों को फेज आउट करना, सेमीज को कम करना	5971.31 (पार्ट)	--	--	3258.00	एचएम क्षमता 4.82 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	--	--	--
(ख)	राउरकेला इस्पात संयंत्र									
(i)	बीएफ-4 में कोल डस्ट इंजेक्शन सिस्टम	कोक दर में कमी तथा फर्नेश उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकी आवश्यकता	70.71	--	--	2.89	1:1 अनुपात के आधार पर कोक का पुल्वेराईज्ड कोल में प्रतिस्थापना। 120 किग्रा/ टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर ।	अक्टूबर 08	जुलाई 10	मै0 सिनो स्टील, चीन द्वारा डिजायन और इंजीनियरी में प्रारंभिक विलम्ब। मै0 सिनो स्टील द्वारा सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य तथा उपस्करों की सप्लाई में विलम्ब।

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(ii)	कोक ओवन बैटरी 4 का पुनर्निर्माण	उत्पादन में सुधार करना तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अद्यतन प्रदूषण मानदंडों को पूरा करना	248.94	--	--	30.52	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों के अनुसार पुनर्निर्माण	अगस्त 09	फरवरी 10	मै0 मेकॉन द्वारा उपस्करों की सप्लाई और उत्थापन में विलम्ब। चिमनी हिटिंग 12.10.09 को शुरू हुई तथा 28.10.09 को बैटरी प्रज्वलित की गई।
(iii)	सीपीपी-। में टर्बो ब्लोवर सं. 5 की अपरेटिंग	बीएफ - 4 की उच्च दाब की आवश्यकता के लिए और अन्य टर्बो ब्लोवरों के शट डाऊन/ अनुपलब्धता के मामले में अन्य धमन भट्टियों की एयर संबंधी आवश्यकता के लिए भी।	54.05	--	--	4.86	2.3 किग्रा./सीएम^2 के दाब पर 1,63,000 एनएम^3/घंटे के डिस्चार्ज वोल्यूम की क्षमता	जनवरी 09	दिसम्बर 09 में पूरा	मै0 मान टर्बो द्वारा आयातित उपस्करों की सप्लाई और उत्थापन में विलम्ब।
(iv)	न्यू कोक ओवन गैस होल्डर	गैस ग्रिड में पर्याप्त दाब बनाए रखने के लिए प्रतिस्थापन के रूप में न्यू कोक ओवन गैस होल्डर	123.22	--	--	18.79	100,000 मी^{3} क्षमता	जून 09	दिसम्बर 09 में पूरा	मै0 क्लेटोन वाकर गैसहोल्डर, यूके/एमआईआईसीओ द्वारा उपस्करों की सप्लाई और उत्थापन में विलम्ब।

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(v)	700टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र	ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आर्गन की मांग में हुई बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए नया ऑक्सीजन संयंत्र	302.70	--	--	50.00	700 टन प्रतिदिन क्षमता	जून 09	मई 10	एटलस कोपको, जर्मनी से बूस्टर एयर कम्प्रेशन की सप्लाई में विलम्ब/बूस्टर एयर कम्प्रेशर के पार्ट को छोड़कर सभी आयातित उपस्कर स्थल पर प्राप्त हो गए हैं। प्राप्त होने पर दो आयातित कंसाइंमेन्ट दोषपूर्ण पाए गए तथा सुधार करने हेतु 24.11.09 को जर्मनी वापिस भेज दिए गए।
(vi)	एसएमएस-।। के बीओएफ कन्वर्टरों की सिमल्टानियस ब्लोइंग	एसएमएस-।। की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए	197.66	--	--	25.00	1.68 एमटीपीए से 1.85 एमटीपीए उत्पादन बढ़ाना	अक्टूबर 09	मार्च 10	सिविल ड्राईगों की उपलब्धता में प्रारम्भिक विलम्ब।
(vii)	आरएसपी का विस्तार	तप्त धातु क्षमता बढ़ाकर 4.5 एमटीपीए करना	7721.94 (पार्ट)	--	--	1645.00	तप्त धातु क्षमता 2.12 एमटीपीए से बढ़ाकर 4.5 एमटीपीए करना।	--	--	--

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(ग)	**बोकारो इस्पात संयंत्र**									
(i)	बीएफ-2 व 3 में कोल डस्ट इंजेक्शन सिस्टम	कोक दर में कमी तथा फर्नेश उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकी आवश्यकता	133.92	--	--	8.00	1:1 अनुपात के आधार पर कोक का पुल्वेराईज्ड कोल में प्रतिस्थापना। 120 किग्रा/ टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर ।	मई 08	फरवरी 10 (बीएफ-3)	संयंत्र विस्तार के तहत एसएमएस-3 के लिए स्थल के संबंध में अंतिम निर्णय के कारण कोल हैंडलिंग एंड स्टोरेज स्थल की रिलोकेशन में विलम्ब हुआ। - मै0 एसआरईपीसी और टेक्प्रो द्वारा फैब्रिकेशन और स्ट्रक्चरल्स के उत्थापन में विलम्ब।
(ii)	एसएमएस-।। में दूसरी लैडल फर्नेस की स्थापना।	प्रचालन में कास्टरों व व्यवहार्यता में लंबी सीक्वेंस के लिए बफर स्टेशन बनाने के बावजूद मूल्यवर्धित इस्पात के उत्पादन को सुविधा प्रदान करना, विशेष रूप से कम सल्फर वाले स्टील ग्रेड को, रिटर्न हीट में कमी, ऑक्सीजन खपत और फैरो अलॉय की बचत।	96.96	--	--	8.00	मूल्यवर्धित इस्पात का उत्पादन, कन्वर्टरों की लाईनिंग लाईफ में सुधार।	फरवरी 08	फरवरी 10	मै0 वीएआई और मै0 सीमैन्स द्वारा डिजायन इंजीनियरी और उपस्करों के लिए आर्डर देने में विलम्ब। - मै0 एचएससीएल और के सीसी द्वारा संसाधन जुटाने में कमी जिससे सिविल कार्यों में विलम्ब हुआ।

(iii)	सिंटर संयंत्र में ईएसपी सहित बैटरी साईक्लोन्स का प्रतिस्थापन।	केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानदण्डों के अनुसार आऊटलेट डस्ट के उत्सर्जन स्तर की सांविधिक जरूरत को पूरा करने के लिए इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रीसीपीटेटर्स द्वारा बैटरी साईक्लोन का प्रतिस्थापन।	80.60	--	--	25.00	आऊटलेट डस्ट के उत्सर्जन स्तर में 150 एम^3/एनएम^3 पर नियंत्रण करने के लिए 900,000 एम^3/घंटा क्षमता के 6 ईएसपी।	अगस्त 10	दिसम्बर 11	ई.एस.पी-6 के उत्थापन के लिए बंद नहीं किए जाना। मै0 एसआरईपीसी द्वारा ड्राइंग प्रस्तुत करने में विलम्ब।
(iv)	नए टर्बो ब्लोवर न. 8 की स्थापना	बीएफ-2 की कोल्ड ब्लास्ट (सीबी) की बढ़ी हुई जरूरत को पूरा करना।	125.92	--	--	26.00	सी बी में 4000 एनएम^3/मिनट का ब्लोवर डिस्चार्ज वोल्यूम और ब्लोवर एंड में 3.9 किग्रा/सीएम^3 का डिस्चार्ज प्रैशर।	अगस्त 09	मई 11	मै0 राजेलैक्ट्रोपोम के साथ ठेका रद्द। नया आर्डर एनआईसीसीओ/एसबीडब्लयू चीन/एमईएस, जापान को दिया गया।
(v)	बीएफ-2 का उन्नयन	उपयोगी वर्किंग वोल्यूम और उत्पादकता में वृद्धि करना।	892.32	--	--	305.00	उपयोगी वोल्यूम में 1758 से 2259 एम3 और उत्पादकता में 2टी/एम3/दिन की बढ़ोतरी होगी।	अगस्त 09	मार्च 10	बीएफ-3 की बड़े पैमाने पर मरम्मत के कारण बीएफ-2 को बंद करना स्थगित कर दिया गया।
(vi)	सीओबी-1 व 2 का पुनर्निर्माण।	उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।	500.90	--	--	147.00	उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।	अप्रैल 10	अक्टूबर 10 (प्रथम बैटरी)	संविदागत अनुसूची: स्थल सौंपने की तारीख से 27 माह। जुलाई, 10-सीओबी-1 तथा अक्तूबर, 10-सीओबी-2

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(vii)	बीएसएल का विस्तार	इनर्जी सघन यूनिटों को फेज आउट करना तथा ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी शुरू करना।	3858.62 (पार्ट)	--	--	930.00	1.2 एमटीपीए का नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलैक्स	--	--	--
(घ)	<u>इस्को स्टील प्लांट</u>									
(i)	कोक ओवन बैटरी-10 का पुनर्निर्माण	उत्पादन में सुधार करना व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।	416.50	--	--	120.00	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों के अनुसार पुनर्निर्माण।	सितम्बर 09	जून 10	खराब निष्पादन के कारण सिविल कार्य हेतु ठेका रद्द। मेकॉन द्वारा डिजायन इंजीनियरी के आधार पर सिविल कार्य में काफी वृद्धि
(ii)	आईएसपी का विस्तार	2.7 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात का उत्पादन करने के लिए नई सुविधाएं स्थापित करना।	16073.94	--	--	3432.00	2.7 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात	जुलाई 10 (पहला कनवर्टर)	जून 11 (इंटीग्रेटिड कमीशनींग)	--

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(ङ)	सेलम इस्पात संयंत्र									
(i)	एसएसपी का विस्तार	सतत् ढलाई व नई सीआरएम के साथ् इस्पात निर्माण सुविधाएं विकसित करना।	2138.00	--	--	194.00	अपरिष्कृत इस्पात के उत्पादन में शून्य से 0.18 एमटी और विक्रेय इस्पात के उत्पादन में 0.18 से 0.34 एमटी की वृद्धि करना।	मार्च 10	जून 10 (इंटीग्रेटिड कमीशनिंग)	--
(च)	आरएमडी									
(i)	बोलानी आयरन ओर माइन की लोडिंग क्षमता में वृद्धि करना	लोडिंग क्षमता बढ़ाने के लिए और रेलवे लाइन में संशोधन करने के लिए, फाइंस और लंप साइडिंग पर फुल रैक (एक स्ट्रैच में) लोडिंग के लिए ओवर हैड	124.88	--	--	23.00	--	दिसम्बर 09	जून 10	मै0 टेक्प्रो द्वारा डिजायन इंजीनियरी तथा फैब्रिकेशन कार्य की मंद प्रगति। स्थल फैब्रिकेशन कार्य तथा डिजायन इंजीनियरी को शीघ्र करने के लिए मै0 टेक्प्रो से अनुरोध किया गया है।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
2.	राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. (आरआईएनएल)									
(i)	कोक ओवन बैटरी सं. 4, चरण-I	कोक की जरूरतों एवं शेष गैस को पूरा करने के लिए अन्य तीन कोक ओवन बैटरियों की बड़े पैमाने पर मरम्मत के दौरान भी तप्त धातु व द्रव इस्पात के उत्पादन को इस स्तर पर बनाए रखने हेतु एक प्रतिस्थापन बैटरी की आवश्यकता होगी ।	380.00	--	--	69.00	0.75 एमटी कोक का उत्पादन करना	--	अप्रैल 09	बैटरी-4 चालू कर दी गई तथा नियमित रूप से प्रचालन हो रहा है।
(ii)	कोक ओवन बैटरी सं. 4, चरण-II	गैस का पूर्ण उपयोग करना तथा कोल हैंडलिंग में अतिरिक्त उप-उत्पाद सुविधाएं प्रदान करके उप-उत्पादों के बेहतर कार्यान्वयन में वृद्धि करना	312.00	--	--	85.00	उप-उत्पादों की प्राप्ति में वृद्धि	नवम्बर 09	जून 10	कोयला पक्ष: सभी 10 पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं और कार्य प्रगति पर है। कंक्रीटिंग- 43%, स्ट्रक्चरल्स की फेब्रिकेशन-71% तथा स्ट्रक्चरों का उत्थापन-15% हो गया है। उपोत्पाद पक्ष: 18 पैकेजों में से 17 पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं और कार्य प्रगति पर है। कंक्रीटिंग-32%, स्ट्रक्चर्स की फैब्रिकेशन-48%, स्ट्रक्चर्स का उत्थापन-12 तथा उपस्कर उत्थापन- 9% हो गया है। शेष एक पैकेज अर्थात बेंजोल रिकवरी तथा डिस्टिलेशन प्लांट के लिए मूल्य बोली खोली गई है और 21.1.2010 को मूल्य के संबंध में बातचीत हुई। पार्टी से उत्तर प्राप्त होना है।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(iii)	द्रव इस्पात का 6.3 एमटीपीए तक विस्तार।	संयंत्र की क्षमता में वृद्धि।	12228.00	--	--	2800.00	द्रव इस्पात के उत्पादन को बढ़ाकर वर्तमान स्तर 3.0 एमटीपीए क्षमता से 6.3 एमटीपीए करना ।	--	चरण-1 मार्च-दिसम्बर 10 चरण-2 जनवरी-दिसम्बर-11	(1) विस्तार कार्यक्रम के तहत सभी प्रमुख पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं। सिविल, स्ट्रक्चरल, उपस्कर सप्लाई और उत्थापन सहित स्थल पर विभिन्न पैकेजों का कार्यान्वयन पहले ही शुरू किया जा चुका है और विभिन्न चरणों में है। विस्तार की संविदागत अनुसूची स्टेज-1 जिसमें नई धमन भट्टी की स्थापना, नई एसएमएस, संबद्ध यूनिटों सहित फिनिशिंग मिलें शामिल हैं, के अनुसार मार्च, 2010 तक प्रगामी रूप से पूरी की जा रही हैं। उत्थापन कार्य को अनुसूची के अनुसार पूरा करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं ताकि मार्च-सितम्बर, 2010 के दौरान यूनिटों को चालू और स्थिर किया जा सके। (2) स्टेज-II विस्तार के तहत दो अतिरिक्त फिनिशिंग मिलें जून, 2011 से दिसम्बर, 2011 तक प्रगामी रूप से पूरी जानी है तथा कार्यान्वयनाधीन है (एसबीएम-जनवरी-जुलाई 2011 तथा एसएम दिसम्बर, 2011 तक) (3) संयंत्र और मशीनरी के मूल्यों में वृद्धि जिससे पूंजीगत लागत में वृद्धि हुई है।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(iv)	एयर सैपरेशन प्लांट (4 और 5)	कंबाइंड ब्लोइंग प्रोसेस हेतु ऑर्गन की कमी होने पर अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना । उत्पादित ऑक्सीजन बीएफ में प्रयुक्त की जाती है ।	299.00	--	--	170.00	प्रत्येक के लिए 162 करोड़ रू0 की अनुमानित लागत पर 600 टन क्षमता के दो संयंत्र	जुलाई 09	एएस-4 जून 10 और एएस-5 दिसम्बर 10	(1) एएसयू-4: आधारभूत इंजीनियरी और विस्तृत इंजीनियरी पूरी हो गई है। पाइलिंग कार्य पूरा हो गया है। कंक्रीटिंग-71%, स्ट्रक्चरल फैब्रीकेशन- 55%, स्ट्रक्चरल उत्थापन-53% तथा उपस्कर स्थापना-53% पूरी हो गई है। शेष कार्य संविदागत अनुसूची के अनुसार प्रगति पर है। (2) एएसयू-5: पाइलिंग कार्य पूरा होने वाला है। स्थल पर सिविल कार्य अनुसूची के अनुसार शुरू हो गया है। 90% डिजायन और इंजीनियरी पूरी कर ली गई है। उपस्करों का विनिर्माण शुरू हो गया है।

(v)	बीएफ-I और बीएफ-II के लिए पुल्वेराईज्ड कोल इंजेक्शन	कम महंगे पुल्वेराईज्ड कोल की तुलना में महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम।	130.00	--	--	50.00	तप्त धातु का वर्धित उत्पादन। तप्त धातु की उत्पादन की लागत में कमी करना।	जुलाई 09	मार्च 10	कंसोर्टियम के रूप में मै0 सीईआरआई चीन तथा मै0 सिम्पलैक्स इंडिया को दिनांक 21.11.2007 को आर्डर दिया गया था। आयातित उपस्कर फरवरी 2010 के अंत तक स्थल पर पहुंचने की सभावना है। लगभग 57% सिविल कार्य पूरा हो गया है, उपस्करों की 50% सप्लाई स्थल पर प्राप्त हो गई है, 23% उत्थापन पूरा हो गया है।
(vi)	लौह अयस्क खान तथा कोककर कोयला खानों का अधिग्रहण	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	600.00	--	--	60.00	आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोककर कोयला/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और खानों के अधिग्रहण के लिए परिव्यय शामिल हैं।	--	--	लौह अयस्क खानों के आबंटन के लिए राज्य सरकारों के साथ कार्रवाई की जा रही है तथा विदेशों में लौह अयस्क खानें अधिग्रहित करने की सभांवनाओं का पता लगाया जा रहा है। आरआईएनएल को दो कोककर कोयला खानें आबंटित की गई हैं। किफायती माईनिंग के लिए उपयुक्त खनन प्रौद्योगिकी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। खानों का आबंटन नहीं होने के कारण उत्पादन की लागत में वृद्धि हुई तथा वित्तीय निष्पादन की स्थिति खराब हो गई।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(vii)	लौह अयस्क भंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	480.00	--	--	75.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ेगी।	सितम्बर 09	दिसम्बर 11	पाईलिंग स्थल को समतल करने, स्ट्रक्चरल कार्य और संबद्ध उपस्करों सहित कन्वेयर के लिए आर्डर दे दिए गए हैं। शेष पैकेजों के लिए निविदा देने की कार्रवाई जारी है। उत्खनन कार्य भी प्रगति पर है तथा 62% पूरा हो गया है तथा पाईलिंग कार्य शुरू कर दिया गया है और यह 18% पूरा हो गया है।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(viii)	अनुषंगी सुविधाओं सहित 330 टीपीएच (छठा) बॉयलर	स्टीम आवश्यकता को बढ़ाना।	350.00	--	--	149.00	विस्तार इकाईयों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रोसेस स्टीम बढेंगे।	दिसम्बर 09	अगस्त 10	दिसम्बर 2009 की समापन अनुसूची सहित 26.9.2007 को मै0 भेल इंडिया को आर्डर दे दिए गए हैं। डिजायन तथा इंजीनियरी और उपस्करों की सप्लाई में मै0 भेल द्वारा विलंब हुआ है। यह मामला वीएसपी तथा इस्पात मंत्रालय द्वारा समय समय पर भेल तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के साथ उठाया गया है। भेल द्वारा की गई प्रतिबद्धता के अनुसार अब कार्रवाई में प्रगति हो रही है तथा इसके अगस्त 2010 तक तैयार हो जाने की संभावना है। कंक्रीटिंग 90%, स्ट्रक्चरल फैब्रिकेशन 86%, स्ट्रक्चरल उत्थापन 3%, उपस्करों की सप्लाई 74% तथा उपस्कर उत्थापन 19% पूरा हो गया है।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(ix)	67.5 मेगावाट का टीजी-5 पावर इवेक्यूएशन सिस्टम	अतिरिक्त विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करना।	358.00	--	--	173.00	विस्तार इकाइयों की विद्युत आवश्यकता का आंशिक रूप से उत्पादन करना।	दिसम्बर 09	सितम्बर 10	कंक्रीटिंग 81%, स्ट्रक्चरल फैब्रिकेशन 97.5%, स्ट्रक्चरल उत्थापन 53%, उपस्करों की सप्लाई 80% पूरा हो गया है।
(x)	एपी ट्रांसको के 220 केवी सिस्टम को सुदृढ़ करना।	400 एमवीए की विद्युत की ट्रांसमिशन के लिए एपी पॉवर ग्रिड को सुदृढ़ करना।	86.00	--	--	40.00	विस्तार होने पर आरआईएनएल के लिए 400 केवीए की संविदागत मांग प्राप्त करने में सक्षम होगा।	सितम्बर 12	--	स्थल कार्यकलाप शुरू हो गए हैं और अनुसूची के अनुसार प्रगति पर हैं। स्ट्रक्चरल फैब्रिकेशन का कार्य प्रगति पर है।
(xi)	400 एमवीए पावर प्राप्त करने के लिए 220 केवीए के पॉवर सिस्टम का संवर्धन।	विस्तार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने में सक्षम बनने हेतु सब-स्टेशनों जैसे वीएसपी के इंटरनेल सिस्टमों को सुदृढ़ करना।	58.10	--	--	45.00	वीएसपी में 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने हेतु संवर्धन।	--	फरवरी 11	निविदा प्रक्रिया जारी है। प्रौद्योगिकी वाणिज्यिक बोली खोली गई है और कार्रवाई चल रही है।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(xii)	बीएफ-I कैटेगरी-I मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3850 घन मीटर करना।	880.00	--	--	70.00	तप्त धातु का उत्पादन बढ़ाकर 0.5 मिलियन टन से 2 मिलियन टन तथा 2.5 मिलियन टन करना।	--	एलओआई की तारीख से 21 माह। एलओआई मार्च 2010 तक दिये जाने की संभावना है।	पहली बार निविदा में कम प्रत्युत्तर (केवल 2 पार्टियों से दरे प्राप्त हुई)। पुन: निविदा मांगी गई हैं। 5 पार्टियों ने उत्तर दिया हे और तकनीकी विचार विमर्श चल रहा है।
(xiii)	सिंटर प्लांट उपत्पादकता में वृद्धि करना।	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	497.00	--	--	20.00	सिंटर का उत्पादन 5.5 एमटी से बढ़ाकर 6.8 एमटी करना।	मार्च 11	मार्च 11	परियोजना को अंतिम रूप देने में विलंब। बीओडी मंजूरी प्राप्त कर ली गई है तथा परामर्शदाता की नियुक्ति की जानी है।
(xiv)	एसएमएस कंवर्टर की मरम्त	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। इससे यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	180.00	--	--	54.00	कनवर्टरों को बदलने के लिए टैक्नोलॉजिकल आवश्यकता।	--	एक कनवर्टर मार्च, 2011 अन्य दो मार्च, 2012	पहली बार निविदा में शून्य प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ (केवल 3 पार्टियों से उत्तर प्राप्त हुआ) और तकनीकी विचार विमर्श चल रहा है।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(xv)	सिंटर मशीन 1 और 2 के सिंटर स्ट्रेटलाइन कूलर संबंधी 20.6 मेगावाट की वेस्ट हीट रिकवरी परियोजना	ग्रीन प्लान ऐड के तहत न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नालॉजी आर्गेनाईजेशन (एनईडीओ) के प्रौद्योगिकिय सहयोग के तहत सिंटर मशीन 1 और 2 के वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम आन स्ट्रेट लाइन कूलर के जरिए 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	95.76	--	--	30.00	सिंटर मशीनों की वेस्ट हीट से और कोई फोसिल ईंधन जलाए बगैर 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	--	मार्च 12	भारतीय पक्ष की ओर से मै0 मेकॉन को परामर्शदाता नियुक्त किया गया है। 7 विनिर्दिष्टियों में से 2 विनिर्दिष्टियाँ तैयार की गई हैं। एक पैकेज के लिए एनआईटी जारी कर दी गई। दो और पैकेजों के लिए विनिर्दिष्टियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
(xvi)	वाटर भंडारण सुविधाओं में वृद्धि	विस्तार की जल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 16 एम क्यू एम क्षमता के अतिरिक्त भंडारण जलाशय का निर्माण	220.00	--	--	10.00	जल भंडारण की क्षमता बढ़ाकर 16 एमक्यूएम करना।	--	--	--
(xvii)	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर लगा कर उत्पादित अतिरिक्त तप्त धातु को इस्पात में परिवर्तित करना (मौजूदा धमन भट्टियों की केटगरी 1 मरम्मत के पश्चात)	884.00	--	--	10.00	इस्पात का उत्पादन बढ़ाकर 0.97 एमटी करना।	--	संविदा हस्ताक्षरित होने की तारीख से 30 माह (अनुमानित सितम्बर 2012)	--

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3.	**केआईओसीएल लिमिटेड**									
(i)	मंगलौर में स्थाई रेलवे साइडिंग का विकास	मैग्नेटाईट लौह अयस्क सांद्रण देश में उपलब्ध नहीं होगा और पैलेट संयंत्र के प्रचालन के लिए कच्चे माल के रूप में बेल्लारी/हॉस्पेट के उच्च ग्रेड के हैमेटाईट लौह अयस्क का प्रयोग करना दीर्घकाल के लिए एक वैकल्पिक स्रोत माना जाता है। अधिकांश कच्चे माल की ढुलाई रेल द्वारा की जानी है इसलिए मंगलौर में एक स्थायी रेलवे साइडिंग विकसित करने का प्रस्ताव है।	55.00	--	--	1.00	मंगलौर में 4 एमटीपीवाई लौह अयस्क की प्राप्ति को हैंडल करना।	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।	भूमि संबंधी विवाद सुलझा लिया गया है और अतिरिक्त भूमि के लिए भुगतान निर्मुक्त कर दिया गया है। पंजीकरण तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। केआरसीएल से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। क्षेत्र के रिएलाईनमेंट के कारण अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है जिसके लिए कार्रवाई की जा रही है। उसके पश्चात प्रस्ताव मंजूरी हेतु बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(ii)	रेल द्वारा लौह अयस्क की प्राप्ति के लिए भारी माल संभाल की सुविधाओं का निर्माण	चूंकि अधिकांश कच्चे माल का परिवहन रेल के जरिए किया जाता है। केआईओसीएल को अपने पैलेट प्लांट तथा ब्लास्ट फर्नेस यूनिट के लिए लौह अयस्क का प्रेषण प्राप्त करने के लिए भारी माल संभाल सुविधाओं का निर्माण करने का प्रस्ताव है।	60.00	--	--	1.00	पैलेटों के उत्पादन के लिए 4 एमटीपीवाई लौह अयस्क की सप्लाई	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।	भूमि संबंधी विवाद सुलझा लिया गया है और अतिरिक्त भूमि के लिए भुगतान निर्मुक्त कर दिया गया है। पंजीकरण तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। केआरसीएल से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। क्षेत्र के रिएलाईनमेंट के कारण अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है जिसके लिए कार्रवाई की जा रही है। उसके पश्चात प्रस्ताव मंजूरी हेतु बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।
(iii)	डक्टाईल आयरन स्पन पाईप	मूल्यवर्धित उत्पाद अर्थात डक्टाइल आयरन स्पन पाईप का उत्पादन करने के लिए एक योजना बनाना।	325.00	--	--	30.00	1,00,000 टीपीए डीआईएसपी का उत्पादन	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।	धमन भट्टी यूनिट में फारवर्ड और बैकवर्ड इंटीग्रेशन हेतु संयुक्त उद्यम भागीदार के जरिए परियोजना के लिए कार्य करते रहने की सलाह दी है। इसे अतिरिक्त कंपनी इस दिशा में आगे बढ़ रही है।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(iv)	कुद्रेमुख में इको-टयूरिज्म विकास	कुद्रेमुख इको-टयूरिज्म सुविधाएं विकसित करने का उद्देश्य समुदाय आधारित एवं वाणिज्यिक अभिकेन्द्रित इको टूरिस्ट परियोजना विकसित करना है।	95.00	--	--	--	इको-टूरिज्म का विकास	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।	चूंकि कंपनी समझौता ज्ञापन निदेशों के अनुसार वैदर्ड ओर की प्रोसेसिंग के लिए अनुमति प्राप्त करने की कार्रवाई कर रही है। इसलिए परियोजना को स्थगति रखा गया है।
(v)	कोक ओवन प्लांट	एक कोक ओवन संयंत्र की स्थापना करना। इससे कम मूल्य पर कोक की उपलब्धता में सुधार होगा।	100.00	--	--	1.00	कच्चा माल लागत में कमी करना।	--	आवश्यक मंजूरियाँ प्राप्त करने से 24 माह।	धमन भट्टी में प्रयोग किए जा रहे कोक की अधिक लागत को ध्यान में रखते हुए कंपनी का लक्ष्य मंगलौर में एक कोक ओवन संयंत्र स्थापित करने का है। इससे कच्चे माल की लागत में काफी कमी आएगी।
4.	**एनडीएमसी लिमिटेड**									
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	607.18	--	--	200.00	7 एमटीपीए क्षमता	अक्टूबर 09	सितम्बर 10	कार्य प्रगति पर है। दिसम्बर 09 तक 204.73 करोड़ रू0 का संचयी व्यय हुआ। सितम्बर 10 तक तथा पीजी टेस्ट मार्च 11 तक चालू किये जाने का कार्यक्रम है। जोखिम घटक: माओवादी गतिविधियां मुख्य बाधा बन गई है। माओवादियों द्वारा उप ठेकेदारों के उपकरण तोड़ दिए गए।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	296.03	--	--	50.00	3 एम टीपीए क्षमता का चरण-1	दिसम्बर 09	परियोजना की शून्य तारीख 1 जनवरी 2010 प्रस्तावित की गई है। (अनंतिम)	सभी सांविधिक मंजूरियां प्राप्त हो गई हैं।संपूर्ण परियोजना को 6 पैकेजों में विभाजित किया गया है। मै0 मेकॉन को इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट (ईपीसीएम) परामर्शदाता नियुक्त किया गया है। पैकेज 1 के लिए निविदा हेतु -दो ऑफर प्राप्त हुई हैं जिनके संबंध में आगे कार्रवाई की जा रही है। पैकेज-2 की निविदा दी गई है। पैकेज-3 के कार्य के संबंध में पुन: निविदा देने का निर्णय लिया गया है। पैकेज-1 के लिए आर्डर देने के पश्चात इस पैकेज के लिए निविदा जारी की जाएगी। यह अंतिम चरण में पहुंच गया है। पैकेज-5 के कार्यो को 3 उप-पैकेजों में बांटा गया है। क) पैकेज-5 ए (जल आपूर्ति सहित सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य)। ख) पैकेज-5 ख (क्रेन की सप्लाई एवं उत्थापन) ग) पैकेज-5 ग (शॉप इलेक्ट्रिक्स और एरिया लाईटिंग)। 11 बी के अनुरूपी पैकेज के अनुमोदन के पश्चात मेकॉन द्वारा निविदा दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगें।

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
5.	**मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल)**									
(i)	फैरो मैंगनीज/सिलिका मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	सेल के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में इस परियोजना को भिलाई में स्थापित किया जाएगा।	391.00	--	--	40.00	सेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना फैरो मैंगनीज/ सिलिका मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	--	सेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना 31000 एमटी फैरो मैंगनीज तथा 75000 एमटी सिलिको मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	यह परियोजना संयुक्त उद्यम द्वारा शुरू की जाएगी जिसमें मॉयल और सेल प्रत्येक के 50% शेयर होंगे और परियोजना का कार्यान्वयन संयुक्त उद्यम द्वारा किया जाएगा।.
(ii)	फैरो मैंगनीज/सिलिका मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में इस परियोजना को बोबिली में स्थापित किया जाएगा।	217.00	--	--	15.00	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना फैरो मैंगनीज/ सिलिका मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	--	आरआईएनएल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना 20000 एमटी फैरो मैंगनीज तथा 37500 एमटी सिलिको मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	यह परियोजना संयुक्त उद्यम द्वारा शुरू की जाएगी जिसमें मॉयल और सेल प्रत्येक के 50% शेयर होंगे और परियोजना का कार्यान्वयन संयुक्त उद्यम द्वारा किया जाएगा।.

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
6.	**हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड**									
(i)	वीआरएस के लिए आवधिक ऋण पर ब्याज इमदाद	वीआरएस के जरिए जनशक्ति को युक्तिसंगत बनाना।	--	48.69	--	--	जनशक्ति को कम करके 776 करना।	--	2010-11 के अंत तक	कर्मचारियों की संख्या, 1/1/2010 की स्थिति के अनुसार 1089 तक कम हो गई है।
	योग (क)			**48.69**		**14697.28**				
ख.	**इस्पात मंत्रालय की योजना**									
	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी में सुधार करने के लिए योजना।	पर्यावरण के अनुकूल उपायों से गुणवत्ता वाले इस्पात का लागत प्रभावी उत्पादन हेतु इनोवेटिव/पाथ ब्रेकिंग एवं उपयुक्त प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए आर एंड डी सुविधाओं में सुधार तथा इन्हें तीव्र करन के लिए एक नई योजना/तंत्र बनाना।	118.00	--	35.00	--	कॉलम 3 देखें	11वीं योजना 2007-12 के दौरान	11वीं योजना 2007-12 के दौरान	व्यय वित्त समिति ने 3 प्रमुख क्षेत्र अभिज्ञात किए हैं जिनके तहत इस योजना को बढ़ावा दिया जाएगा। विशेषज्ञों के एक पैनल के परामर्श से परियोजना अनुमोदन एवं प्रबोधन समिति के विचार हेतु 7 अनुसंधान एवं विकास प्रस्ताव छांटे गए हैं। पीएएमसी की बैठक शीघ्र आयोजित की जाएगी जिसमें परियोजनाओं को पृथक-पृथक रूप से अनुदान देने के संबंध में निर्णय लिए जाने की संभावना है।
	योग (ख)			--	**35.00**	--				

(करोड़ रू0)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2010-11			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				गैर-योजना	योजना	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
ग	**50 करोड़ रुपए से कम अनुमानित/स्वीकृत लागत की योजनाएं/कार्यक्रम**									
(i)	**सरकारी उपक्रमों के संबंध में**									
	एएमआर योजनाएं, आर एंड डी, बस्ती, तकनीकी उन्नयन, संभाव्यता अध्ययन, वीआरएस का कार्यान्वन तथा विभिन्न अन्य चल रही एवं नई योजनाएं।	संयंत्रों, उपस्करों एवं मशीनरी के नियमित अनुरक्षण एवं रख-रखाव, उत्पादन लागत को कम करने तथा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार तथा उत्पादकता में वृद्धि आदि के लिए।	--	--	1.00	2466.54	--	--	--	योजनाएं सरकारी उपक्रमों के दिन प्रतिदिन के कार्य एवं प्रचालन स संबंधित है। इनकी प्रकृति भिन्न-भिन्न है तथा इसलिए प्रमुख योजनाअ को निष्पादन बजट में अलग स शामिल नहीं किया गया है।
(ii)	**इस्पात मंत्रालय से संबंधित (प्रत्यक्ष रूप से)**									
	मंत्रालय सचिवालय, पीएओ (इस्पात), डीसीआई एंड एस कार्यालय, कोलकाता तथा विशिष्ट मेटालर्जिस्ट को पुरस्कार	इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक व्यय को पूरा करना।	--	30.23	--	--	--	--	--	निष्कर्ष बजटिंग के अनुरूप नहीं है
योग(ग)			--	30.23	1.00	2466.54				
सकल योग - क + ख + ग			--	**78.92#**	**36.00**	**17163.82**				

सकल आधार पर । एचएससीएल तथा मेकॉन लि. को प्रदान की गई गारंटी फीस को माफ करने के संबंध में 7.30 करोड़ रुपए निवल प्राप्त होने के बाद वर्ष 2009-10 (बजट अनुमान) के लिए 71.62 करोड़ रुपए का गैर-योजना बजट है।

अध्याय-III

सुधार उपाय और नीतिगत पहल

1. भारतीय इस्पात क्षेत्र का उदारीकरण

भारतीय इस्पात क्षेत्र ऐसा प्रथम महत्वपूर्ण क्षेत्र था जिसे लाइसेंसिंग युग और मूल्य निर्धारण एवं वितरण नियंत्रण से पूर्णत: मुक्त किया गया है। इसे मुख्य रूप से भारतीय लोहा और इस्पात उद्योग द्वारा दर्शाई गई अन्तर्निहित शक्तियों और क्षमताओं के कारण नियंत्रणमुक्त किया गया था। आर्थिक सुधार और उसके परिणामस्वरूप लोहा और इस्पात क्षेत्र के उदारीकरण जो 1990 के आरंभ में शुरू हुआ था, से इस्पात उद्योग में काफी विकास हुआ है और निजी क्षेत्र में ग्रीन फील्ड इस्पात संयंत्र स्थापित हुए हैं। आज विश्व में इस्पात का उत्पादन करने में भारत 5वें स्थान पर है। इस क्षेत्र में लगभग 90,000 करोड़ रूपए से अधिक की पूंजी लगी हुई है और सीधे 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ है। वर्ष 2009-10 (अप्रैल-दिसम्बर 09) के दौरान 43.849 मिलियन टन बिक्री हेतु परिसज्जित इस्पात (मिश्र एवं गैर-मिश्र) का उत्पादन हुआ जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.2 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय लोहा और इस्पात क्षेत्र की वृद्धि और विकास के लिए पिछले कुछ वर्षों में किए गए महत्वपूर्ण नीतिगत उपाय नीचे दिए गए हैं:-

(i) जुलाई, 1991 में घोषित की गई नई औद्योगिक नीति में लोहा और इस्पात उद्योग को सरकारी क्षेत्र के लिए आरक्षित उद्योगों की सूची से निकाल दिया गया है और उद्योग (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1951 के तहत इसे अनिवार्य लाइसेंसिंग के प्रावधानों से भी छूट दे दी गई है।

(ii) 24.5.92 से लोहा और इस्पात उद्योग को 51% तक विदेशी साम्या निवेश के लिए स्वत: मंजूरी हेतु उच्च प्राथमिकता प्राप्त उद्योगों की सूची में शामिल किया गया है। इस सीमा को अब 100% तक बढ़ाया गया है।

(iii) जनवरी, 1992 से इस्पात के मूल्य निर्धारण और वितरण पर से नियंत्रण समाप्त कर दिया गया था। इसके साथ-साथ यह सुनिश्चित किया गया था कि रक्षा और रेलवे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के अतिरिक्त लघु उद्योगों, इंजीनियरी माल के निर्यातकों और पूर्वोत्तर क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

(iv) आयात लाइसेंसिंग, विदेशी मुद्रा निर्मुक्ति, माध्यमीकरण और अधिक आयात टैरिफ से लोहे और इस्पात के आयात को पूर्णत: मुक्त करने के लिए आयात शुल्क स्तर को कम करके लोहा और इस्पात के लिए नियंत्रित आयात प्रणाली को धीरे-धीरे काफी उदार बनाया गया है। लोहे और इस्पात मदों का स्वतंत्र रूप से निर्यात करने की भी अनुमति दी गयी है।

(v) इस्पात उत्पादन के लिए कच्चे माल पर शुल्क में भी कमी की गयी है। इन उपायों से इस्पात संयंत्रों की पूंजीगत लागत और उत्पादन लागत में कमी हुई है।

(vi) जनवरी, 1992 में मालभाड़ा समकरण योजना समाप्त कर दी गयी थी। देश के विभिन्न भागों में नए इस्पात संयंत्रों की स्थापना से घरेलू बाजार में लोहा और इस्पात सामग्री निर्बाध रूप से उपलब्ध है।

(vii) बाजार शक्तियों का सामना करने के लिए प्रमुख उत्पादकों को और अधिक छूट देकर अप्रैल, 1994 से इस्पात विकास निधि संबंधी लेवी समाप्त कर दी गयी है।

(viii) खनिज उत्पादों और अयस्क एवं सांद्रण सहित इस्पात उत्पादन की महत्वपूर्ण कच्ची सामग्रियों पर आयात शुल्क में पिछले कुछ वर्षों के बजट में काफी कमी की गई है।

(ix) इस समय इस्पात मदों पर आयात शुल्क 5 प्रतिशत है। मेल्टिंग स्क्रैप, कोकिंग कोल, मेट कोक जैसी कच्ची सामग्रियों पर आयात शुल्क शून्य है और अन्य कच्ची सामग्रियों जैसे जिंक, आयरन ओर तथा फैरो मिश्र के लिए 2 प्रतिशत से 5 प्रतिशत के बीच है। तथापि घरेलू इस्पात उद्योग की दीर्घकालीन आवश्यकताओं के लिए इनका संरक्षण करने हेतु सरकार ने लौह अयस्क, डले और पैलेटों पर 10% निर्यात शुल्क और लौह अयस्क चूरे पर 5% निर्यात शुल्क लगाया है।

2. राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005

इस्पात उद्योग की प्रगति भारत के विकास की गति को महत्वपूर्ण ढंग से प्रभावित करती है और इस प्रकार उस लागत और मूल्य पर, जिस पर भारतीय इस्पात अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिस्पर्धी है, संभावित मांग के अनुसार क्षमता विस्तार काफी महत्व रखता है। देश में उदारीकरण के वर्तमान युग, नियंत्रणमुक्त और उद्योग के अविनियमन ने इस्पात उद्योग के विस्तार के लिए नए अवसर उपलब्ध करा दिए हैं । इस्पात क्षेत्र के विकास को गति प्रदान करने और 2020 तक भारत के विकसित अर्थव्यवस्था के विजन को हासिल करने के लिए इस्पात मंत्रालय ने 2005 में **राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी)** तैयार की है । राष्ट्रीय इस्पात नीति की खास बातें नीचे दी गई हैं-

➢ राष्ट्रीय इस्पात नीति के तहत भारतीय इस्पात उद्योग के सुधार, पुनर्संरचना और वैश्वीकरण के संबंध में व्यापक योजना तैयार की गई है ।

➢ राष्ट्रीय इस्पात नीति का दीर्घकालिक लक्ष्य यह है कि भारत में विश्व स्तरीय आधुनिक और क्षमतावान इस्पात उद्योग हो जो विविधिकृत इस्पात मांग को पूरा कर सके । नीति का उद्देश्य न केवल लागत, गुणवत्ता और उत्पाद मिश्र के क्षेत्र में अपितु दक्षता और उत्पादकता के क्षेत्र में भी वैश्विक मानकों को प्राप्त करना है ताकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा हासिल की जा सके ।

➢ राष्ट्रीय इस्पात नीति में दीर्घकालिक नीतिगत लक्ष्य हासिल करने के लिए एक बहुपक्षीय रणनीति अपनाने की बात कही गई है । मांग के संबंध में रणनीति प्रोत्साहन जनक प्रयासों और जागरूकता पैदा करके तथा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में डिलीवरी चेन को सदृढ़ बनाकर अंतर्राष्ट्रीय मांग सृजित करने की होगी । आपूर्ति के संबंध में अतिरिक्त क्षमता के सृजन को सुसाध्य बनाने, लौह अयस्क और कोयला जैसे आदानों की उपलब्धता में प्रक्रिया और नीति संबंधी बाधाओं को दूर करने, अनुसंधान और विकास में और अधिक निवेश करने तथा सड़कों, रेलवे और पत्तनों जैसी अवसंरचनात्मक सुविधाओं के सृजन को प्रोत्साहित करने की रणनीति होगी ।

➢ राष्ट्रीय इस्पात नीति में यह माना गया है कि देश में, खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की प्रति व्यक्ति खपत कम है और जीवन स्तर में सुधार करने और जनता की बढ़ती हुई आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करने के लिए इस्पात की खपत बढ़ाने की जरूरत है ।

➢ राष्ट्रीय इस्पात नीति में इस्पात बाजार में कीमतों में अस्थिरता को रोकने के लिए फ्यूचर्स और डिरीवेटिव्ज जैसी जोखिम-रोधी व्यवस्थाएं करने में सहायता करने की बात कही गई है।

➢ राष्ट्रीय इस्पात नीति में घरेलू इस्पात उद्योग को उपलब्ध मौजूदा प्रशिक्षण अनुसंधान सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की बात कही गई है ताकि गौण लघु इकाइयों को उपयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध करवाए जा सकें और उद्योग से संबंधित प्राचलों से संबंधित आंकड़े एकत्रित किए जा सकें और उनका विश्लेषण किया जा सके ।

➢ राष्ट्रीय इस्पात नीति में विशेष श्रेणियों के इस्पात के लिए उत्पादन क्षमता सृजित करने, कोककर कोयले को प्रतिस्थापित करने, लौह अयस्क चूर्ण का उपयोग करने, ग्रामीण आवश्कताओं के अनुरूप नए उत्पाद विकसित करने, सामग्री और ऊर्जा, अपशिष्ट का उपयोग करने और पर्यावरण के संबंध में हो रही गिरावट को रोकने के लिए अनुसंधान और विकास संबंधी उद्यमशील प्रयास करने की बात कही गई है ।

➢ राष्ट्रीय इस्पात नीति में माना गया है कि गौण इस्पात क्षेत्र ने ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध करवाने, इस्पात की स्थानीय मांग पूरी करने और देश की कुछ विशेष उत्पादों की मांग पूरी करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है । इस नीति में राज्य लघु उद्योग निगमों के मौजूदा तंत्र के जरिए प्रमुख संयंत्रों से इन इकाइयों को उचित कीमतों पर आवश्यक फीडस्टॉक उपलब्ध करवाने के लिए प्रयास करने की बात कही गई है ।

➢ राष्ट्रीय इस्पात नीति में माना गया है कि भारतीय इस्पात उद्योग का एकीकरण वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ करने के लिए आवश्यक है कि इस उद्योग को उन अनुचित व्यापार क्रिया-कलापों, जो विशेषकर मंदी की अवधि के दौरान आम हो जाते हैं, से बचाने की आवश्यकता है । इसलिए राष्ट्रीय इस्पात नीति में आयात को बनाए रखने के लिए तथा अन्य देशों में निर्यात इमदाद के प्रबोधन के लिए तंत्र स्थापित करने के बारे में भी कहा गया है ।

3. राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 का कार्यान्वयन

➢ आत्म निर्भर बनने और इस्पात क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिपर्धी बनने के लिए राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 में किए गए प्रक्षेपणों के अनुसार देश को 2019-20 तक 110 मिलियन टन घरेलू इस्पात उत्पादन की आवश्यकता होगी।

➢ इस्पात क्षेत्र में निवेश परिदृश्य की समीक्षा करते समय इस्पात मंत्रालय ने हॉल में यह अनुमान लगाया है कि वर्ष 2011-12 तक देश की इस्पात उत्पादन क्षमता 124.06 मिलियन टन होने की संभावना है।

➢ देश में प्रमुख इस्पात परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए बेहतर समन्वय प्रदान करने को ध्यान में रखते हुए प्रधान मंत्री ने देश में प्रमुख इस्पात निवेशों से संबंधित मुद्दों को मॉनीटर करने तथा समन्वय करने के लिए एक अंतर मंत्रालय समूह (आईएमजी) गठित करने की मंजूरी दी है। आईएमजी के अध्यक्ष सचिव, इस्पात हैं और औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, खान विभाग, पर्यावरण एवं मंत्रालय, सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग, पोत परिवहन मंत्रालय के सचिव, सदस्य (ट्रैफिक) रेलवे बोर्ड तथा संबंधित राज्य सरकारों के मुख्य सचिव इसके सदस्य हैं।

➢ आईएमजी के विचाराधीन प्रमुख विषय (टीओआर) प्रमुख इस्पात क्षमताओं को शीघ्र पूरा करने के लिए उपायों की समीक्षा करना और समन्वय करना तथा अवसंरचना, कच्चे माल की उपलब्धता, पर्यावरण संबंधी मंजूरी शीघ्र प्राप्त करना, अन्य संसाधनों जैसे भूमि और पानी की उपलब्धता तथा पुनर्वास से संबंधित मुद्दे हैं।

➢ क्षमता विस्तार योजनाओं (ब्राउनफील्ड) तथा ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के अंतर्गत इस्पात क्षेत्र में कई प्रमुख इस्पात कंपनियों ने निवेश की घोषणा की है। इस्पात मंत्रालय प्रमुख एकीकृत इस्पात परियोजनाओं की प्रगति की मानिटरिंग करता है। ब्राउनफील्ड विस्तार के जरिए 33.4 मिलियन टन अतिरिक्त इस्पात क्षमता प्रगति पर है और इसके 2012-13 तक पूरा होने की संभावना है। देश में इस्पात क्षेत्र की निवेश परियोजनाओं के चालू होने की संभावित तारीख और देश में इस्पात क्षमता की वर्ष-वार वृद्धि का आंकन करने के लिए शीघ्र इनकी समीक्षा की जाएगी।

➢ आईएमजी प्रमुख इस्पात निवेशकों और केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों और संबंधित राज्य सरकारों के साथ आवधिक रूप से समीक्षा बैठकें करता है। आईएमजी की पिछली बैठक 25.8.2009 को हुई थी।

4. इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहल

4.1 एनएसपी के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित प्रमुख पहलें की गई हैं:-

(i) सेल, आरआईएनएल और एनएमडीसी लि. की मेगा विस्तार योजनाएं

सरकारी क्षेत्र के उपक्रम सेल और आरआईएनएल ने अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार योजनाएँ शुरू की हैं। आधुनिकीकरण और विस्तार योजनाओं में बेहतर आधुनिक प्रौद्योगिकी जोकि लागत प्रभावी, ऊर्जा दक्ष और पर्यावरण प्रेमी हैं, को अपनाने पर प्रमुख रूप से बल दिया गया है।

सेल ने विस्तार और आधुनिकीकरण के अपने चालू चरण जो वित्तीय वर्ष 2012-13 तक पूरा होने की संभावना है, के तहत अपनी तप्त धातु उत्पादन क्षमता 13.82 मिलियन टन से बढ़ाकर 23.46 मिलियन टन करने की योजना बनाई है। सेल चरण-I में अपनी क्षमता और बढ़ाकर 26.18 मिलियन टन करनेगा।

आरआईएनएल के मामले में लगभग 12228 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत पर 2011-12 तक विस्तार योजना से तप्त धातु उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन वार्षिक के वर्तमान स्तर से बढ़कर 6.3 मिलियन टन वार्षिक हो जाएगी। इस चरण में आरआईएनएल विस्तार को लम्बे उत्पादों की श्रेणी तक सीमित करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। ये उत्पाद देश के अवसंरचनात्मक विकास के लिए अपेक्षित है और बाद के चरणों में चपटे उत्पादों की श्रेणी में विविधीकरण करेगा। आरआईएनएल ने 2020 तक द्रव इस्पात क्षमता बढ़ाकर 16 मिलियन टन वार्षिक करने के लिए अपनी दीर्घकालीन निदेशात्मक योजना तैयार की है। आरआईएनएल की विस्तार योजना प्रगति पर है।

विद्यमान खानों के क्षमता विस्तार, नई खानें खोलने, स्पंज लोहे, पैलेट और इस्पात में मूल्यवर्धन करके जरिए एनएमडीसी की 2014-15 तक अपनी वर्तमान 30 मिलियन टन लौह अयस्क उत्पादन क्षमता का विस्तार करके 50 मिलियन टन वार्षिक करने की योजना हैं। एनएमडीसी ने छत्तीसगढ के नागरनार में 3 मिलियन टन वार्षिक क्षमता का एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित करने की भी योजना बनाई हैं। पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा 15.9.2009 को संयंत्र के लिए पर्यावरण संबंधी मंजूरी दे दी गई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने एनएमडीसी के लिए पानी लेने की मंजूरी दे दी है। एनएमडीसी प्रौद्योगिकी प्रदाता को छांटने की प्रक्रिया के अंतिम चरण में है और इस प्रक्रिया के शीघ्र पूरा होने की संभावना है।

(ii) स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी)

प्रमोटर पार्टनर के रूप में सेल, आरआईएनएल, सीआईएल, एनटीपीसी और एनएमडीसी ने 20.5.2009 को इंटरनेशलन कोल वेंचर्स लिमिटेड (आईसीवीएल) नामक स्पेशल पर्पज व्हीकल निगमित कराया गया है। आईसीवीएल एक नवरत्न कंपनी के रूप में काम करेगी और इसे 1500 करोड़ रू0 तक के प्रस्तावों की मंजूरी देने की शक्तियाँ होगी। आईसीवीएल आस्ट्रेलिया, कनाडा, इंडोनेशिया, मोजाम्बिक, रूस और यूएसए में मौजूदा खानों अथवा ग्रीनफील्ड परियोजनाओं में साम्या खरीद, संयुक्त उद्यमों के जरिए विदेशों में कोयला परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के संबंध में निवेश बैंकरों का एक पैनल आईसीवीएल की सहायता कर रहा है।

(iii) विलय/अधिग्रहण तथा नीतिपरक समझौते/संयुक्त उद्यम

इस्पात इकाइयों की प्रचालनात्मक क्षमता में सुधार करने और सीनर्जी प्राप्त करने के लिए कई विलय/अधिग्रहण/नीतिपरक समझौते/संयुक्त उद्यम हुए हैं। इनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(क) विलय/अधिग्रहण

- सरकार ने 22.5.2008 को एनएमडीसी में स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड (सिल) के विलय के लिए मंजूरी दे दी है। निगमित कार्य मंत्रालय ने 18.1.2010 को सिल के एनएमडीसी में विलय की मंजूरी दे दी है। एनएमडीसी लिमिटेड के समन्वय से शेष कानूनी प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाने की संभावना है।
- स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड (बीआरएल) के विलय के लिए सरकार द्वारा 24.4.2008 को मंजूरी दे दी गई है। 1.4.2007 से विलय की प्रभावी तारीख सहित 28.7.2009 की भारत सरकार की राजपत्र अधिसूचना में बीआरएल के सेल में विलय संबंधी अंतिम आदेश जारी कर दिए गए हैं। सेल में विलय के पश्चात तत्कालीन बीआरएल को सेल रिफ्रैक्ट्री यूनिट का नाम दिया गया है।
- महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मेल्ट लिमिटेड (एमईएल) का सेल में विलय प्रगति पर है। एमईएल की भूमि सेल के पक्ष में हस्तांतरित करने के लिए जुलाई, 2009 में महाराष्ट्र सरकार से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात सेल ने निगमित कार्य मंत्रालय में विलय की योजना प्रस्तुत करने की कार्रवाई कर रहा है।
- 1,73,000 टन टीएमटी बार्स, क्रैश बैरियर तथा गेल्वेनाइज्ड कोरूगेटिड शीट्स की वार्षिक उत्पादन क्षमता से चरणबद्ध ढंग से जगदीशपुर स्टील प्लांट (उत्तर प्रदेश) को विकसित करने के लिए सेल ने नीलामी के जरिए जगदीशपुर (सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश) में स्थित ऊषा (इंडिया) लिमिटेड की एक डिवीजन तत्कालीन मै0 माल्विका स्टील लिमिटेड (एमएसएल) की परिसंपत्तियां (अर्थात भूमि, संयंत्र और उपस्करों तथा अचल परिसंपत्तियों सहित) खरीदी हैं और फरवरी, 2009 में उसका कब्जा ले लिया है।
- सेलम स्थित बर्न स्टेण्डर्ड कंपनी लिमिटेड (बीएससीएल) के पुनर्संरचना प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बोर्ड आफ रिकंस्ट्रक्शन ऑफ पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइजेज (बीआरपीएसई) की जून, 2009 में हुई 69वीं बैठक में बीआरपीएसई ने सेलम स्थित बीएससीएल की रिफ्रैक्ट्री यूनिट के स्थानांतरण के लिए इस्पात मंत्रालय/सेल को सिफारिश की है। उसके बाद सेल बोर्ड ने जुलाई, 2009 में बीएससीएल की रिफ्रैक्ट्री डिविजन के प्राथमिक रूप से सेल की सहायक कंपनी के रूप में सेल के साथ/सेल में विलय/अधिग्रहण के लिए सिद्धान्ततः मंजूरी दे दी है। भारी उद्योग विभाग सेल द्वारा सेलम रिफ्रैक्ट्री यूनिट का अधिग्रहण करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार कर रहा है।
- आरआईएनएल द्वारा नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) के अधिग्रहण का प्रस्ताव विचाराधीन है।

(ख) नीतिपरक समझौते/संयुक्त उद्यम

- सेल और एनएमडीसी ने 50:50 के अनुपात में संयुक्त उद्यम (जेवी) में आंध्र प्रदेश के सोलन जिले में अर्की स्थित चूना-पत्थर खान संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन किया है। कुल प्रस्तावित उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन वार्षिक (एमटीपीए) है जिसमें से एक मिलियन टन वार्षिक लम्प और 2 मिलियन टन वार्षिक फाइन्स होगा। सेल और एनएमडीसी चूना-पत्थर संयुक्त उद्यम से खरीदेंगे और चूना-पत्थर फाइन्स समीपवर्ती सीमेंट संयंत्रों को बेचा जाएगा।
- सेल के साथ संयुक्त उद्यम बनाने के जरिए सतत कास्ट बिलेट्स का उत्पादन करने के लिए 50,000 टन वार्षिक क्षमता के स्टील काम्प्लेक्स लिमिटेड (एससीएल) का पुनरूद्धार करने के लिए सेल ने केरल सरकार के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है। संयुक्त उद्यम में 50% साम्या सेल की और शेष केरल सरकार एवं अन्यों की होगी। सेल और एससीएल के बीच दिसम्बर, 2008 में संयुक्त उद्यम करार हस्ताक्षरित हुआ था। एससीएल के तुलन-पत्र को क्लीन स्लेटिंग करने तथा बीआईएफआर से मंजूरी प्राप्त की जा रही है।
- अपनी पत्तन संबंधी आवश्यकताओं के लिए सेल शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एससीआई) के साथ संयुक्त उद्यम बनाने की कार्रवाई कर रहा है। एससीआई के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित करने के बाद सेल बोर्ड द्वारा जुलाई, 09 में प्रारूप संयुक्त उद्यम करार मंजूर कर दिया गया है। एससीआई बोर्ड द्वारा मंजूरी मिलने के पश्चात 2010 की प्रथम तिमाही में संयुक्त उद्यम कंपनी बनाने और संबंधी पत्तन कार्यकलापों के लिए मोडलिटिज शुरू होने की संभावना है।

- वर्ष 2020 तक सेल की बढ़ी हुई विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए थर्मल कोल ब्लाकों का अधिग्रहण और विकास करने और सुपर क्रिटिकल टेक्नालॉजी का उपयोग करते हुए 1680 मेगावाट क्षमता का विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए नीतिपरक समझौतों हेतु 30 सितम्बर, 2008 को लार्सन एंड टर्बो के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है। प्रारूप संयुक्त उद्यम करार तैयार किया जा रहा है और प्रस्तावित संयुक्त उद्यम थर्मल कोयला ब्लाकों का अधिग्रहण और विकास करेगा। थर्मल कोयला ब्लाकों के आबंटन और उनकी स्थान स्थिति के आधार पर थर्मल विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए वास्तविक स्थल के बारे में निर्णय लिया जाएगा।

- सेल और टाटा स्टील ने एस एंड टी माइनिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड सितम्बर, 2008 में कोयला खनन हेतु संयुक्त उद्यम कंपनी बनाई है। कंपनी ने कार्य करना शुरू कर दिया है और कोकिंग कोल ब्लॉक के अधिग्रहण की संभावनाओं का पता लगा रही है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने पहले से बंद पड़ी खानों को पुनः चालू करने के लिए संयुक्त उद्यम हेतु एस एंड टी को माइनिंग कंपनी को उपयुक्त भागीदार के रूप में छांटा है।

- निगमित नीतिपरक योजना, प्रोफेशनल का आदान-प्रदान, तकनीकी जानकारी और विशेषज्ञता की शेयरिंग से संबंधित क्षेत्रों में सूचना शेयरिंग हेतु नीतिपरक समझौते के लिए सेल और पोस्को ने अगस्त, 2007 में समझौता ज्ञापन किया है। यह संयुक्त अनुसंधान और विकास परियोजनाओं और पारस्परिक रूप से सहमत संयुक्त उद्यम से संबंधित क्षेत्रों में सहयोग के लिए पारस्परिक समझौतों की शर्त पर है।

- सीआरएनओ के उत्पादन और वाणिज्यिकरण के लिए संयुक्त रूप से पहलों की संभाव्यता, फाइनेक्स टेक्नालाजी का उपयोग करके अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम अवसरों के गवेषण के संबंध में भी सेल और पोस्को द्वारा पता लगाया जा रहा है।

- संयुक्त उद्यम कंपनी जिसमें स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) तथा मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल) शामिल हैं, लगभग 400 करोड़ रू0 की अनुमानित लागत पर नन्दिनी, भिलाई (छत्तीसगढ़) में फैरो मैंगनीज तथा सिलिको मैंगनीज संयंत्र स्थापित करने के लिए बनाई गई है।

- संयुक्त उद्यम के रूप में बैलाडिला-4 और बैलाडिला-13 का विकास करने के लिए एनएमडीसी लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ माइनिंग डेवलपमेंट कारपोरेशन के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है।

- आरआईएनएल ने मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड के साथ आरआईएनएल मॉयल फैरो एलाएज प्राइवेट लिमिटेड संयुक्त उद्यम कंपनी बनाई है। 29.7.2009 को कंपनी निगमित की गई। 37,500 टन वार्षिक सिलिको मैंगनीज और 20000 टन वार्षिक फैरो मैंगनीज का उत्पादन करने के लिए 27 एमवीए की एक फर्नेस और 9 एमवीए की एक फर्नेस के संयुक्त उद्यम की परिकल्पना की गई है। यह निर्यात अवसरों के अलावा आरआईएनएल की फैरो मिश्र की आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा। यह संयुक्त उद्यम आरआईएनएल की मौजूदा खानों के कम ग्रेड के मैंगनीज अयस्क और ओ एम डी सी आदि के मैंगनीज का लाभपूर्ण उपयोग करने में भी सहायता करेगा।

(iv) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों/कंपनियों का पुनरूद्धार और पुनर्संरचना

- सरकार ने फरवरी, 2007 में 100.72 करोड़ रू0 की कुल लागत पर मेकॉन लिमिटेड की पुनरूद्धार और पुनर्संरचना को मंजूरी दे दी है। कंपनी की पुनर्संरचना के परिणामस्वरूप कंपनी ने 2007-08 के दौरान 39.52 करोड़ रू0, 2008-09 में 74.76 करोड़ रू0 और 2009-10 (दिसम्बर 09 तक) 82.87 करोड़ रू0 लाभ (कर-पूर्व लाभ) अर्जित किया है।

- 10.9.2009 को भारत सरकार ने बर्ड समूह की कंपनियों (सरकारी प्रबंधन की एक कंपनी) के पुनर्संरचना प्रस्ताव की मंजूरी दे दी है। पुनर्संरचना प्रस्ताव में ओएमडीसी और बीएसएलसी ईआईएल की सहायक कंपनियां होगी और वे आरआईएनएल की सहायक कंपनियां बन जाएंगी और इस प्रकार ईआईएल, ओएमडीसी और बीएसएलसी आरआईएनएल के अधीन आ जाएंगी। बर्ड समूह की कंपनियों के अधीन दो अन्य इकाईयां अर्थात केडीसीएल और एसएसएल को बंद कर दिया जाएगा।

- हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एससीएल) का पुनर्संरचना/पुनरूद्धार प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

(v) निगमित सामाजिक जिम्मेदारी

2007-08 के बाद मंत्रालय के साथ सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किए गए समझौता ज्ञापनों में निगमित सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) को एक महत्वपूर्ण प्राचल के रूप में अभिज्ञात किया गया है तथा मंत्रालय द्वारा सीएसआर कार्यकलापों की कड़ाई से मॉनीटरिंग की जा रही है। लाभ कमाने वाले सरकारी क्षेत्र के सभी इस्पात उपक्रमों ने सीएसआर के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है तथा 2007-08 से सीएसआर कार्यों के लिए अपने वितरण योग्य अधिशेष की कम से कम 2 प्रतिशत राशि निर्धारित की है। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के संबंध में 2008-09 के लिए सीएसआर के लिए आबंटित कुल बजट लगभग 290 करोड़ रूपए (लगभग) है जबकि सरकारी क्षेत्र के इस्पात उपक्रमों द्वारा वर्ष 2008-09 के दौरान सीएसआर कार्यों पर 229.00 करोड़ रूपए खर्च किए गए। सीएसआर कार्यों में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सांस्कृतिक उत्थान, परिसरीय विकास, परिवार कल्याण, सामाजिक पहल पर ध्यान केंद्रित किया गया है तथा सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में अन्य उपाय किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और असम में बाढ़ के कारण आई आपदा को ध्यान में रखते हुए सरकारी क्षेत्र के कुछ उपक्रमों ने इन प्रभावित राज्यों में तत्काल राहत संबंधी उपाय किए। इस्पात मंत्रालय द्वारा सभी प्रमुख उत्पादकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने संयंत्रों के समीपवर्ती गांवो को अपनाएं और सीएसआर कार्यकलापों के एक भाग के रूप में उन्हें आदर्श इस्पात गांवों के रूप मे विकसित करने में सहायता करें। भंडारण टंकियों, बैल गाड़ियों, पानी के टैंकों, भवनों जैसे स्कूल भवनों, पंचायत घरों, स्वास्थ्य केंद्र भवनों, प्रतीक्षा शेडों आदि में इस्पात के उपयोग पर बल दिया गया है। सेल, एनएमडीसी, आरआईएनएल और मॉयल द्वारा सीएसआर कार्यकलापों के तहत 149 गांवों को आदर्श इस्पात गांवो के रूप में विकसित किया जा रहा है।

(vi) इस्पात का ग्रामीण वितरण नेटवर्क

आम आदमी को इस्पात की मदें उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक जिले में कम से कम एक डीलर नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। संपूर्ण देश में ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की आम उपयोग की मदों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सेल और आरआईएनएल संपूर्ण देश में अपने वितरण नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। जिला स्तरीय डीलरशिप आबंटित करते समय अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति और अन्य पिछड़े वर्गों को तरजीह दी जाती है। इसके अलावा आम इस्पात मदें ग्रामीण क्षेत्रों में उसी मूल्य पर उपलब्ध करवाई गई हैं जो कि शहरों के स्टॉकयार्डों में है। स्टॉकयार्ड से डीलर के स्थान तक की ढुलाई की लागत सरकारी क्षेत्र के इस्पात उत्पादकों द्वारा वहन की जाती है। सेल और आरआईएनएल अपने वितरण नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहे हैं। 1.1.2010 की स्थिति के अनुसार सेल देश के 599 जिलों में 1963 डीलर नियुक्त कर चुका है। आरआईएनएल दक्षिणी राज्यों के लगभग सभी जिलों अर्थात आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल तथा समीपवर्ती राज्यों अर्थात उड़ीसा, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में डीलर नियुक्त कर चुका है।

(vii) ग्रामीण भारत में इस्पात की मांग के आंकन के लिए अध्ययन

भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता आगामी वर्षों में कई गुणा बढ़ जाएगी। 190 कि.ग्राम के विश्व औसत की तुलना में भारत की वर्तमान कम प्रतिव्यक्ति 47 कि.ग्राम इस्पात खपत से यह सुदृढ़ तर्क है कि घरेलू इस्पात उद्योग में काफी संभावना है। इस्पात मंत्रालय की अनुदान मांगों (2007-08) संबंधी कोयला और इस्पात संसदीय स्थाई समिति (पी एस सी) अपनी 25वी रिपोर्ट में नोट किया था कि इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इस्पात उद्योग हेतु अपेक्षित आधारभूत संरचना सृजित करना और इस्पात की प्रतिव्यक्ति खपत में वृद्धि करना आवश्यक है। समिति ने अवलोकन किया कि खपत के वांछित स्तर को प्राप्त करने में सबसे बड़ी बाधा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक भेद-भाव को दूर करना है। इसलिए समिति ने इच्छा व्यक्त की कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की मांग का आंकन करने के लिए सर्वे किया जाए।

संसदीय स्थाई समिति की सिफारिशों के अनुसरण में इस्पात मंत्रालय ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की मांग का आंकन करने के लिए संयुक्त संयंत्र समिति के जरिए सर्वे करा रहा है। सर्वे का उद्देश्य भारतीय ग्रामीण बाजार में इस्पात की विभिन्न मदों की खपत के पैटर्न के रुख का अनुमान लगाना है। विशेष रूप से ग्रामीण भारत के विकास के

लिए भारत निर्माण जैसी परियोजनाओं के जरिए आधारभूत ढांचे के विकास में निवेश करने से होने वाली मांग का भी सर्वे में पता लगाना है।

सर्वे को मोनिटर करने के लिए इस्पात मंत्रालय के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में एक तकनीकी समिति गठित की गई है जिसमें उद्योग और उद्योग एसोसिएशनें सदस्य हैं। बाजार अनुसंधान में अग्रणी आई एम आर बी इन्टरनेशनल को तकनीकी समिति द्वारा सर्वे के फील्ड और विश्लेषणात्मक कार्य के लिए चुना गया है। सर्वे निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण आबादी के स्ट्रेटिफाइड सैम्पलिंग पर आधारित होगा।

- सभी 35 राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश पृथक रूप में
- 300 जिले (ग्रामीण आबादी की प्रतिशतता पर आधारित)
- 1500 गांव (ग्रामीण आबादी की प्रतिशतता पर आधारित)
- कम से कम 15-20 घर की वस्तुएं तथा प्रत्येक गांव में ग्राम पंचायत जैसे सभी संस्थान।
- ग्रामीण स्तर पर 4500 विनिर्माता और 8000 रिटेल (उत्पादन/कारोबार पर आधारित)

सर्वे हेतु विश्लेषण प्रयोजन के लिए आंकडे पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2006-07, 2007-08 तथा 2008-09 के लिए एकत्रित किए जाएंगे और ग्रामीण इस्पात की मांग का आंकन 2011-12, 2016-17 तथा 2019-20 की अवधि के लिए किया जाएगा। देश के सभी चारों जोनों (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) के एक-एक जिले में एक पायलट सर्वे पहले ही किया जा चुका है। पश्चिम बंगाल (पूर्व) में नादिया, उत्तर प्रदेश (उत्तर) में रायबरेली, महाराष्ट्र (पश्चिम) में अहमदनगर तथा तमिलनाडु (दक्षिण) में वेल्लौर अभिज्ञात किए गए जिले हैं।

(viii) लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना

भारत को विश्व में प्रमुख इस्पात उत्पादक बनना है। स्वदेशी रूप से उपलब्ध कच्ची सामग्रियों के अधिकतम उपयोग, ऊर्जा खपत में कमी और नए इस्पात उत्पाद विकसित करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए इस्पात मंत्रालय सरकारी और निजी इस्पात क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास कार्यों को बढ़ावा दे रहा है। इस समय निम्नलिखित दो अनुसंधान एवं विकास योजनाएं जिनके अंतर्गत वित्तीय सहायता दी जाती है, चालू हैं:-

(i) इस्पात विकास निधि से अनुसंधान एवं विकास: वर्ष के दौरान मंजूर 5 अतिरिक्त परियोजनाओं से इस योजना के अंतर्गत मंजूर योजनाओं की कुल संख्या बढ़कर 64 और कुल लागत बढ़कर 422 करोड़ रू0 हो गई है। इसमें 178 करोड़ रू0 एसडीएफ सहायता है।

(ii) सरकारी बजटीय सहायता से अनुसंधान एवं विकास: 11वीं योजना (2007-12) के लिए इस्पात उद्योग संबंधी कार्यकारी दल की सिफारिशों के आधार पर 118.00 करोड़ रू0 के परिव्यय से एक नई योजना अर्थात च्लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने की योजनाछ 11वीं पंचवर्षीय योजना में शामिल की गई थी। व्यय वित्त समिति ने मोटे रूप से तीन क्षेत्र अभिज्ञात किए हैं जिनके तहत योजना को बढ़ावा दिया जाएगा। विशेषज्ञों के पैनल के परामर्श से 7 अनुसंधान एवं विकास प्रस्ताव परियोजना मंजूरी एवं प्रबोधन समिति (पीएएमसी) के विचार हेतु छांटे गए हैं। सचिव (इस्पात) की अध्यक्षता में पीएएमसी की बैठक शीघ्र आयोजित की जाएगी जिसमें परियोजनाओं को अनुदान देने का निर्णय लिए जाने की संभावना है।

(ix) चुनिंदा इस्पात मदों के संबंध में मेंडेटरी क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर

उपभोक्ताओं को गुणवत्ता वाला इस्पात उपलब्ध करवाने के लिए उपभोक्ता मामले विभाग ने इस्पात मंत्रालय के परामर्श से आवास, निर्माण तथा अन्य महत्वपूर्ण उपयोगों के लिए 6 इस्पात उत्पाद भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम 1986 के अंतर्गत अनिवार्य गुणवत्ता प्रमाणन के लिए अधिसूचित किए हैं।

(x) क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) के अंतर्गत किए गए प्रयास

सीडीएम दीर्घकाल तक चलने वाली तथा पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कनवेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के क्योटो प्रोटाकॉल के तहत की गई फ्लैग्जिबल व्यवस्थाओं में से एक है। केंद्रीय सरकार ने नेशनल सीडीएम अथॉरिटी (एनसीडीएमए) का गठन किया है जो उपयुक्त परियोजनओं को मेजबान देश का अनुमोदन (एचसीए) प्रदान करती है। अब तक लगभग 127लोहा और इस्पात परियोजनाओं को एचसीए प्रदान किया गया है। इन परियोजनाओं से ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) में 99 मिलियन टन कार्बनडाईऑक्साइड (सीओ 2) के बराबर कमी होगी जिससे (वर्ष 2012 तक) 99 मिलियन टन सर्टिफाइड एमिशन रिडक्शन का सृजन होगा। जिसका महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में व्यापार किया जा सकता है। जो इस समय 15-25 यूरो प्रति सी ई आर यूनिट के बीच है। इस प्रकार कंपनियों के साथ-साथ देश को भी काफी लाभ होगा।

आरआईएनएल, इस्पात मंत्रालय और वित्त मंत्रालय ने मई, 2009 में ग्रीन एड प्लान के तहत सिन्टर मशीन 1 तथा 2 के स्ट्रेट लाइन कूलरों मे 20.6 मेगावाट का वेस्ट ट्रीट रिकवरी सिस्टम स्थापित करने के लिए जापान के न्यू इनर्जी एण्ड इण्डस्ट्रियल टेक्नालाजी एण्ड डेव्लपमेंट आर्गेनाइजेशन (एनईडीओ) के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया हैं।

(xi) अवसंरचनात्मक अड़चनों को दूर करना

इस्पात क्षेत्र को रेलवे संबंधी सुविधाएं देने में महत्वपूर्ण अड़चनों की पहचान करने के लिए एक समन्वय समिति का गठन किया गया है जिसमें इस्पात उद्योग, इस्पात मंत्रालय तथा रेलवे बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू) के जरिए 11वीं योजना में इस्पात क्षमता के प्रस्तावित विस्तार हेतु अवसंरचनात्मक सुविधाओं की पर्याप्तता पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में इस्पात क्षमता में प्रस्तावित विस्तार, विशेष तौर पर उड़ीसा, झारखंड तथा छत्तीसगढ़ के संदर्भ में, को पूरा करने के लिए परिवहन (रेलवे, सड़क तथा पत्तन), जल संसाधन तथा विद्युत संबंधी अवसंरचनात्मक आवश्यकता पर केंद्रित है।

(xii) कच्चे माल की ढुलाई के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाएं

रावघाट तथा दल्ली राजहरा लौह अयस्क खानों के बीच संपर्क के लिए दल्ली राजहरा से जगदलपुर वाया रावघाट तक 235 कि.मी. लंबी रेलवे लाइन के लिए भारतीय रेल, छत्तीसगढ़ सरकार, एनएमडीसी तथा सेल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस नई रेलवे लाइन से लौह अयस्क, खनिजों, इस्पात, खाद्य सामग्री तथा वन उत्पादों के परिवहन में सुविधा मिलेगी।

(xiii) रेलवे के साथ संयुक्त परामर्शदात्री तंत्र

राष्ट्रीय इस्पात नीति के अनुरूप अवसंरचना की बढ़ी हुई आवश्यकताओं को पूरा करने तथा इस्पात की मदों एवं लौह अयस्क तथा चूना पत्थर जैसी कच्ची सामग्रियों की ढुलाई के लिए मालभाड़ा श्रेणी को युक्तिसंगत बनाने के लिए एक संयुक्त परामशदात्री तंत्र गठित किया गया है जिसमें रेल मंत्रालय, इस्पात मंत्रालय और इस्पात उद्योग (सरकारी और निजी दोनों) के प्रतिनिधि शामिल हैं।

(xiv) उपभोक्ता परिषद की बैठक

इस्पात उत्पादों की पूर्ति/उपलब्धता और अन्य संबद्ध मुद्दों जिनका उपभोक्ताओं द्वारा सामना किया जा रहा है का समाधान करने के लिए इस्पात मंत्रालय में इस्पात उपभोक्ता परिषद का गठन किया गया है। इस्पात उपभोक्ता परिषद की बैठकें माननीय इस्पात मंत्री की अध्यक्षता में 2008-09 में हुई थी। इस्पात के उपभोक्ताओं को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों जैसे नए स्टाकयार्ड खोलना तथा उनकी कार्यप्रणाली की मानिटरिंग करना, इस्पात के घरेलू मूल्यों के रूख की मानिटरिंग करना, मौजूदा उत्पाद और आयात शुल्क की समीक्षा करना और इस्पात की सामग्री की उपलब्धता के संबंध में बैठकों में विचार विमर्श किया गया।

(xv) वित्तीय उपाय

वैश्विक आर्थिक संकट से उबरने के लिए घरेलू इस्पात उद्योग की सहायता करने के लिए पिछले एक वर्ष के दौरान सरकार द्वारा निमनलिखित उपाय किए गए हैं जिनमें अन्य बातों के साथ साथ सस्ते आयात को हतोत्साहित करना और इस्पात निर्यात को प्रोत्साहित करना शामिल है:

- 31.10.2008 से सभी इस्पात मदों (मेल्टिंग स्क्रैप को छोड़कर) पर निर्यात शुल्क समाप्त कर दिया गया है।
- 14.11.2008 से इस्पात मदों पर डीईपीबी बहाल की गई है।
- 18.11.2008 से लोहे और नॉन एलाय इस्पात मदों पर पुन: 5% आयात शुल्क लगाया गया है।
- 24.2.2009 से इस्पात मदों पर सेन्वेट घटाकर 8% कर दिया गया है।
- 2.1.2009 से टीएमटी बार और स्ट्रक्चरल पर काउंटरवैलिंग ड्यूटी (सीवीडी) पुन: लगाई गई है।

4.2 स्त्री सशक्तिकरण हेतु वित्त मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निदेशानुसार मंत्रालय में एक जेंडर बजट सेल स्थापित किया गया है जिसका उद्देश्य मंत्रालय में जेंडर बजट की अवधारणा को कार्यान्वित करने के लिए कदम उठाना है।

5. लोहा और इस्पात उद्योग कार्यदल की सिफारिशें

मई, 2006 में योजना आयोग द्वारा सचिव, इस्पात मंत्रालय की अध्यक्षता में 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-2012) के लिए इस्पात उद्योग कार्यदल गठित किया गया है। कार्यदल की प्रथम बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि 11वीं योजना के लिए विकास नीति तैयार करने से पूर्व इस्पात उद्योग से संबंधित मुद्दों का विस्तार से विश्लेषण करने की आवश्यकता है। कार्य दल ने अपनी अन्तिम रिपोर्ट दिसम्बर, 2006 में योजना आयोग को प्रस्तुत कर दी। कार्यदल की टिप्पणियों और निष्कर्षों के आधार पर तथा राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 की भावना और उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए भारत को न केवल लागत, गुणवत्ता और उत्पाद-मिश्र की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु अपितु दक्षता और उत्पादकता के अन्तर्राष्ट्रीय बेन्चमार्कों की दृष्टि से भी 11वीं पंचवर्षीय योजना में निम्नलिखित प्रमुख महत्वपूर्ण क्षेत्र अभिज्ञात किए गए हैं जहां सरकार द्वारा समर्थन संबंधी उपाय उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

➢ मांग संबंधी प्रबंधन

- वास्तुविदों, इंजीनियरों, विद्यार्थियों और अन्य प्रौद्योगिकी प्रैक्टिशनरों और इस्पात के प्रयोक्ताओं में इस्पात के उत्पादकों और इंस्टीट्यूट आफ स्टील डेवलपमेंट एंड ग्रोथ (आई एन एस डी ए जी) द्वारा इस्पात के उपयोग को बढ़ावा देना।
- पुलों, क्रैश बैरियरों, सेतुओं, औद्योगिक और अन्य भवनों तथा सामान्य रूप से बड़े पैमाने पर निर्माण में इस्पात के प्रयोग को प्रोत्साहित करना।
- इस्पात प्रयोगों का विस्तार करने के लिए नए ग्रेड और उत्पाद विकसित करना।
- इस्पात की उपलब्धता और वहनीयता में सुधार करना।

➢ पूर्ति संबंधी प्रबंधन

- महत्वपूर्ण कच्चे माल जैसे लौह अयस्क, कोककर/अकोककर कोयला, फैरो मिश्र आदि की उपलब्धता।
- ढांचागत सुविधाओं अर्थात विद्युत, रेलवे, राजमार्ग, पत्तन एंव तटीय जहाजरानी का विकास।
- नए निवेश के लिए सुविधा प्रदान करना।

5.1 पर्यावरण प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण

कच्चे माल से लेकर परिसज्जित इस्पात चरण तक लोहा और इस्पात उत्पादन के लिए अपनाई गई प्रौद्योगिकी तथा अन्ततः सृजित उप-उत्पादों तथा अपशिष्ट के दक्षतापूर्ण निपटान/पुनः उपयोग को अनिवार्य रूप से लोहा और इस्पात संयंत्रों में पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा जाना चाहिए। इसलिए उत्पादन प्रक्रियाओं तथा संयंत्र के आस-पास के परिवेश को शामिल करते हुए एकीकृत दृष्टिकोण के लिए पर्यावरण के प्रभावी प्रबंधन की आवश्यकता है। इस सम्बन्ध में उद्योग और सरकार का उद्देश्य शून्य अपशिष्ट/शून्य बहिस्राव होना चाहिए।

अपशिष्ट विशेष रूप से ढोस अपशिष्ट अपरिहार्य रूप से लाभपूर्ण मूल्यवर्धित उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है। दूसरे शब्दों में सतत विकास प्रौद्योगिकी विकास और डिजाईन स्तर से ही शुरू किया जाना चाहिए। भविष्य में यह सुनिश्चित किया जाए कि वे प्रौद्योगिकियाँ जो बने रहने योग्य नहीं हैं, न तो विद्यमान संयंत्रों के विस्तार और न ही नई क्षमताओं के सृजन के लिए अपनाई जानी चाहिएं। इन उद्देश्यों के लिए उद्यमियों और सरकार दोनों के स्तर पर उपयुक्त हस्तक्षेप के जरिए पहल करने के लिए आवश्यक है।

5.2 सुरक्षा उपाय

भारत में लोहा और इस्पात उद्योग में सुरक्षा की स्थिति में समग्र रूप से सुधार करने हेतु निम्नलिखित उपचारात्मक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है:-

(i) कानूनी सिस्टम को सुदृढ़ करना ताकि सुरक्षा नीति में उल्लंघन की कोई भी घटना चाहे वह सरकारी क्षेत्र में हो अथवा निजी क्षेत्र में हो, बिना दण्ड दिए नहीं रहनी चाहिए। तदनुसार फैक्टरी निरीक्षक, सुरक्षा अधिकारी और कानूनी ढांचे की प्रणाली को सुधारना होगा। प्रौद्योगिकियों/कार्य परिवेश में हुए बदलावों को ध्यान रखने के लिए कानूनी प्रावधानों में उन्नयन किया जाना चाहिए ताकि जहां तक संभव हो सके, खामियों को दूर किया जा सके।

(ii) सभी संयंत्रों में आई एल ओ दिशा निर्देशों के अनुसार ओ एच एस प्रबंधन प्रणाली और ओ एच एस ए एस 18001 अपनाई जानी चाहिए।

(iii) भारत में कुछ इस्पात संयंत्रों में अब भी कई पुरानी प्रौद्योगिकियाँ अर्थात् ट्विन हर्थ फर्नेश, इंगाट मेकिंग आदि प्रचालनरत हैं। ये प्रक्रियाएं वहां काम करने वाले कर्मचारियों के लिए खतरनाक हैं और इस प्रकार के संयंत्रों में सुरक्षा में सुधार करने हेतु इन प्रक्रियाओं को तत्काल बन्द किए जाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त नई प्रौद्योगिकियों का विकास सुरक्षित कार्य परिवेश उपलब्ध कराने में सहायक होगा।

(iv) अन्तर्निहित जोखिम/खतरे का बेहतर ढंग से आंकन करने के लिए सभी संयंत्रों में अग्नि माडलिंग और जोखिम विश्लेषण का विश्लेषण किया जाना चाहिए।

5.3 आंकड़ों के संग्रहण और जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए संस्थागत ढ़ांचा

आंकड़ों/सूचना के संग्रहण, वैधता, विश्लेषण और प्रचार-प्रसार के लिए विद्यमान संस्थागत तंत्र में तत्काल सुधार करने की आवश्यकता है। इस्पात उद्योग के नियंत्रणमुक्त होने से आंकड़ों का संग्रहण विशेष रूप से क्षमता और उत्पादन से संबंधित सूचना संग्रहित करना अब काफी जटिल हो गया है। सभी शेयरधारकों, नीति निर्माताओं, फर्मों, वित्तीय संस्थानों और उपभोक्ताओं द्वारा संसूचित निर्णय लेने की सुविधा हेतु एक विश्वसनीय और प्रभावी आंकड़ा आधार तैयार करने को सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कानूनी प्रावधान/संस्थागत ढांचे की आवश्यकता है। विद्यमान संस्था नामतः संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) तथा आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू) को इस प्रयोजन के लिए सुदृढ़ किया जाना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, विद्यमान संस्थाओं नामत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) तथा आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू), इंस्टिट्यूट फॉर स्टील डवलपमेंट एंड ग्रोथ (आईएनएसडीएजी), नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सैकेण्ड्री स्टील टैक्नोलॉजी (एनआईएसएसटी) तथा बीजू पटनायक नेशनल स्टील इंस्टिट्यूट (बीपीएनएसआई) को सार्वभौमिकीकरण की बदली हुई वास्तविकताओं के अनुरूप रिओरियेंटिड करने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में इस देश में इंटरनेशनल आयरन एंड स्टील इंस्टिट्यूट (आईआईएसआई) के अनुसार एक मल्टीडिसीपलीनरी ऑर्गेनाईजेशन स्थापित करने पर भी विचार किया जा सकता है।

6. नीतिगत पहलों से निष्कर्ष बजट की संगतता

इस्पात मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में चालू योजनाओं/परियोजनाओं तथा 11वीं योजना (2007-12) के दौरान शुरू की जाने वाली प्रस्तावित योजनाओं/परियोजना जैसे क्षमता विस्तार, प्रौद्योगिकीय उन्नयन, लौह अयस्क तथा कोककर कोयला खानों का अधिग्रहण/विकास, अनुसंधान एवं विकास योजनाओं, नए स्लैब कास्टर की स्थापना, कोक ओवन बैटरी का पुनर्निर्माण, ए एम आर योजनाओं आदि से संयंत्रों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, गुणवत्ता तथा उत्पाद-मिश्र में सुधार होगा और उत्पादन की लागत में कमी होगी। अवधारणा पर बल देने सहित निष्कर्ष बजट की अवधारणा, रूपांकन, निष्कर्षोन्मुखी योजनाओं/कार्यक्रमों का कार्यक्रम और सुदृढ़ परियोजना/कार्यक्रम तैयार करने की अपेक्षा, क्षमताओं का मूल्यांकन तथा प्रभावी सुपुर्दगी प्रणाली से वास्तविक परिसम्पत्तियों और जनशक्ति के बेहतर उपयोग की संभावना है, परियोजना प्रबंधन और कार्यान्वयन में सुधार होने, तथा प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने की आशा है। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनाओं/कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन से भारतीय इस्पात उद्योग के न केवल लागत, गुणवत्ता और उत्पाद मिश्र की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने अपितु दक्षता और उत्पादकता के अन्तर्राष्ट्रीय बेन्चमार्कों जो राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 में परिकल्पित उद्देश्य एवं लक्ष्य हैं, में भी योगदान देगी।

****

अध्याय IV

पिछले निष्पादन की समीक्षा-निष्कर्ष बजट 2009-10

निष्कर्ष बजट 2009-10 इस्पात मंत्रालय की योजना और गैर-योजनागत योजनाओं/कार्यक्रमों के संबंध में तैयार किया गया था। 10वीं योजना (2002-07) तक इस्पात मंत्रालय को प्रत्यक्ष रूप से किसी योजना का कार्यान्वयन नहीं करना था। 11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित शामिल किया गया है। इस योजना को कार्यान्वयन के लिए औपचारिक रूप से दिनांक 23.1.2009 को अनुमोदित किया गया था। अनुमोदन के अनुसार यह योजना दिनांक 1.4.2009 से प्रभावी होगी।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालनों के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम बनाते हैं और कार्यान्वित करते हैं। योजना के स्वरूप पर निर्भर करते हुए सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनागत योजनाएं उनकी वार्षिक योजना अथवा पंचवर्षीय योजनाओं अथवा दोनों की घटक होती हैं। प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई योजनाएं हैं। अधिकांश योजनाएं कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और प्रचालनों से संबंधित हैं। इसलिए यह महसूस किया गया है कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी योजनाओं को शामिल करना न तो व्यवहारिक होगा और न ही निष्कर्ष बजट के उद्देश्य के अनुरूप होगा। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख योजना और गैर-योजनागत योजनाओं को ही शामिल किया जाए। इस मानदंड के आधार पर 57 योजनागत योजनाओं (सेल की 33 योजनाओं, आरआईएनएल की 14, केआईओसीएल की 5, एनएमडीसी की 2, मॉयल की 1 और इस्पात मंत्रालय की 1 योजनाओं) तथा एक गैर-योजनागत योजना (एचएससीएल के संबंध में) को निष्कर्ष बजट 2009-10 में शामिल किया गया था। 50.00 करोड़ रूपए से अधिक अनुमानित/मंजूर लागत वाली इन 57 योजनाओं के संबंध में निष्कर्ष बजट, 2009-10 में दर्शाए गए प्रक्षेपित निष्कर्षों की तुलना में संयंत्र-वार वास्तविक उपलब्धियां (31 दिसंबर, 2009 तक) निम्नलिखित तालिका में दी गई हैं। यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश प्रमुख योजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं अत: इन योजनाओं की उपलब्धियों का अपेक्षाकृत अधिक सार्थक और वास्तविक मूल्यांकन इन योजनाओं के पूरा किए जाने के बाद ही संभव है।

निष्कर्ष बजट 2009-10 में अनुमानित प्रक्षेपित उत्पादन की तुलना में वास्तविक उपलब्धियाँ

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	**50 करोड़ रू0 से अधिक की अनुमानित/स्वीकृत लागत की योजनाएँ**											
1	**स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि0 (सेल)**											
(क)	भिलाई इस्पात संयंत्र											
(i)	कोक ओवन बैटरी-5 का पुनर्निर्माण	उत्पादन में सुधार तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम उत्सर्जन मानदंडों को प्राप्त करना।	219.04	15.00	20.00	एम ओ ई एफ के नवीनतम प्रदूषण मानकों के अनुसार पुनर्निर्माण	जनवरी '07	दिसंबर, 08	9.23	178.94	बीएफ कोक की आवश्यकता से जोडा गया है	पूरी की गई
(ii)	2x1250 टीपीडी O_2 संयंत्र के लिए विद्युत आपूर्ति सुविधाओं की स्थापना	बीएसपी की भावी विद्युत की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एनटीपीसी व सेल की एक संयुक्त उद्यम कंपनी एनएसपीसीएल के जरिए विद्युत संयंत्र-3 से 220 केवी पर विद्युत की निकासी	62.00	20.81	10.00	500 मेगावाट में से 280 मेगावाट बीएसपी के लिए आबंटित की है।	सितम्बर '08	फरवरी, 09	5.22	52.64	आवश्यकता के अनुसार विद्युत निकासी की जा रही है	पूरी की गई

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iii)	मेन स्टैप डाऊन स्टेशन की स्थापना (एमएसडीएस-V)	बीएसपी की भावी विद्युत की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एनटीपीसी व सेल की एक संयुक्त उद्यम कंपनी एनएसपीसीएल के जरिए विद्युत संयंत्र-3 से 220 केवी पर विद्युत की निकासी	143.02	15.00	19.00	500 मेगावाट में से 280 मेगावाट बीएसपी के लिए आबंटित की है।	नवंबर, 08	जून, 09	7.68	112.17	--	पूरी की गई
(iv)	नये स्लैब कास्टर, आर एच डिगैसर तथा लैडल फर्नेस की स्थापना	उच्च गुणवत्ता की प्लेटों तथा भारतीय रेल के लिये विनिर्दिष्टियों के अनुरूप पटरियों के उत्पादन की क्षमता में बढ़ोतरी करने के लिये मूल्यवर्धित/विशेष गुणवत्ता के इस्पात का उत्पादन	520.76	30.00	25.00	अतिरिक्त कास्टिंग 0.165 एमटीपीए। एपीआई X65/X70 ग्रेड - 3,00,000टी	सितंबर, 07	जनवरी, 09	17.08	431.64	हीट्स की कास्टिंग नियमित आधार पर की जा रही है	पूरी की गई

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(v)	एसएमएस में तप्त धातु डिसल्फयूराईजेशन	विशेष रूप से ऑफ-शोर, परिवहन तथा अवसंरचनात्मक क्षेत्रों में अनुप्रयोग हेतु, उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात की मांग को पूरा करने के लिए कम सल्फर वाले इस्पात के उत्पादन की सुविधा प्रदान करना।	86.23	16.78	9.00	तप्त धातु में सल्फर के स्तर में 0.1% से 0.01% तक की कमी।	अगस्त, 07	जनवरी, 08	2.44	61.30	परिकल्पना के अनुसार सल्फर का स्तर प्राप्त किया गया।	पूरी की गई
(vi)	प्लेट मिल ड्राईव्ज का थाईरिस्टोराईजेशन	स्टेट-ऑफ-आर्ट डिजिटल कंट्रोल के साथ मॉर्डन थिरिस्टर कन्वर्टरों द्वारा पुराने व खराब एमजी सैटों को बदलना।	53.52	28.00	8.00	मिल उपलब्धता में सुधार एवं विद्युत खपत में कमी	फरवरी, 09	जनवरी,10	4.95	37.96	--	पूरी की गई
(vii)	ऑक्सीजन संयंत्र-।। में 700टीपीडी एएसयू	ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आर्गन की बढ़ती हुई जरूरत को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन संयंत्र-।। में नया एएसयू स्थापित किया जा रहा है।	258.18	30.00	31.56	आक्सीजन का प्रतिदिन 700 टन	जुलाई, 09	मई, 11	27.54	47.53	--	मैसर्स क्रायोजन मैश के साथ करार समाप्त हो गया है और री-टैंडरिंग की गई है। मैसर्स एयर लिक्क्वाइड के साथ नए करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य / प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(viii)	एंड फोर्जिंग प्लांट	हैवी होलेज/हाई स्पीड ट्रक के निर्माण और प्रस्तावित फ्रैट कोरिडोर के लिए भारतीय रेलवे की जरूरत के लिए एंड प्रोफाईल थिक वैब रेल्स को प्रोफाइल ऑफ रेल्स में परिवर्तित करने हेतु।	53.52	8.22	1.00	हैवी होलेज/हाई स्पीड ट्रैक्स के लिए हैवी ड्यूटी स्विच बनाने हेतु रेलों का उत्पादन।	नवंबर, 08	मार्च, 09	0.27	42.99	--	पूरी हो गई
(ix)	सीओबी-6 का पुनर्निर्माण	उत्पादन में सुधार तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम उत्सर्जन मानदंडों को प्राप्त करना।	191.20	60.00	25.00	--	जनवरी, 10	अप्रैल,10	48.09	59.34	--	--
(x)	बीएसपी का विस्तार	निम्न ग्रेड एवं ऊर्जा इंट्रिसिक यूनिटों, सेमीस इंडक्शन को समाप्त करना।	5971.31 (आंशिक)	1100.00	912.00	एचएम क्षमता को 4.82 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	--	--	1053.17	1393.49	--	--

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ख)	राऊरकेला इस्पात संयंत्र											
(i)	कोक ओवन बैटरी-4 का पुनर्निर्माण	उत्पादन में सुधार तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम उत्सर्जन मानदंडों को प्राप्त करना।	248.94	90.00	120.00	एम ओ ई एफ के नवीनतम प्रदूषण मानकों के अनुसार पुनर्निर्माण किया जाना	अगस्त, 09	फरवरी, 10	86.34	160.13	--	मैसर्स मेकान द्वारा उपस्कर की आपूर्ति तथा उत्थापन में विलम्ब हुआ है। 12.10.09 को चिमनी हिटिंग शुरू हो गई है तथा 28.10.09 को बैटरी प्रज्जवलित की गई।
(ii)	एसएमएस-2 में तप्त धातु डिसल्फ्यूराईजेशन	विशेष रूप से तटीय, परिवहन और अवसंरचना क्षेत्रों में अनुप्रयोग हेतु उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात की मांग को पूरा करने के लिए कम सल्फर वाले इस्पात के उत्पादन को सुविदाप्रद बनाना।	52.39	6.96	4.28	तप्त धातु में सल्फर के स्तर को 0.1% से कम करके 0.01% करना	मई, 08	अप्रैल, 08	4.74	53.88	परिकल्पनानुसार लाभ प्राप्त किए गए	निर्धारित समय से पहले पूरी हो गई

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iii)	पाईप कोटिंग प्लांट की स्थापना	मुख्य रूप से हाईड्रोकार्बन क्षेत्र में कोटिड पाईपों की आपूर्ति	68.27	6.12	8.09	8" से 42" की बाह्य परिधि की रेंज वाले पाइपों सहित 60,000 टीपीए क्षमता	अगस्त, 08	सितंबर, 08	5.61	58.89	परिकल्पनानुसार लाभ प्राप्त किए गए	पूरी हो गई
(iv)	बीएफ-4 में कोल डस्ट इंजेक्शन सिस्टम	कोक दर में कमी तथा फर्नेस उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकी आवश्यकता	70.71	23.17	24.00	1:1 अनुपात के आधार पर कोक का पल्वेराईज्ड कोल द्वारा प्रतिस्थापना। 120 किग्रा/ टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर ।	अक्तूबर, 08	जुलाई, 10	8.85	49.97	--	मैसर्स साइनोस्टील, चीन द्वारा डिजाइन इंजीनियरिंग तथा उपस्करों की आपूर्ति में विलंब। मैसर्स साइनोस्टील, चीन द्वारा सिविल तथा स्टक्चरल कार्य तथा उपस्करों की आपूर्ति में विलंब।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(v)	सीपीपी- I में टर्बो ब्लोवर सं. 5 की अपरेटिंग	बीएफ-4 की उच्च दाब की आवश्यकता के लिए और अन्य टर्बो ब्लोवरों के शट डाऊन/अनुपलब्धता के मामले में अन्य धमन भट्टियों की एयर संबंधी आवश्यकता पूरी करने के लिए भी।	54.05	20.00	30.00	2.3 किग्रा./सी एम 2 के दाब पर 1,63,000 एनएम^3/घंटे के डिस्चार्ज वोल्यूम की क्षमता	जनवरी, 09	दिसंबर,09	26.63	40.16	--	पूरी हो गई
(vi)	न्यू कोक ओवन गैस होल्डर	गैस ग्रिड में पर्याप्त दाब बनाए रखने के लिए प्रतिस्थापन के रूप में न्यू कोक ओवन गैस होल्डर	123.22	40.00	40.00	100,000 एम 3 क्षमता	जून, 09	दिसंबर, 09	18.61	79.99	--	पूरी हो गई
(vii)	700टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र	ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आर्गन की बढ़ती हुई जरूरत को पूरा करने के लिए नया ऑक्सीजन संयंत्र	302.70	100.00	130.00	700 टन प्रतिदिन क्षमता	जून, 09	मई, 10	118.70	211.78	--	एटलस कोपको, जर्मनी द्वारा बूस्टर एयर कम्प्रेशर की आपूर्ति में विलम्ब/बूस्टर एयर कम्प्रेशर के अलावा सभी आयातित उपस्कर संयंत्र पर प्राप्त हो गए हैं। दो आयातित उपस्कर प्राप्ति के समय दोषयुक्त पाए गए जिन्हें 24.11.09 को शुद्धिकरण हेतु वापिस जर्मन भेज दिया गया।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
viii)	एसएमएस-II के बीओएफ कन्वर्टरों की सिमल्टानियस ब्लोइंग	एसएमएस-II की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए	197.66	72.83	100.00	1.68 एमटीपीए से 1.85 एमटीपीए उत्पादन बढ़ाना	अक्तूबर, 09	मार्च, 10	68.75	95.96	--	निर्माण आरेख प्राप्त करने में प्रारंभिक विलंब
ix)	आरएसपी का विस्तार	तप्त धातु क्षमता बढाकर 4.5 एमटीपीए करने के लिए	7721.94 (पार्ट)	1400.00	890.00	तप्त धातु की क्षमता 2.12 एमटीपीए से बढ़ाकर 4.5 एमटीपीए करना	--	--	629.86	1045.94	--	--
(ग)	बोकारो इस्पात संयंत्र											
(i)	ऑक्सीजन संयंत्रों में एयर टर्बो कम्प्रैसर (एटीसी) तथा ऑक्सीजन टर्बो कम्प्रैशर (ओटीसी)	भविष्य में नियमित आधार पर उपस्करों के अनुरक्षण तथा ऑक्सीजन संयंत्र के उत्पादन को बनाए रखने के लिए तकनीकी आवश्यकता।	81.76	20.00	10.74	एटीसी क्षमता 90,000 एनएम3/घंटा तथा ओटीसी क्षमता 15000 एनएम3/घंटा	नवंबर, 07	अप्रैल, 09	3.43	56.69	परिकल्पना के अनुसार लाभ प्राप्त किये गये।	पूरी हो गई

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	बीएफ-2 व 3 में कोल डस्ट इंजेक्शन	प्रौद्योगिकीय जरूरत के मुताबिक कोक दर में कमी तथा फर्नेस उत्पादकता में सुधार	133.92	20.00	22.00	1:1 के अनुपात के आधार पर कोक का पल्वेराईज्ड कोल द्वारा प्रतिस्थापन। 120 किग्रा /टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर।	मई, 08	फरवरी, 10 (बीएफ-3)	13.89	86.11	--	विस्तार योजना के तहत एसएमएस-3 के लिए साईट को अंतिम रूप देने के कारण कोयला की हैंडलिंग एवं भंडारण साईट के पुन: स्थान निर्धारण में विलंब हुआ। - मैसर्स एसआरईपीसी एंड टैकप्रो द्वारा फैब्रिकेशन तथा स्ट्रक्चर्स के उत्थापन में विलंब।
(iii)	कोयला संभाल संयंत्र में कोककर कोयला भंडारण सुविधाएं	कोयला संभाल में कोककर कोयले की भंडारण की सुविधाओं में वृद्धि।	134.32	30.00	15.00	भंडारण क्षमता में 115000 टन से 202500 टन की वृद्धि	मार्च, 08	मई, 09	9.19	108.77	परिकल्पना के अनुसार लाभ प्राप्त किये गये।	पूरी हो गई

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iv)	एसएमएस-।। में दूसरी लैडल फर्नेस की स्थापना।	प्रचालन में कास्टरों व व्यवहार्यता में लंबी सीक्वेंस के लिए बफर स्टेशन बनाने के अलावा मूल्यवर्धित इस्पात, विशेष रूप से कम सल्फर वाले स्टील के उत्पादन की सुविधा प्रदान करना, रिटर्न हीट में कमी, ऑक्सीजन खपत में कमी और फैरो अलॉय की बचत।	96.96	30.00	22.00	मूल्यवर्धित इस्पात का उत्पादन, कन्वर्टरों की लाईनिंग लाईफ में सुधार।	फरवरी, 08	फरवरी, 10	11.06	59.86	--	- मैसर्स वीएआई व मैसर्स सीमेंस द्वारा डिजाइन इंजीनियरिंग व उपस्कर का आदेश देने में विलंब। - मैसर्स एचएससीएल व केसीसी द्वारा संसाधन संघटन में कमी जिससे सिविल कार्य में विलंब।
(v)	सिंटर संयंत्र में ईएसपी सहित बैटरी साईक्लोन्स का प्रतिस्थापन।	केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानदण्डों के अनुसार आऊटलेट डस्ट के उत्सर्जन स्तर की सांविधिक जरूरत को पूरा करने के लिए इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रीसीपीटेटर्स द्वारा बैटरी साईक्लोन का प्रतिस्थापन।	80.60	20.00	20.00	आऊटलेट डस्ट के उत्सर्जन स्तर में 150 एमजी/एनएम^3 पर नियंत्रण करने के लिए 900,000 एम^3/घंटा क्षमता के 6 ईएसपी।	अगस्त, 10	दिसंबर, 11	7.49	27.06	--	ई.एस.पी-6 के उत्थापन के लिए बंद नहीं किए जाना। मै0 एसआरईपीसी द्वारा ड्राइंग प्रस्तुत करने में विलम्ब।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(vi)	नए टर्बो ब्लोवर सं0 8 की स्थापना	बीएफ-2 की कोल्ड ब्लास्ट (सीबी) बढ़ी जरूरत को पूरा करने के लिए।	125.92	70.00	17.00	4000 एनएम^{3}/मिनट का ब्लोवर डिस्चार्ज वोल्यूम और ब्लोवर एंड में 3.9 किग्रा/सेमी^{3} का डिस्चार्ज प्रेशर।	अगस्त, 09	मई, 11	4.55	9.97	--	मैसर्स रोज इलेक्ट्रोपेम के साथ करार समाप्त कर दिया गया। एनआईसीसीओ/एस-आईडब्ल्यू, चीन एमईएस जापान को नया आर्डर दे दिया गया।
(vii)	बीएफ-2 का उन्नयन	उपयोगी वर्किंग वौल्यूम और उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए।	892.32	388.00	250.00	उपयोगी वोल्यूम 1758 से बढ़कर 2259 एम3 हो जायेगी और उत्पादकता में 2टी/एम3/दिन की बढ़ोतरी होगी।	अगस्त, 09	मार्च, 10	235.87	483.91	--	बीएफ-3 की बड़े पैमाने पर मरम्मत के कारण बीएफ-2 को बंद करना स्थगित कर दिया गया।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(viii)	सीओबी-1 व 2 का पुनर्निर्माण।	उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।	500.90	100.00	100.00	उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंड प्राप्त करना।	अप्रैल, 10	अक्तूबर, 10 (प्रथम बैटरी)	61.36	119.06	--	जुलाई, 10- सीओबी नं. 1 अक्तूबर, 10- सीओबी नं 2 ठेकागत अनुसूची- स्थल सौंपने की तारीख से 27 माह
(ix)	बीएसएल का विस्तार	ऊर्जा सघन इकाइयों को बंद करना तथा ऊर्जा दक्ष प्रोद्योगिकी शुरू करना	3858.62 (पार्ट)	600.00	840.00	1.2 एमटीपीए की नई कोल्ड-रोलिंग मिल कॉप्लैक्स	--	--	380.28	714.99	--	--
(ध)	<u>इस्को इस्पात संयंत्र</u>											
(i)	कोक ओवन बैटरी-10 का पुनर्निर्माण	उत्पादन व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।	416.50	180.00	150.00	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों के अनुसार पुनर्निर्माण।	सितंबर, 09	जून, 10	93.97	226.45	--	खराब निष्पादन के कारण एचएससीएल सिविल कार्य हेतु ठेका रद्द। मेकॉन द्वारा डिजायन इंजीनियरी के आधार पर सिविल कार्य में काफी वृद्धि

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अबप्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	आईएसपी का विस्तार	2.7एमटीपीए तप्त धातु, 2.5एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37एमटीपीए विक्रेय इस्पात का उत्पादन करने के लिए नई सुविधाए स्थापित करना।	16073.94	3100.00	4090.00	2.7एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात	जुलाई, 10 पृथम कन्वर्टर	जून, 11 (समेकित रूप से चालू करना)	3336.06	5481.34	--	--
(ड)	सेलम इस्पात संयंत्र											
(i)	एसएसपी का विस्तार	सतत् ढलाई व नई सीआरएम के साथ् इस्पात निर्माण सुविधाएं विकसित करना।	2138.00	1002.00	994.00	अपरिष्कृत इस्पात के उत्पादन में शून्य से 0.18 एमटी और विक्रेय इस्पात के उत्पादन में 0.18 से 0.34 एमटी की वृद्धि करना।	मार्च, 10	जून, 10 (समेकित रूप से चालू करना)	676.76	1201.16	--	--

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(च)	वी आई एस एल											
(i)	एसएमएस में ब्लूम कास्टर की स्थापना।	सतत् ढलाई प्रौद्योगिकी द्वारा पुरानी इन्गॉट प्रौद्योगिकी का प्रतिस्थापन।	84.90	24.00	25.00	1,25,000 टीपीए कास्ट ब्लूम्स का उत्पादन।	फरवरी, 09	सितंबर, 09	16.10	57.73	--	पूरी हो गई
(छ)	आरएमडी											
(i)	बोलानी आयरन ओर माइन की लोडिंग क्षमता में वृद्धि करना	लोडिंग क्षमता बढ़ाने के लिए और रेलवे लाइन में संशोधन करने के लिए, फाइंस और लंप साइडिंग पर फुल रैक (एक स्ट्रैच में) लोडिंग के लिए ओवर हैड इलैक्ट्रिकल वर्क तथा सिग्नलिंग और टैली कम्यूनिकेशन	124.88	60.00	60.00	--	दिससंबर, 09	जून, 10	31.29	43.32	--	मै0 टेकप्रो द्वारा डिजायन इंजीनियरी तथा फैब्रिकेशन कार्य की मंद प्रगति। स्थल फैब्रिकेशन कार्य तथा डिजायन इंजीनियरी को शीघ्र करने के लिए मै0 टेक्प्रो से अनुरोध किया गया है।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
2.	राष्ट्रीय इस्पात निगम लि0 (आर आई एन एल)											
(i)	कोक ओवन बैटरी सं. 4, चरण-I	कोक की जरूरतों एवं शेष गैस को पूरा करने के लिए, अन्य तीन कोक ओवन बैटरियों की बड़े पैमाने पर मरम्मत के दौरान भी तप्त धातु व द्रव इस्पात के उत्पादन को इस स्तर पर बनाए रखने हेतु एक प्रतिस्थापन बैटरी की आवश्यकता होगी ।	380.00	10.00	10.00	0.75 एम टी कोक का उत्पादन करना	दिसंबर, 06 जो भारत सरकार की मंजूरी से 36 माह है (दिसंबर, 03)	अप्रैल, 09	11.39	317.29	रिप्लेसमेंट बैटरी के रूप में सी ओ बी-4 का उपयोग करना	बैटरी-4 चालू कर दी गई और नियमित रूप से प्रचालनरत है।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पदन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर, 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	कोक ओवन बैटरी सं. 4, चरण-II	गैस का पूर्ण उपयोग करना तथा कोल हैंडलिंग में अतिरिक्ति उप-उत्पाद सुविधाएं प्रदान करके उप-उत्पादों के बेहतर उपयोग में वृद्धि करना और कोल हैडलिंग में तुलन सुविधायें।	312.00	35.00	35.00	उप-उत्पादों की प्राप्ति में वृद्धि	बीओडी के अनुमोदन के अनुसार दिसंबर, 08 तक चालू की जानी थी।	जून, 10	15.90	31.18	उप-उत्पादों की प्राप्ति में वृद्धि	कोयला पक्ष: सभी 10 पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं और कार्य प्रगति पर है। कंक्रीटिंग- 43%, स्ट्रक्चरल्स की फेब्रिकेशन- 70% तथा स्ट्रक्चरों का उत्थापन-15% हो गया है। उपोत्पाद पक्ष: 18 पैकेजों में से 17 पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं और कार्य प्रगति पर है। कंक्रीटिंग-32%, स्ट्रक्चर्स की फैब्रिकेशन-48%, स्ट्रक्चर्स का उत्थापन-12% तथा उपस्कर उत्थापन-9% हो गया है। शेष एक पैकेज अर्थात बेंजोल रिकवरी तथा डिस्टिलेशन प्लांट शेष है। 3 एनवेलोप खोले गए और मूल्य के संबंध में बातचीत की जा रही है।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iii)	द्रव इस्पात क्षमता का 6.3 एमटीपीए तक विस्तार।	संयंत्र की क्षमता में वृद्धि।	12228.00	1800.00	1800.00	द्रव इस्पात के उत्पादन क्षमता बढ़कर वर्तमान स्तर 3.0 एमटीपीए क्षमता से 6.3 एमटीपीए ।	भारत सरकार के अनुमोदन, जो अक्टूबर 05 में प्राप्त हुआ था, से 36/48 माह के भीतर चरणों में	चरण-1 मार्च-दिसंबर, 2010 चरण-2 जनवरी से दिसबर, 11	1350.30	5393. 61	द्रव इस्पात के उत्पादन क्षमता बढ़कर वर्तमान स्तर 3.0 एमटीपीए क्षमता से 6.3 एमटीपीए ।	(1) विस्तार कार्यक्रम के तहत सभी प्रमुख पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं। सिविल, स्ट्रक्चरल, उपस्कर सप्लाई और उत्थापन सहित स्थल पर विभिन्न पैकेजों का कार्यान्वयन पहले ही शुरू किया जा चुका है और विभिन्न चरणों में है। विस्तार की संविदागत अनुसूची स्टेज-1 जिसमें नई धमन भट्ठी की स्थापना, नई एसएमएस, संबद्ध यूनिटों सहित फिनिशिंग मिलें शामिल हैं, के अनुसार मार्च, 2010 तक प्रगामी रूप से पूरी की जा रही हैं। उत्थापन कार्य को अनुसूची के अनुसार पूरा करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं ताकि मार्च-सितम्बर, 2010 के दौरान यूनिटों को चालू और स्थिर किया जा सके। (2) स्टेज-II विस्तार के तहत दो अतिरिक्त फिनिशिंग मिलें जून, 2011 से दिसम्बर, 2011 तक प्रगामी रूप से पूरी जानी है तथा कार्यान्वयनाधीन है (एसबीएम-जनवरी-जुलाई 2011 तथा एसएम दिसम्बर, 2011 तक)

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iv)	एयर सैपरेशन प्लांट	कंबाइंड ब्लोइंग प्रोसेस हेतु ऑर्गन की कमी पूरी करने के लिए अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना । उत्पादित ऑक्सीजन बीएफ में प्रयुक्त की जाती है ।	315.00	50.00	50.00	600-600 टन की 2 क्षमताएं जिनकी अनुमानित लागत 162 करोड़ रू0 प्रत्येक है।	निदेशक मंडल के अनुमोदन के अनुसार सितंबर, 07 तक चालू किया जाना था।	एएस-4 जून 10 में और एएस-5 दिसम्बर 10 में	45.06	48.67	इससे एस एम एस में लिक्विड स्टील का उत्पादन और बी एफ में हॉट मेटल का उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी.	(1) एएसयू-4: आधारभूत इंजीनियरी और विस्तृत इंजीनियरी पूरी हो गई है। पाइलिंग कार्य पूरा हो गया है। कंक्रीटिंग-71%, स्ट्रक्चरल फैब्रीकेशन- 55%, स्ट्रक्चरल उत्थापन-53% तथा उपस्कर स्थापना-53% पूरी हो गई है। शेष कार्य संविदागत अनुसूची के अनुसार प्रगति पर है। (2) एएसयू-5: पाइलिंग कार्य पूरा होने वाला है। स्थल पर सिविल कार्य अनुसूची के अनुसार शुरू हो गया है। 90% डिजायन और इंजीनियरी पूरी कर ली गई है। उपस्करों का विनिर्माण शुरू हो गया है।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(v)	बी एफ-I और II के लिए पुल्वेराईज्ड कोल इंजेक्शन सिस्टम	कम महंगे पल्वेराईज्ड कोल की तुलना में महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम ।	133.00	50.00	50.00	तप्त धातु की वर्तमान क्षमता बढ़ी है तथा तप्त धातु की उत्पादन लागत कम हुई है ।.	निदेशक मंडल के अनुमोदन के अनुसार अक्तूबर, 07 तक चालू किया जाना था।	अगस्त, 10	35.73	36.47	--	कंसोर्टियम के रूप में मै0 सीईआरआई चीन तथा मै0 सिम्पलैक्स इंडिया को दिनांक 21.11.2007 को आर्डर दिया गया था। आयातित उपस्कर फरवरी 2010 के अंत तक स्थल पर पहुंचने की सभावना है। लगभग 57% सिविल कार्य पूरा हो गया है, उपस्करों की 50% सप्लाई स्थल पर प्राप्त हो गई है, 23% उत्थापन पूरा हो गया है।
vi)	लौह अयस्क खान तथा कोककर कोयला खानों का अधिग्रहण	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	600.00	20.00	10.00	आरआईएनएल /वीएसपी के पास कोककर कोयला/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और परिव्यय खानों के अधिग्रहण के लिए शामिल हैं।	--	--	--	0.25	--	लौह अयस्क खानों के आबंटन के लिए राज्य सरकारों के साथ कार्रवाई की जा रही है तथा विदेशों में लौह अयस्क खानें अधिग्रहित करने की सभांवनाओं का पता लगाया जा रहा है। आरआईएनएल को दो कोककर कोयला खानें आबंटित की गई हैं। किफायती माईनिंग के लिए उपयुक्त खनन प्रौद्योगिकी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(vii)	लौह अयस्क भंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	480.84	50.00	15.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ेगी।	सितंबर, 09	दिसंबर, 11	4.04	4.04	--	पाईलिंग स्थल को समतल करने, स्ट्रक्चरल कार्य और संबद्ध उपस्करों सहित कन्वेयर के लिए आर्डर दे दिए गए हैं। शेष पैकेजों के लिए निविदा देने की कार्रवाई जारी है। उत्खनन कार्य भी प्रगति पर है तथा 62% पूरा हो गया है तथा पाईलिंग कार्य शुरू कर दिया गया है और यह 18% पूरा हो गया है।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य / प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
viii)	अनुषंगी सुविधाओं सहित 330 टीपीएच (छठा) बॉयलर	स्टीम आवश्यकता को बढ़ाना।	350.00	50.00	50.00	विस्तार इकाईयों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रोसेस स्टीम बढेंगे।	दिसंबर, 09	अगस्त, 10	33.47	84.40	विस्तार हेतु आवश्यकताओं को पूरा करने तथा विद्युत उत्पादन में सहायता को बढ़ावा देना।	दिसम्बर 2009 की समापन अनुसूची सहित 26.9.2007 को मै0 भेल इंडिया को आर्डर दे दिए गए हैं। डिजायन तथा इंजीनियरी और उपस्करों की सप्लाई में मै0 भेल द्वारा विलंब हुआ है। यह मामला वीएसपी तथा इस्पात मंत्रालय द्वारा समय समय पर भेल तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के साथ उठाया गया है। भेल द्वारा की गई प्रतिबद्धता के अनुसार अब कार्रवाई में प्रगति हो रही है तथा इसके अगस्त 2010 तक तैयार हो जाने की संभावना है। कंक्रीटिंग 90%, स्ट्रक्चरल फैब्रिकेशन 86%, स्ट्रक्चरल उत्थापन 3%, उपस्करों की सप्लाई 74% तथा उपस्कर उत्थापन 19% पूरा हो गया है।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ix)	67.5 मेगावाट का टीजी-5 पावर इवेक्यूएशन सिस्टम	अतिरिक्त विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करना।	358.00	50.00	50.00	विस्तार इकाइयों की विद्युत आवश्यकता का आंशिक रूप से उत्पादन करना।	दिसंबर, 09	जनवरी, 11	62.99	114.32	विद्युत आवश्यकताओं को निरंतर पूरा करना	कंक्रीटिंग 81%, स्ट्रक्चरल फैब्रिकेशन 97.5%, स्ट्रक्चरल उत्थापन 53%, उपस्करों की सप्लाई 80% पूरा हो गया है।.
(x)	एपी ट्रांसको के 220 केवी सिस्टम को सुदृढ़ करना।	400 एमवीए की विद्युत की ट्रांसमिशन के लिए एपी पॉवर ग्रिड को सुदृढ़ करना।	86.00	50.00	7.88	विस्तार होने पर आरआईएनए ल के लिए 400 केवीए की संविदागत मांग प्राप्त करने में सक्षम होगा।	सितंबर, 12	सितंबर, 11	0.00	14.78	--	स्थल कार्यकलाप शुरू हो गए हैं और अनुसूची के अनुसार प्रगति पर हैं। स्ट्रक्चरल फैब्रिकेशन का कार्य प्रगति पर है।
(xi)	400 एमवीए पावर प्राप्त करने के लिए 220 केवीए के पॉवर सिस्टम का संवर्धन।	विस्तार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने में सक्षम बनने हेतु सब-स्टेशनों जैसे वीएसपी के इंटरनेल सिस्टमों को सुदृढ़ करना।	58.10	65.00	--	वीएसपी में 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने हेतु संवर्धन।	जनवरी, 11	फरवरी, 11	--	--	--	निविदा प्रक्रिया जारी है। प्रौद्योगिकी वाणिज्यिक बोली खोली गई है और कार्रवाई चल रही है।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(xii)	बीएफ-I कैटेगरी-I मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3850 घन मीटर करना।	880.00	50.00	--	तप्त धातु का उत्पादन 0.5 मिलियन टन बढ़ाकर 2 मिलियन टन से 2.5 मिलियन टन करना।	एलओआई की तारीख से 21 माह। एलओआई मार्च 2010 तक दिये जाने की संभावना है।	एलओआई की तारीख से 21 माह। एलओआई मार्च 2010 तक दिये जाने की संभावना है।	--	--	--	पहली बार निविदा में कम प्रत्युत्तर (केवल 2 पार्टियों से दरे प्राप्त हुई)। पुन: निविदा मांगी गई हैं। 5 पार्टियों ने उत्तर दिया हे और तकनीकी विचार विमर्श चल रहा है।
(xiii)	सिंटर प्लांट उत्पादकता में वृद्धि	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	497.00	20.00	--	सिंटर का उत्पादन 5.5 एमटी से बढ़ाकर 6.8 एमटी करना।	11 मार्च, तक	11 मार्च, तक	--	--	--	परियोजना को अंतिम रूप देने में विलंब। बीओडी मंजूरी प्राप्त कर ली गई है तथा परामर्शदाता की नियुक्ति की जानी है।
(xiv)	एसएमएस कंवर्टर की मरम्मत	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। इससे यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	180.00	20.00	--	कनवर्टरों को बदलने के लिए टैक्नोलॉजिकल आवश्यकता।	एक कनवर्टर मार्च, 2011 अन्य दो मार्च, 2012	एक कनवर्टर मार्च, 2011 अन्य दो मार्च, 2012	--	--	--	पहली बार निविदा में शून्य प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ (केवल 3 पार्टियों से उत्तर प्राप्त हुआ) और तकनीकी विचार विमर्श चल रहा है।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
3.	**केआईओसीएल लिमिटेड**											
(i)	मंगलौर में स्थाई रेलवे साइडिंग का विकास	मैग्नेटाईट लौह अयस्क सांद्रण देश में उपलब्ध नहीं होगा और पैलेट संयंत्र के प्रचालन के लिए कच्चे माल के रूप में बेल्लारी/हॉस्पेट के उच्च ग्रेड के हैमेटाईट लौह अयस्क का प्रयोग करना दीर्घकाल के लिए एक वैकल्पिक स्रोत माना जाता है। अधिकांश कच्चे माल की ढुलाई रेल द्वारा की जानी है इसलिए मंगलौर में एक स्थायी रेलवे साइडिंग विकसित करने का प्रस्ताव है।	55.00	5.00	--	मंगलौर में 4 एमटीपीवाई लौह अयस्क की प्राप्ति को हैंडल करना।	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नई समय-सीमा बाद में निर्धारित की जाएगी।	--	--	कॉलम 9 देखें	भूमि संबंधी विवाद सुलझा लिया गया है और अतिरिक्त भूमि के लिए भुगतान निर्मुक्त कर दिया गया है। पंजीकरण तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। केआरसीएल से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। क्षेत्र के रिएलाईनमेंट के कारण अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है जिसके लिए कार्रवाई की जा रही है। उसके पश्चात प्रस्ताव मंजूरी हेतु बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	रेल द्वारा लौह अयस्क की प्राप्ति के लिए भारी माल संभाल की सुविधाओं का निर्माण	चूंकि अधिकांश कच्चे माल का परिवहन रेल के जरिए किया जाता है। केआईओसीएल को अपने पैलेट प्लांट तथा ब्लास्ट फर्नेस यूनिट के लिए लौह अयस्क का प्रेषण प्राप्त करने के लिए भारी माल संभाल सुविधाओं का निर्माण करने का प्रस्ताव है।	60.00	5.00	--	पैलेटों के उत्पादन के लिए 4 एमटीपीवाई लौह अयस्क की सप्लाई	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नई समय-सीमा बाद में निर्धारित की जाएगी।	--	--	कॉलम 9 देखें	भूमि संबंधी विवाद सुलझा लिया गया है और अतिरिक्त भूमि के लिए भुगतान निर्मुक्त कर दिया गया है। पंजीकरण तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। केआरसीएल से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। क्षेत्र के रिएलाईनमेंट के कारण अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है जिसके लिए कार्रवाई की जा रही है। उसके पश्चात प्रस्ताव मंजूरी हेतु बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iii)	डक्टाईल आयरन स्पन पाईप	मूल्यवर्धित उत्पाद अर्थात डक्टाइल आयरन स्पन पाईप का उत्पादन करने के लिए संयंत्र स्थापित करना1	325.00	30.00	--	1,00,000 टन प्रति वर्ष डीआईएसपी का उत्पादन	जनवरी, 11	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नई समय-सीमा बाद में निर्धारित की जाएगी।	--	--	कॉलम 9 देखें	(1) कंपनी ने एक नई वैश्विक निविदा जारी की है। तीन बोलियों में से केवल दो बोलियां तकनीकी-व्यवसायिक रूप से स्वीकार करने योग्य थी। दोनों बोलियों की कीमत खोली गई तथा प्रस्ताव को बोर्ड के समक्ष विचार हेतु रखा गया है। तथापि बोर्ड ने ब्लास्ट फर्नेस यूनिट के मामले में फोरवर्ड तथा बेकवर्ड इंटीग्रेशन के लिए कए संयुक्त उद्यम के जरिए आगे बढ़ने की सलाह दी है। इसके अतिरिक्त, कंपनी इस दिशा में आगे बढ़ रही है।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iv)	कुद्रेमुख में इको-टयूरिज्म विकास	कुद्रेमुख इको-टयूरिज्म सुविधाएं विकसित करने का उद्देश्य समुदाय आधारित एवं वाणिज्यिक अभिकेन्द्रित इको टूरिस्ट परियोजना विकसित करना है।	95.00	10.00	--	इको टूरिज्म का विकास	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नई समय-सीमा बाद में निर्धारित की जाएगी।	--	--	कॉलम 9 देखें	माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने दिनांक 31.12.05 से कुद्रेमुख में खनन कार्य रोक दिया है। कंपनी के पास आवासीय घरों, अस्पताल, गेस्ट हाऊस आदि के रूप में कुद्रेमुख में पहले ही स्थापित बुनियादी सुविधा है और यह ईको टूरिज्म में उद्यम शुरू करने की योजना बना रही है। इस संबंध में वाईल्ड वेंचर्स प्रा. लि. ने एक अध्ययन किया था तथा इन्होंने राज्य सरकार के साथ मिलकर एक संयुक्त उद्यम की सिफारिश की है। इससे कंपनी कुद्रेमुख में अपना पट्टा जारी रख सकेगी। तथापि, कंपनी वैदर्ड ओर की प्रोसेसिंग के लिए अनुमति प्राप्त करने में प्रक्रियारत है इसलिए इस परियोजना पर कार्य रोका गया है।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(v)	कोक ओवन प्लांट	एक कोक ओवन संयंत्र की स्थापना करना। इससे कम मूल्य पर कोक की उपलब्धता में सुधार होगा।	100.00	10.00	--	कच्चा माल लागत में कमी करना।	--	आवश्यक मंजूरियाँ प्राप्त करने से 24 माह।	--	--	कॉलम 9 देखें	धमन भट्टी में प्रयोग किए जा रहे कोक की अधिक लागत को ध्यान में रखते हुए कंपनी का लक्ष्य मंगलौर में संयुक्त उद्यम साझेदार के माध्यम से कोक ओवन संयंत्र स्थापित करने का है। इससे कच्चे माल की लागत में काफी कमी आएगी।
4.	**एनएमडीसी लिमिटेड**											
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	607.18	200.00	90.00	7 एमटीपीए क्षमता	अक्तूबर, 09	सितंबर, 10	46.88	204.73	--	कार्य प्रगति पर है। संयंत्र उपस्करों के लिए आबंटित 320.18 करोड़ रूपए में से दिसम्बर 09 तक 204.73 करोड़ रू0 का संचयी व्यय हुआ। खनन उपक्रम पृथक रूप से खरीदे जा रहे हैं। सितंबर, 10 तक चालू किए जाने का कार्यक्रम है।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	296.03	15.00	10.00	3 एम टीपीए क्षमता का चरण-1	दिसंबर, 09	कॉलम 13 देखें	0.19	4.18	--	सभी सांविधिक मंजूरियां प्राप्त हो गई हैं। संपूर्ण परियोजना को 6 पैकेजों में विभाजित किया गया है। मै0 मेकॉन को इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेन्ट कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट (ईपीसीएम) परामर्शदाता नियुक्त किया गया है। पैकेज 1 के लिए निविदा हेतु - दो ऑफर प्राप्त हुई हैं जिनके संबंध में आगे कार्रवाई की जा रही है। पैकेज-2 की निविदा दी गई है। पैकेज-3 के कार्य के संबंध में पुन: निविदा देने का निर्णय लिया गया है। पैकेज-1 के लिए आर्डर देने के पश्चात इस पैकेज के लिए निविदा जारी की जाएगी। यह अंतिम चरण में पहुंच गया है। पैकेज-5 के कार्यों को 3 उप-पैकेजों में बांटा गया है। क) पैकेज-5 ए (जल आपूर्ति सहित सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य)। ख) पैकेज-5 ख (क्रेन की सप्लाई एवं उत्थापन) ग) पैकेज-5 ग (शॉप इलेक्ट्रिक्स और एरिया लाईटिंग)। 11 बी के अनुरूपी पैकेज के अनुमोदन के पश्चात मेकॉन द्वारा निविदा दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगें।

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
5.	मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल)											
(i)	फैरो मैंगनीज/सिलि का मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	सेल के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में इस परियोजना को भिलाई में स्थापित किया जाएगा।	391.00	50.00	12.00	सेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना 31000 एमटी फैरो मैंगनीज तथा 75000 एमटी सिलिको मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	परियोजना 2008-09 में शुरू की जाएगी।	परियोजना 2009-10 में शुरू की जाएगी।	0.10	0.10	--	यह परियोजना संयुक्त उद्यम द्वारा शुरू की जाएगी जिसमें मॉयल और सेल प्रत्येक के 50% शेयर होंगे और परियोजना का कार्यान्वयन संयुक्त उद्यम द्वारा किया जाएगा।.
6.	हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड											
(i)	वीआरएस के लिए आवधिक ऋण पर ब्याज इमदाद	वीआरएस के जरिए जनशक्ति को युक्तिसंगत बनाना।	--	55.48	49.39	जनशक्ति को कम करके 1021 करना।		2009-10 के अंत तक	35.13	35.13	कर्मचारियों की संख्या, 1/1/2010 की स्थिति के अनुसार 1089 तक कम हो गई है।	--

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2009-10		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित उत्पादन	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 09 के लिए	दिसंबर 09 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
ख.	**इस्पात मंत्रालय की योजना**											
(i)	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी में सुधार करने के लिए योजना।	पर्यावरण के अनुकूल उपायों से गुणवत्ता वाले इस्पात का लागत प्रभावी उत्पादन हेतु इनोवेटिव/पाथ ब्रेकिंग एवं उपयुक्त प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए आर एंड डी सुविधाओं में सुधार तथा इन्हें तीव्र करना।	118.00	26.00	13.00	कॉलम 3 देखें	09-10	--	--	--	--	व्यय वित्त समिति ने 3 प्रमुख क्षेत्र अभिज्ञात किए हैं जिनके तहत इस योजना को बढ़ावा दिया जाएगा। विशेषज्ञों के एक पैनल के परामर्श से परियोजना अनुमोदन एवं प्रबोधन समिति के विचार हेतु 7 अनुसंधान एवं विकास प्रस्ताव छांटे गए हैं। पीएएमसी की बैठक शीघ्र आयोजित की जाएगी जिसमें परियोजनाओं को पृथक-पृथक रूप से अनुदान देने के संबंध में निर्णय लिए जाने की संभावना है।

****

अध्याय - V

वित्तीय समीक्षा

वर्ष 2010-2011 के लिए मांग संख्या 91 बजट सत्र के दौरान इस्पात मंत्रालय की ओर से संसद में प्रस्तुत की जाएगी। इस मांग में मंत्रालय और इसके संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों के गैर-योजना व्यय तथा इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के योजना एवं गैर-योजना व्यय के लिए प्रावधान शामिल हैं।

1. वर्ष 2010-2011 के लिए निधि की कुल आवश्यकता

वर्ष 2009-2010 के बजट अनुमान और संशोधित अनुमान सहित बजट अनुमान 2010-2011 के लिए मांग संख्या-91 में शामिल कुल वित्तीय आवश्यकताओं का सार निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

वर्ष 2010-2011 के लिए मांग सं. 91	बजट अनुमान 2009-2010			संशोधित अनुमान 2009-2010			बजट अनुमान 2010-2011		
	योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर - योजना	योग
राजस्व खंड	26.00	89.01	**115.01**	13.00	811.19	**824.19**	35.00	78.92	**113.92**
पूंजी खंड	8.00	0.00	**8.00**	3.01	0.00	**3.01**	1.00	0.00	**1.00**
योग (सकल)	**34.00**	**89.01***	**123.01**	**16.01**	**811.19@**	**827.20**	**36.00**	**78.92#**	**114.92**

* गारंटी फीस को माफ करने से संबंधित लेखा समायोजनों के लिए 7.65 करोड़ रू0 के प्रावधान शामिल हैं।

@ गारंटी फीस (7.65 करोड़ रू0) माफ करने, ऋणों को बट्टे खाते डालने (8.06 करोड़ रू0) और ब्याज को माफ करने से संबंधित लेखा समायोजनों के लिए 736.34 करोड़ रू0 का प्रावधान शामिल है।

गारंटी फीस को माफ करने से संबंधित लेखा समायोजनों के लिए 7.30 करोड़ रू0 का प्रावधान शामिल है।

2. गैर योजना व्यय

इस्पात मंत्रालय के 2009-10 (बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान) तथा बजट अनुमान 2010-11 में सचिवालय, विकास आयुक्त, लोहा एवं इस्पात (डी सी आई एंड एस), कोलकाता तथा इस मंत्रालय के तहत सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों सहित, के गैर-योजना व्यय का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

सं.	मुख्य शीर्ष एवं व्यय की मदें	बजट अनुमान 2009-10	संशोधित अनुमान 2009-10	बजट अनुमान 2009-10 की तुलना में संशोधित अनुमान में % बढ़ोतरी	बजट अनुमान 2010-11	बजट अनुमान 2009-10 की तुलना में % बढ़ोतरी
I.	मुख्य शीर्ष - 3451					
1.	**सचिवालय - आर्थिक सेवाएं**	19.71	19.18	-2.69%	18.05	-8.42%
II.	मुख्य शीर्ष - 2852					
2.	**विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात, कोलकाता**	0.81	0.90	11.11%	0.70	-13.58%
3.	**प्रतिष्ठित धातुकर्मियों को पुरस्कार**	0.12	0.14	16.67%	0.14	16.67%
4.	**ब्याज इमदाद:**					
(i)	**वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान हेतु हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि. को इमदाद**	55.48	49.39	-10.98%	48.69	-12.24%
(ii)	**वीआरएस के कार्यान्वसन के लिए के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान हेतु मेकॉन लि. को इमदाद**	5.24	5.24	0.00%	4.04	-22.90%
5.	**गारंटी शुल्क माफ करना (गैर-नकद संव्यवहार)**					
(i)	**एचएससीएल - नकद साख (सी सी) सीमा, बैंक गारंटी (बीजी) और वीआरएस ऋणों के लिए सरकारी गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क माफ करना।**	6.10	6.10	0.00%	6.10	0.00%
(ii)	**मेकॉन लिमिटेड - वीआरएस ऋणों/बॉडों के लिए सरकारी गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क माफ करना।**	1.55	1.55	0.00%	1.20	-22.58%
	धटाएं- निवल प्राप्तियां [5(i) से (ii)]	-7.65	-7.65	-	-7.30	-
6.	ऋण को समाप्त किया जाना:					
(i)	बर्ड ग्रुप कंपनियां	0.00	8.06	8.06%	0.00	0.00%
	धटाएं- निवल प्राप्तियां [6(i)]	0.00	-8.06	-	0.00	-
7.	ब्याज को माफ करना:					
(i)	बर्ड ग्रुप कंपनियां	0.00	720.63	720.63%	0.00	0.00%
	धटाएं- निवल प्राप्तियां [7(i)]	0.00	-720.63	-	0.00	-
	योग: गैर-योजना व्यय (प्राप्तियों का निवल)	**81.36**	**74.85**	**-8.00%**	**71.62**	**-11.97%**
	योग: गैर-योजना व्यय (सकल)	**89.01**	**811.19**	**-811.34%**	**78.92**	**-11.33%**

वित्त मंत्रालय की सलाह के अनुसार जिन मामलों में नकद लेन-देन नहीं हुआ है उनमें प्रावधान निवल होंगे।

संशोधित अनुमान 2009-10 में मंत्रालय का गैर-योजना प्रावधान बजट अनुमान 2009-10 के गैर-योजना प्रावधान से निम्नलिखित के लिए 2009-10 की अनुपूरक अनुदान मांगों के प्रथम बैच में प्राप्त किए गए अतिरिक्त प्रावधान के कारण अधिक है:-

(i) 8.06 करोड़ रू0 के ऋणों को बट्टे खाते डालना

बर्ड समूह की कंपनियों की मंजूर वित्तीय पुनर्संरचना के अनुसार लेखा समायोजन अर्थात ऋण को बट्टे खाते डालने (केडीसीएल के संबंध में 0.70 करोड़ रू0 का योजना ऋण और 0.85 करोड़ रू0 का गैर-योजना ऋण + के डी सी एल की सहायक कंपनी एसएसएल के संबंध में 0.91 करोड़ रू0 का योजना ऋण और 5.60 करोड़ रू0 का गैर योजना ऋण) के लिए 8.06 करोड़ रू0 का प्रावधान प्राप्त किया गया था, तथा

(ii) <u>720.63 करोड़ रू0 के बकाया ब्याज को माफ करना</u>

बर्ड समूह की कंपनियों की अनुमोदित वित्तीय पुनर्संरचना के अनुसार लेखा समायोजन के रूप में 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार सरकारी ऋण पर प्रोदभूत बकाया ब्याज (बीएसएलसी के संबंध में 624.20 करोड़ रू0, केडीसीएल के संबंध में 15.46 करोड़ रू और एसएसएल के संबंध में 80.97 करोड़ रू0) को माफ करने के लिए 720.63 करोड़ रू0 का प्रावधान प्राप्त किया गया था।

2009-10 के बजट अनुमान (गैर-योजना) में 89.01 करोड़ रू0 की तुलना में 2010-11 के बजट अनुमान में गैर योजना 78.92 करोड़ है। इसलिए 2009-10 के बजट अनुमान की तुलना में 2010-11 के बजट अनुमान में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

3. योजना व्यय

मंत्रालय के बजट में रखा गया योजना बजट प्रावधान निम्नलिखित के लिए है:

(i) इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के वित्तीय रूप से कमजोर और घाटे में चल रहे कुछ उपक्रमों को उनकी एएमआर तथा अन्य पूंजीगत योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बजटीय सहायता उपलब्ध करवाना; और

(ii) मंत्रालय द्वारा 11वीं योजना (2007-12) के दौरान लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए कार्यान्वित की जाने वाली नई योजनाओं का निधियन।

11वीं पंचवर्षीय योजना के लिए इस्पात उद्योग से संबंधित कार्य दल की सिफारिशों के अनुरूप 118.00 करोड़ रू0 के परिव्यय के साथ आयरन एवं स्टील क्षेत्र में आर एण्ड डी की एक प्रोत्साहन स्कीम को शामिल किया गया था। स्कीम का उद्देश्य भारतीय लौह अयस्क चूरे और गैर-कोकिंग कोल का उपयोग करके नई/पाथ ब्रेकिंग प्रौद्योगिकियों के विकास में अनुसंधान एवं विकास कार्यों को बढ़ावा देना और गति प्रदान करना तथा कच्ची सामग्रियों जैसे लौह अयस्क और कोयला आदि के सज्जीकरण तथा प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना तथा एग्लोमेरेशन (अर्थात पैलेटाइजेशन) है। वित्तीय वर्ष 2009-10 (1.4.2009 से) के दौरान कार्यान्वयन हेतु यह स्कीम 23.1.2009 को मंजूर की गई थी।

बजट अनुमान 2009-10 में 34.00 करोड़ रूपए की कुल योजनागत बजटीय सहायता को घटाकर संशोधित अनुमान 2009-10 में 16.01 करोड़ रू0 किया गया जबकि बजट अनुमान 2010-11 में 36.00 करोड़ रूपए की

बजटीय सहायता का प्रावधान किया गया है। योजनागत प्रावधानों का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	संगठन/उपक्रम का नाम	योजना	योजना बजटीय सहायता (बजट अनुमान) 2009-10	योजना बजटीय सहायता (संशोधित अनुमान) 2009-10	योजना बजटीय सहायता (बजट अनुमान) 2010-11	बजट अनुमान 2009-10 की तुलना में बजट अनुमान 2010-11 में % बढ़ोतरी
1.	एचएससीएल	बड़े पैमाने पर मरम्मत कार्य निर्माण उपस्कर एवं मशीनों की अधिप्राप्ति के लिए योजना ऋण	7.00	3.00	1.00*	-85.71%
2.	बर्ड ग्रुप कंपनियां	अभिवृद्धि, सुधार एवं प्रतिस्थापन स्कीमों के लिए योजना ऋण	1.00	0.00	0.00	0.00%
		ऋण को इक्विटी में बदलने के लिए सांकेतिक प्रावधान	0.00	0.01	0.00	0.00%
3.	इस्पात मंत्रालय	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी की प्रोत्साहन स्कीम हेतु अनुदान सहायता	26.00	13.00	35.00	34.62%
योग			**34.00**	**16.01**	**36.00**	**5.88%**

*सरकार के विचाराधीन एचएससीएल की पुनर्संरचना के लिए सांकेतिक प्रावधान

लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने की योजना के लिए 2009-10 के बजट अनुमान की तुलना में 2010-11 के बजट अनुमान में 9.00 करोड़ रू0 की वृद्धि की गई है। सरकार के विचाराधीन एचएससीएल की पुनर्संरचना को ध्यान में रखते हुए 1.00 करोड़ रू0 का सांकेतिक प्रावधान किया गया है।

4. वास्तविक व्यय - 2005-06 से 2009-10 (दिसंबर, 2009 तक)

संबंधित वर्षों के बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान की तुलना में पहले तीन वर्षों के दौरान मंत्रालय के अनुदान के तहत वास्तविक योजना तथा गैर-योजना व्यय (सकल आधार) निम्नानुसार है:-

(करोड़ रूपए)

वर्ष	बजट अनुमान			संशोधित अनुमान			वास्तविक खर्च		
	गैर-योजना	योजना	योग	गैर-योजना	योजना	योग	गैर-योजना	योजना	योग
2009-10	89.01	34.00	**123.01**	811.19[(1)]	16.01	**827.20**	57.69	0.00	**57.69#**
2008-09	85.52	34.00	**119.52**	748.65	26.00	**774.65**	740.82 [(2)]	0.00	**740.82**
2007-08	84.50	66.00	**150.50**	88.05	66.00	**154.05**	81.05	70.00 [(3)]	**154.05**
2006-07	84.50	45.00	**129.50**	137.00	45.00	**182.00**	359.86 [(4)]	45.72 [(5)]	**405.58**
2005-06	74.53	15.00	**89.53**	84.50	15.00	**99.50**	77.15	15.00	**92.15**

दिसंबर, 2009 तक के व्यय

(1) इसमें शामिल हैं (i) एचएससीएल और मेकॉन के संबंध में गारंटी शुल्क माफ किए जाने हेतु 7.65 करोड़ रूपए का लेखा समायोजन (ii) बर्ड ग्रुप की कंपनियों की अनुमोदित वित्तीय पुनर्संरचना के अनुसार इन कंपनियों के संबंध में ऋण (8.06 करोड़ रूपए) को बट्टे खाते डालने और ब्याज (720.63 करोड़ रूपए) और ब्याज को माफ करने के लिए 728.69 करोड़ रूपए का लेखा समायोजन।

(2) इसमें शामिल है (i) 401.50 करोड़ रू0 का लेखा समायोजन अर्थात बी आर एल का सेल के साथ विलय के पश्चात कम्पनी की अनुमोदित पुनर्संरचना के अनुसार बी आर एल के संबंध में गैर योजना ऋणों (175.46 करोड़ रू0) को समाप्त करने तथा इक्विटी (226.04 करोड़ रू0) अपलिखित करने हेतु लेखांकन समायोजन करने के लिए (ii) 260.04 करोड़ रू0 का लेखा समायोजन - एन एम डी सी लि0 द्वारा मई, 2008 में जारी बोनस शेयर के लिए। (चूंकि यह खर्च इतनी ही राशि के पूंजीगत प्राप्तियों के बराबर था इसलिये नकद खर्च नहीं हुआ है)।

(3) इसमें वर्ष 2007-08 के तीसरे और अंतिम पूरक अनुदानों में यथा अनुमोदित बीआरएल में 7.00 करोड़ रूपए का पूंजी निवेश शामिल है।

(4) इसमें शामिल है (i) 70.22 करोड़ रू0 का लेखांकन समायोजन जो कि सेल से देय पेनल गारंटी को माफ करने से संबंधित है और (ii) बकाया आयकर देयताओं के भुगतान के लिए एच एस सी एल को 164.03 करोड़ रू0 की अनुदान सहायता जिसके लिए राशि वर्ष 2006-07 हेतु पूरक अनुदानों के तीसरे व अंतिम बैच में प्राप्त कर ली गई थी।

(5) इसमें सरकारी ऋणों के बकाया ब्याज को इक्विटी में बदलने के लिए 1.72 करोड़ रू0 का प्रावधान शामिल है जिसके लिए राशि वर्ष 2006-07 के पूरक अनुदानों के तीसरे व अंतिम बैच में प्राप्त कर ली गई है।

5. 2010-11 (बजट अनुमान) के लिए वार्षिक योजना परिव्यय

इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के वार्षिक योजना 2010-11 प्रस्तावों तथा योजना आयोग के साथ हुए विचार-विमर्श के आधार पर और 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-2012) को समग्र रूप से ध्यान में रखते हुए योजना आयोग ने इस्पात मंत्रालय के लिए 2010-11 के बजट अनुमान हेतु निम्नलिखित परिव्यय मंजूर किया है:

(करोड़ रूपए)

(क)	सकल बजटीय सहायता	36.00
(ख)	आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधन (आई एंड ईबीआर)	17163.82
	इस्पात मंत्रालय का कुल परिव्यय (क+ख)	**17199.82**

वार्षिक योजना 2009-10 (बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान) तथा वार्षिक योजना 2010-11 (बजट अनुमान) के लिए उपक्रम-वार योजना परिव्यय निम्नानुसार है:

(करोड़ रूपए)

सरकारी क्षेत्र के उपक्रम/संगठन का नाम	बजट अनुमान 2009-10			संशोधित अनुमान 2009-10			बजट अनुमान 2010-11		
	परिव्यय	आईईबीआर	बजटीय सहायता	परिव्यय	आईईबीआर	बजटीय सहायता	परिव्यय	आईईबीआर	बजटीय सहायता
क. उपक्रमों की योजनाएं									
1. सेल	10356.00	10356.00	0.00	10356.00	10356.00	0.00	12254.00	12254.00	0.00
2. आरआईएनएल	2437.00	2437.00	0.00	2224.48	2224.48	0.00	4049.00	4049.00	0.00
3. सिल	0.00	0.00	000	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. एचएससीएल	7.00	0.00	7.00	3.00	0.00	3.00	1.00	0.00	1.00@
5. मेकॉन	2.00	2.00	0.00	5.00	5.00	0.00	2.00	2.00	0.00
6. बीआरएल	8.00	8.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7. एमएसटीसी	5.00	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00
8. एफएसएनएल	11.80	11.80	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00
9. एनएमडीसी लि0	700.00	700.00	0.00	543.00	543.00	0.00	611.00	611.00	0.00
10. केआईओसीएल	85.00	85.00	0.00	10.00	10.00	0.00	75.00	75.00	0.00
11. मॉयल	102.25	102.25	0.00	65.36	65.36	0.00	115.82	115.82	0.00
12. बर्ड ग्रुप	16.61	15.61	1.00	15.62	15.61	0.01#	40.00	40.00	0.00
13. आयरन व स्टील क्षेत्र में आर एण्ड डी प्रोत्साहन स्कीम	26.00	0.00	26.00	13.00	0.00	13.00	35.00	0.00	35.00
योग - क	**13756.66**	**13722.66**	**34.00**	**13252.46**	**13236.45**	**16.01**	**17199.82**	**17163.82**	**36.00**
ख. केन्द्र द्वारा प्रायोजित स्कीमें (सी एस एस)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
योग - ख	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
कुल योग - क+ ख	**13756.66**	**13722.66**	**34.00**	**13252.46**	**13236.45**	**16.01**	**17199.82**	**17163.82**	**36.00**

* सिल और बीआरएल का क्रमशः एनएमडीसी लिमिटेड और सेल के साथ विलय होने के कारण उनके लिए कोई योजना परिव्यय प्रक्षेपित नहीं किया गया है।

@ सरकार के विचाराधीन एचएससीएल की पुनर्संरचना के लिए सांकेतिक प्रावधान #ऋण को इक्विटी में परिवर्तित करने के लिए सांकेतिक प्रावधान।

^ सरकारी प्रबंधन वाली एक कंपनी

नोट :- इस्पात मंत्रालय को सिक्किम सहित उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए अपने बजट का 10 प्रतिशत चिन्हित करने की व्यवस्था से मुक्त कर दिया गया है।

सरकारी क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों की स्कीमों के लिए 2010-11 के बजट अनुमान में परिव्यय पर किए गए प्रावधान का पीएसयू वार संक्षिप्त ब्यौरा निम्नानुसार है:-

1. वार्षिक योजना 2010-2011 (बजट अनुमान) में कुल **17199.82 करोड़ रू0** के परिव्यय में से **12254.00 करोड़ रू0** की धनराशि का प्रावधान **स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)** के लिए किया गया है और इसकी व्यवस्था सेल के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ई बी आर) से की जाएगी। सेल की विभिन्न योजनाओं के लिए उपलब्ध करवाये गये परिव्यय का विस्तृत ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(i) **भिलाई इस्पात संयंत्र** के लिए 4039.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। कुल परिव्यय का मुख्य भाग (3258 करोड़ रूपए) संयंत्र के आधुनिकीकरण एवं विस्तार के लिए है। शेष परिव्यय में कोक ओवन बैटरी सं0 6 का पुनर्निर्माण, 700 टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र माईनिंग राइट/रेलवे ट्रैक रावघाट तथा चल रही योजनाओं एवं नई स्कीमों के लिए है।

(ii) **दुर्गापुर इस्पात संयंत्र** के लिए 300.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें से 180 करोड़ रू0 संयंत्र विस्तार के लिए रखे गये हैं। परिव्यय के तहत अन्य स्कीमों में ईआरपी का कार्यान्वयन संबद्ध सुविधाओं सहित ब्लूम कास्टर और बीएफ 3 और 4 में कोल डस्ट इंजेक्शन और श्रीनगर तथा कांगड़ा में स्टील प्रोसेसिंग यूनिट से संबंधित खर्च शामिल है।

(iii) **राउरकेला इस्पात संयंत्र** के लिए 2000.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। परिव्यय के तहत मुख्य स्कीम में आर एस पी का विस्तार (1645 करोड़ रू0 हैं) शामिल है। अन्य स्कीमें हैं -सीओबी 4 का पुनर्निर्माण, 700 टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र तथा कोक ओवन गैस होल्डर की स्थापना एस एम एस-2 के बी ओ एफ कनवर्टर का समकालिक ब्लोईंग तथा अन्य चल रही और नई स्कीमें

(iv) **बोकारो इस्पात संयंत्र** के लिए 1650 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। जो कि बोकारो प्लांट के विस्तार (930 करोड़ रू0), सी ओ बी सं0 1 और 2 का पुनर्निर्माण, टर्बो ब्लोअर स्टेशन में टी बी की स्थापना, बीएफ-2 का उन्नयन और चल रही अन्य तथा नई योजनाओं के लिए है।

(v) **इस्को स्टील प्लांट** के लिए 3600.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें आईएसपी के विस्तार (3432 करोड़ रूपए), सीओबी - 10 (120 करोड़ रूपए) का पुनर्निर्माण और नई योजनाओं तथा चल रही योजनाओं के लिए शेष राशि शामिल है।

(vi) **मिश्र इस्पात संयंत्र** के लिए 30.00 करोड़ रू0 का परिव्यय पूरी हो चुकी योजनाओं तथा 20 करोड़ रूपए से कम लागत की चल रही योजनाओं के लिए है।

(vii) **सेलम इस्पात संयंत्र** के लिए 200 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। परिव्यय का अधिकांश हिस्सा एसएसपी के विस्तार (194 करोड़ रूपए) के लिए है। शेष धनराशि कम लागत की विविध योजनाओं के लिए है।

(viii) शेष 435 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान विभिन्न चल रही परियोजनाओं तथा अनुसंधान कार्य के लिए विश्वैश्वरया आयरन एंड स्टील लि0 (10 करोड़ रू0), सेल की केन्द्रीय इकाईयों (70 करोड़ रू0), कच्चा माल प्रभाग (345 करोड़ रूपए) और महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मैल्ट लि0 (10 करोड़ रू0) के लिए है।

2. **राष्ट्रीय इस्पात निगम लि0** के लिए **4049.00 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। इस परिव्यय का अधिकांश भाग लगभग 2800.00 करोड़ रू0 राष्ट्रीय इस्पात निगम लि0 की द्रव इस्पात उत्पादन क्षमता का 6.3 मिलियन टन तक विस्तार करने के लिए रखा गया है। शेष परिव्यय ए एम आर स्कीमों, कोक ओवन बेटरी सं0 4 (चरण-1 व II), एयर सेपरेशन प्लांट, बी एफ-1 कैटेगरी-1, मरम्मत कार्य, पुलवराईज्ड कोल इंजक्शन, लौह अयस्क खानों और कोककर कोयला खानों का अधिग्रहण, 67.5 मेगावाट टीजी-5 पावर इवेक्यूएशन सिस्टम इत्यादि के लिए है। समस्त परिव्यय की पूर्ति कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से होगी।

3. वर्ष 2010-11 में **स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड** के लिए कोई परिव्यय प्रस्तावित नहीं किया गया है क्योंकि भारत सरकार ने सिल का एन एम डी सी लि0 के साथ विलय को अनुमोदन प्रदान कर दिया है। विलय प्रक्रिया अग्रिम अवस्था में है और इसके शीघ्र पूरी होने की संभावना है।

4. सरकार के विचाराधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम की पुनर्सरचना के लिए सांकेतिक प्रावधान के रूप में **हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड** के लिए **1.00 करोड़ रू0** के योजना बजटीय सहायता के परिव्यय का प्रावधान किया गया है।

5. **भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड** के लिए पृथक रूप से कोई योजना परिव्यय नहीं रखा गया है क्योंकि इसका सेल में विलय हो गया है और इसे सेल रिफ्रैक्ट्री यूनिट (एसआरयू) नाम दिया गया है।

6. **एन एम डी सी लि0** के लिए **611 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसकी पूर्ति कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से होगी। इस योजना परिव्यय का प्रावधान विभिन्न स्कीमों/परियोजनाओं यथा बैलाडिला डिपोजिट -11 बी, कुमारस्वामी आयरन ओर प्रोजेक्ट, छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन का स्टील प्लांट, दौणिमलै और बचेली में पैलेटाइजेशन प्लांट, ए एम आर/टाउनशिप, आर एण्ड डी स्कीमों इत्यादि के लिए किया गया है।

7. **के आई ओ सी एल लिमिटेड** के लिए **75.00 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें 38 करोड़ रू0 ए एम आर स्कीमों के लिए है। परिव्यय के अंतर्गत अन्य स्कीमों में डक्टाईल आयरन स्पन पाईप प्लांट, मंगलौर में रेल द्वारा लोहा प्राप्ति के लिए अवसंरचना का विकास, आर एण्ड डी/व्यवहार्यता अध्ययन, बी एफ में कोल इंजेक्शन सिस्टम इत्यादि शामिल हैं। परिव्यय को कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से पूरा किया जा रहा है।

8. **मैंगनीज ओर इंडिया लि0** के लिए **115.82 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान तथा आरआईएनएल के साथ संयुक्त उद्यम में बोबिली में फैरो मैंगनीज संयंत्र (15 करोड़ रूपये) किया गया है जो फैरो मैंगनीज/सिलिको मैंगनीज प्लांट हेतु सेल के साथ संयुक्त उद्यम में निवेश (40 करोड़ रू0), गुमगाँव खान में नये वर्टिकल शाफ्ट लगाने, ए एम आर स्कीमों, टाउनशिप, आर एंड डी/व्यवहार्यता अध्ययन इत्यादि के लिए है। समस्त परिव्यय की पूर्ति कम्पनी के आई एंड ई बी आर से होगी।

9. **बर्ड ग्रुप कंपनियों** के लिए **40.00 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जो वनीकरण एवं लीज मामले, मिनरल एंड ओर आधारित गवेषण कार्यकलापों तथा ए एम आर स्कीमों के लिए है। समग्र परिव्यय की पूर्ति कम्पनी के आई एंड ई बी आर से होगी।

10. **मेकॉन लि0** के लिए **2.00 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जोकि विभिन्न स्थानों में कार्यालय परिसरों/गेस्ट हाउस के विस्तार, संशोधन, वृद्धि के लिए है। इसकी पूर्ति कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से की जायेगी।

11. **एम एस टी सी लि0** के लिए **5.00 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जोकि नई योजनाएं शुरू करने के लिए है।

12. **फैरो स्क्रैप निगम लि0** के लिए **12.00 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जो कि ए एम आर स्कीमों के लिए है और जिसकी पूर्ति कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से की जायेगी।

13. पर्यावरण प्रेमी ढंग से क्वालिटी के इस्पात का लागत प्रभावी उत्पादन करने के लिए अभिनव/पाथब्रेकिंग तथा उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु आर एंड डी को बढ़ावा और गति प्रदान करने के लिए योजना/तंत्र बनाने हेतु **लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने की योजना** के लिए **35.00 करोड़ रू0** का प्रावधान किया गया है।

6. 11वीं पंचवर्षीय योजना के (2007-12) के 2007-08, 2008-09 तथा 2009-10 (जनवरी, 10 तक) दौरान योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय

क. 2007-08 के दौरान व्यय की तुलना में योजना परिव्यय

वार्षिक योजना 2007-08(बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान) के लिए उपक्रम-वार योजना परिव्यय तथा वास्तविक व्यय नीचे तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

पी एस यू/संगठन का नाम	2007-08 (बजटीय अनुमान)			2007-08(संशोधित अनुमान)			वास्तविक व्यय		
	आई ई बी आर	जी बी एस	योग	आई ई बी आर	जी बी एस	योग	आई ई बी आर	जी बी एस	योग
क. पीएसयू की योजनाएं									
1. सेल	2641.00	0.00	2641.00	2007.00	0.00	2007.00	2181.00	0.00	2181.00
2. आरआईएनएल	3056.70	0.00	3056.70	1861.15	0.00	1861.15	1309.18	0.00	1309.18
3. सिल	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00	5.00	3.32	0.00	3.32
4. एचएससीएल	0.00	1.00	1.00	0.00	1.00	1.00	0.00	0.00	0.00
5. मेकॉन	3.00	63.00	66.00	0.00	63.00	63.00	0.00	63.00	63.00
6. बीआरएल	0.00	1.00	1.00	0.00	1.00	1.00	0.00	7.00	7.00
7. एमएसटीसी	5.00	0.00	5.00	13.60	0.00	13.60	6.54	0.00	6.54
8. एफएसएनएल	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00	13.20	0.00	13.20
9. एनएमडीसी लि0	250.00	0.00	250.00	150.00	0.00	150.00	134.34	0.00	134.34
10 केआईओसीएल	75.00	0.00	75.00	45.00	0.00	45.00	7.25	0.00	7.25
11 मॉयल	65.00	0.00	65.00	140.06	0.00	140.06	90.85	0.00	90.85
12 बर्ड ग्रुप	25.00	0.00	25.00	26.00	0.00	26.00	15.35	0.00	15.35
योग-क	**6137.70**	**65.00**	**6202.70**	**4259.81**	**65.00**	**4324.81**	**3761.03**	**70.00**	**3831.03**
ख. इस्पात मंत्रालय की योजनाएं									
1. लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढावा देने की योजना	0.00	1.00	1.00	0.00	1.00	1.00	0.00	0.00	0.00
योग - ख	**0.00**	**1.00**	**1.00**	**0.00**	**1.00**	**1.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
सकल योग : क+ ख	**6137.70**	**66.00**	**6203.70**	**4259.81**	**66.00**	**4325.81**	**3761.03**	**70.00**	**3831.03**

ख. 2008-09 के दौरान व्यय की तुलना में योजना परिव्यय

वार्षिक योजना 2008-09 (बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान) के लिए उपक्रम-वार योजना परिव्यय तथा वास्तविक व्यय नीचे तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

पी एस यू/संगठन का नाम	बजट अनुमान 2008-09			संशोधित अनुमान 2008-09			वास्तविक व्यय		
	आई ई बी आर	जी बी एस	योग	आई ई बी आर	जी बी एस	योग	आई ई बी आर	जी बी एस	योग
क. पीएसयू की योजनाएं									
1. सेल	4674.00	0.00	4674.00	4674.00	0.00	4674.00	5233.00	0.00	5233.00
2. आरआईएनएल	4166.00	0.00	4166.00	2815.50	0.00	2815.50	2886.02	0.00	2886.02
3. सिल	5.00	0.00	5.00	1.04	0.00	1.04	1.04	0.00	1.04
4. एचएससीएल	0.00	6.50	6.50	0.00	6.50	6.50	0.00	0.00	0.00
5. मेकॉन	0.00	0.00	0.00	16.92	0.00	16.92	0.00	0.00	0.00
6. बीआरएल	0.00	8.00	8.00	8.00	0.00	8.00	3.33	0.00	3.33
7. एमएसटीसी	5.00	0.00	5.00	11.00	0.00	11.00	5.91	0.00	5.91
8. एफएसएनएल	11.80	0.00	11.80	11.80	0.00	11.80	11.06	0.00	11.06
9. एनएमडीसी लि0	400.00	0.00	400.00	400.00	0.00	400.00	335.66	0.00	335.66
10. केआईओसीएल	100.00	0.00	100.00	40.00	0.00	40.00	2.70	0.00	2.70
11. मॉयल	117.20	0.00	117.20	84.90	0.00	84.90	50.27	0.00	50.27
12. बर्ड ग्रुप	30.00	1.00	31.00	2.66	1.00	3.66	0.34	0.00	0.34
योग-क	**9509.00**	**15.50**	**9524.50**	**8065.82**	**7.50**	**8073.32**	**8529.33**	**0.00**	**8529.33**
ख. इस्पात मंत्रालय की योजना									
1. आयरन व स्टील क्षेत्र में आर एण्ड डी प्रोत्साहन स्कीम	0.00	18.50	18.50	0.00	18.50	18.50	0.00	0.00	0.00
योग-ख	**0.00**	**18.50**	**18.50**	**0.00**	**18.50**	**18.50**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
सकल योग क + ख	**9509.00**	**34.00**	**9543.00**	**8065.82**	**26.00**	**8091.82**	**8529.33**	**0.00**	**8529.33**

उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि 2007-08 के दौरान योजना निधियों का उपयोग बजट प्रावधान का 61.75% था जबकि 2008-2009 के दौरान निधियों के उपयोग की प्रतिशतता 89.37% थी।

उल्लेखनीय है कि सिक्किम सहित उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए अपने बजट की 10% राशि निर्धारित करने के लिए इस्पात मंत्रालय को छूट दे दी गई है।

ग. 2009-10 के दौरान व्यय की तुलना में परिव्यय

वार्षिक योजना 2009-10 (बजट अनुमान और संशोधित अनुमान) तथा वास्तविक व्यय (जनवरी 10 तक) के लिए उपक्रमवार योजना परिव्यय नीचे तालिका में दिया गया है:

(करोड़ रूपए)

पी एस यू/संगठन का नाम	बजट अनुमान 2009-10			संशोधित अनुमान 2009-10			वास्तविक व्यय (जनवरी, 10 तक)		
	आई ई बी आर	जी बी एस	योग	आई ई बी आर	जी बी एस	योग	आई ई बी आर	जी बी एस	योग
क. पीएसयू की योजनाएं									
1. सेल	10356.00	0.00	10356.00	10356.00	0.00	10356.00	9014.00	0.00	9014.00
2. आरआईएनएल	2437.00	0.00	2437.00	2224.48	0.00	2224.48	1815.93	0.00	1815.93
3. सिल*	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. एचएससीएल	0.00	7.00	7.00	0.00	3.00	3.00	0.00	0.00	0.00
5. मेकॉन	2.00	0.00	2.00	5.00	0.00	5.00	3.64	0.00	3.64
6. बीआरएल**	8.00	0.00	8.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7. एमएसटीसी	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00	5.00	1.81	0.00	1.81
8. एफएसएनएल	11.80	0.00	11.80	12.00	0.00	12.00	8.19	0.00	8.19
9. एनएमडीसी लि0	700.00	0.00	700.00	543.00	0.00	543.00	256.92	0.00	256.92
10. केआईओसीएल	85.00	0.00	85.00	10.00	0.00	10.00	1.85	0.00	1.85
11. मॉयल	102.25	0.00	102.25	65.36	0.00	65.36	18.93	0.00	18.93
12. बर्ड ग्रुप	15.61	1.00	16.61	15.61	0.01#	15.62	0.84	0.00	0.84
योग-क	**13722.66**	**8.00**	**13730.66**	13236.45	**3.01**	**13239.46**	**11122.11**	**0.00**	**11122.11**
ख. इस्पात मंत्रालय की योजना									
1. आयरन व स्टील क्षेत्र में आर एण्ड डी प्रोत्साहन स्कीम	0.00	26.00	26.00	0.00	13.00	13.00	0.00	0.00	0.00
योग-ख	0.00	26.00	26.00	0.00	13.00	13.00	0.00	0.00	0.00
सकल योग : क + ख	**13722.66**	**34.00**	**13756.66**	13236.45	**16.01**	**13252.46**	**11122.11**	**0.00**	**11122.11**

* सिल के एनएमडीसी में विलय की प्रक्रिया के चलते 2009-10 में सिल के लिए कोई योजना परिव्यय प्रक्षेपित नहीं किया गया है।
** सेल में विलय हो गया है।
# ऋण को साम्या में परिवर्तित करने के लिए सांकेतिक प्रावधान

उपरोक्त तालिका से देखा जा सकता है कि 2009-10 (जनवरी 2010 तक) के दौरान योजना निधि का उपयोग मंजूर बजट अनुमान प्रावधान का 80.85% है।

7. बकाया समुपयोजन प्रमाणपत्रों की स्थिति

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कमजोर वित्तीय स्थिति वाले कुछेक पी एस यू को छोड़कर सरकारी या निजी क्षेत्र में किसी अन्य संगठन अथवा संस्थान को इस मंत्रालय द्वारा कोई बजटीय सहायता/अनुदान सहायता प्रदान नहीं की जाती है। 31.3.2009 की स्थितिनुसार मंत्रालय के नियंत्रणाधीन पी एस यू को प्रदान की गई बजटीय सहायता (योजना एवं गैर योजना) के संबंध में कोई समुपयोजन प्रमाणपत्र लम्बित नहीं हैं।

8. खर्च नहीं किये गये शेष की स्थिति

इस्पात मंत्रालय अपने प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय दृष्टि से कमजोर कुछ उपक्रमों को आवश्यकता के आधार पर बजटीय सहायता उपलब्ध करवाता है। दिनांक 31.12.2009 की स्थिति के अनुसार उपक्रमों के पास खर्च नहीं किए गए शेष की स्थिति निम्नानुसार है:

(करोड़ रूपए)

वर्ष 2008-09 के अंत में अर्थात 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार खर्च नहीं किया गया शेष	वर्ष 2009-10 (अप्रैल, 2009-दिसंबर, 2009) के दौरान जारी की गई धनराशि	वर्ष 2009-10 (अप्रैल, 2009-दिसंबर, 2009) के दौरान उपयोग की गई धनराशि	31.12.2009 की स्थिति के अनुसार खर्च नहीं किया गया शेष
0.00	35.39	35.39	0.00

नोट- उपर्युक्त विवरण में गारंटी शुल्क को माफ करने/बट्टे खाते डालने से संबंधित व्यय को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि यह केवल लेखा समायोजन है और इनसे नकदी बाहर नहीं जाती है।

31.12.2009 की स्थितिनुसार इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन पी एस यू के पास खर्च न की गई राशि का शेष नहीं है।

****

अध्याय-VI

इस्पात मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों का निष्पादन

1. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि0 (सेल)

1.1 स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के समग्र नियंत्रणाधीन निम्नलिखित संयंत्र/इकाइयां हैं:-

(i) भिलाई इस्पात संयंत्र (बी एस पी)

(ii) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डी एस पी)

(iii) राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर एस पी)

(iv) बोकारो इस्पात संयंत्र (बी एस एल)

(v) इस्को इस्पात संयंत्र (आई एस पी)

(vi) मिश्र इस्पात संयंत्र (ए एस पी)

(vii) सेलम इस्पात संयंत्र (एस एस पी)

(viii) विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र (वी आई एस एल)

(ix) कच्चा माल प्रभाग (आर एम डी)

(x) केन्द्रीय विपणन संगठन (सी एम ओ)

(xi) लोहा और इस्पात के लिए अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (आर डी सी आई एस)

(xii) इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र (सी ई टी)

(xiii) निगमित कार्यालय (सी ओ)

इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मैल्ट लिमिटेड (एमईएल) सेल की एक सहायक कंपनी है जिसमें सेल की 99.12 प्रतिशत शेयर पूंजी है। एमईएल का संयंत्र चंद्रपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है और यह कंपनी फैरो मिश्र का उत्पादन करती है।

दिनांक 28.7.2009 को कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 396 के तहत निगमित मामले मंत्रालय द्वारा जारी विलय के आदेश के अनुसरण में भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड (बीआरएल) जो इस्पात मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र का उपक्रम है, का दिनांक 1.4.2007 से स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के साथ विलय कर दिया गया है। सेल के साथ विलय के पश्चात पूर्व बीआरएल का नाम "सेल रिफ्रैक्ट्री यूनिट" किया गया है:

1.2 सेल की प्राधिकृत पूंजी 5000.00 करोड़ रू0 है। 31 मार्च, 2009 की स्थिति के अनुसार प्रदत्त पूंजी 4130.40 करोड़ रू0 है जिसमें से 3544.69 करोड़ रू0 (85.82 प्रतिशत) भारत सरकार के पास है तथा शेष वित्तीय संस्थानों, जी डी आर धारकों, बैंकों, कर्मचारियों आदि के पास है।

1.3 **वास्तविक निष्पादन**

(हजार टन)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान (एमईएल को छोड़कर)	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर 09 तक)*	बजट अनुमान
(i)	**तप्त धातु**	14606	15199	14442	13520	#	10908	14000
(ii)	**अपरिष्कृत इस्पात**	13506	13962	13411	12949		10175	13570
(iii)	**विक्रेय इस्पात**	12581	13044	12503	11750		9366	12350
(iv)	**कच्चा लोहा**	509	441	267	86		216	106

1.4 **वित्तीय निष्पादन**

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर 09 तक)*	बजट अनुमान
(i)	आय	41419	48278	53718	40515	#	32634	#
(ii)	प्रचालन लागत	30453	35323	42776	36488		24302	
(iii)	सकल मार्जिन	10966	12955	10942	4028		8331	
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	9423	11469	9403	1707		7065	
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	6202	7537	6175	1095		4669	
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	1280	1528	1074	826		661	
	जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित	1099	1312	922	709		567	

* सेल निफ्रैक्ट्रीज यूनिट (एसआरयू) सेल के साथ विलयित पूर्व भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड के परिणाम भी शामिल हैं। सेल एक सूचीकृत कंपनी है तथा स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा निर्धारित लिस्टिंग एग्रीमेंट की शर्तों का अनुसरण करने की आवश्यकता है। लिस्टिंग एग्रीमेंट स्टॉक के अनुसार इसको विस्तृत रूप से उजागर किए जाने से पहले स्टॉक एक्सचेजों को सूचित किए जाने के लिए महत्वपूर्ण सूचना की आवश्यकता होती है। जैसाकि, (संशोधित अनुमान 2009-10/बजट अनुमान 2010-11) के लिए वित्तीय निष्पादन का प्रकटीकरण बहुत अधिक स्टॉक संसटिव है तथा यह लिस्टिंग एग्रीमेंट का उल्लंघन है।

1.5 जैसाकि उपरोक्त सारणी से देखा जा सकता है, 2006-07 तथा 2007-08 के दौरान सेल का वास्तविक एवं वित्तीय निष्पादन अच्छा रहा। तथापि, 2008-09 के दौरान कंपनी का निष्पादन विक्रेय इस्पात की कुल बिक्री की मात्रा में कमी, लागत कीमतों में वृद्धि, विशेष रूप से देशी तथा आयातित कोयले ,कोक, फैरो अलायज में, कोयले के नौ परिवहन शुल्क

में बढ़ोतरी, रेलवे परिवहन शुल्क व विलंब शुल्क, विद्युत, ईंधन में बढोत्तरी तथा वैश्विक मंदी की प्रवृत्तियों के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ।

2009-10 (अप्रैल-दिसंबर, 09), के नौ महीनों के दौरान सेल का कारोबार 30929 करोड़ रूपए रहा जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 13.3 प्रतिशत कम है, अर्थात 2008-09 में कुल कारोबार 35674 करोड़ रूपए था। सेल ने 2009-10 (अप्रैल-दिसंबर) की तिमाही के अंत में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में क्रमश: 7075 करोड़ रूपए का कर-पूर्व लाभ व 4669 करोड़ रूपए का कर-पश्चात लाभ अर्जित किया।

कंपनी बेहतर निधि प्रबंधन पर ध्यान देती रही। अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए इनमें अधिक लागत के अल्पावधि ऋणों को कम लागत के ऋणों में बदलाव, अधिशेष निधि को अनुसूचित "बैंकों में" जमा कराना भविष्य के लिए धन जुटाने आदि के लिए कार्रवाई करना शामिल है। मंजूर क्रैडिट रेटिंग एजेंसियों, मैसर्स एफआईटीसीएच रेटिंस तथा मैसर्स केयर, आरबीआई ने सेल के दीर्घकालिक ऋण कार्यक्रम को अधिकतम सुरक्षित बताते हुए एएए रेटिंग दी है। कंपनी ने पिछले वर्ष की इसी अवधि के 1222 करोड़ रूपए की तुलना में अनुसूचित बैंकों में जमा अल्पकालिक जमाओं पर 1385 करोड़ रूपए अर्जित किए हैं। तथापि, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं तथा पूंजी परिव्यय के मामले में ऋणों में वृद्धि के कारण 31.12.2009 की स्थितिनुसार ऋण साम्या अनुपात बढ़कर 0.47:1 हो गया जबकि 31.3.2009 को यह 0.27:1 था। उल्लेखनीय है कि 31.3.2004 को ऋण साम्या अनुपात 1.87:1 था।

सेल ने अपनी विस्तार एवं आधुनिकीकरण योजना के वर्तमान चरण के तहत, तप्त धातु के उत्पादन के लिए अपनी क्षमता 13.82 मिलियन टन वार्षिक से बढ़ाकर 23.46 मिलियन टन वार्षिक करने की योजना बनाई है जिसके वित्तीय वर्ष 2012-13 के अंत तक पूरा होने की आशा है। चरण-I में सेल अपनी क्षमता और बढ़ाकर 26.18 मिलियन टन करेगा।

2. राष्ट्रीय इस्पात निगम लि0 (आर आई एन एल)

2.1 विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र (वी एस पी) विशाखापट्टणम में है। यह भारत में स्थापित प्रथम तटीय आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। 3 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता के द्रव इस्पात के साथ इसे अगस्त, 1992 में चालू किया गया था। यह संयंत्र सघन उर्जा बचत तथा प्रदूषण नियंत्रण उपायों को शामिल करते हुए अद्यतन प्रौद्योगिकी से डिजायन और इंजीनियरी में अंतर्राष्ट्रीय मानको के अनुरूप बनाया गया है।

कंपनी ने अपने च्कार्पोरेट प्लानछ का खाका तैयार किया है जिसका उद्देश्य विभिन्न चरणों में 2019-20 तक 16 मिलियन टन क्षमता तक पहुँचना है तथा 2011-12 तक तप्त धातु के उत्पादन को 3.0 मिलियन टन से बढ़ाकर 6.3 मिलियन टन करने के विस्तार के अपने प्रथम चरण को कार्यान्वित कर रहा है। 8692.00 करोड़ रूपए (आधार-जून, 2005 के मूल्य) की अनुमानित लागत पर कंपनी की वर्तमान क्षमता 3 मिलियन टन वार्षिक द्रव इस्पात से बढ़ाकर 6.3 मिलियन टन वार्षिक करने के लिए भारत सरकार ने 28 अक्तूबर, 2005 को अपनी मंजूरी दे दी है। अनुमानित लागत संशोधित करके 12,228 करोड़ रूपए कर दी गई है। परियोजना की संपूर्ण लागत आंतरिक स्रोतों से पूरी की जाएगी (ऋण साम्या अनुपात 1:1) तथा सरकार से कोई बजटीय सहायता नहीं दी जाएगी।

आरआईएनएल का नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) का भी अधिग्रहण करने का प्रस्ताव है। यह प्रस्ताव विचारधीन है।

2.2 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार कंपनी की पूंजीगत संरचना में 4889.85 करोड़ रू0 साम्या पूंजी तथा 2937.47 करोड़ रू0 की 7 प्रतिशत गैर संचयी शोधनीय तरजीही शेयर पूंजी शामिल है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।

2.3 वित्तीय निष्पादन

(हजार टन)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम) (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान @
(i)	तप्त धातु	4046	3913	3546	3690	3690	2882	4060
(ii)	द्रव धातु	3606	3322	3145	3250	3250	2449	3515
(iii)	विक्रेय इस्पात	3290	3075	2701	3080	3080	2274	3100
(iv)	कच्चा लोहा	352	495	322	352	352	359	454

2.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		वास्तविक	वास्तविक	वास्तविक	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम) (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान @
(i)	आय	9787.78	11680.61	12303.61	10324.47	10526.04	8050.71	10876.88
(ii)	प्रचालन लागत	7154.90	8165.68	9948.10	9617.75	9555.99	7089.27	9876.88
(iii)	सकल मार्जिन	2632.88	3514.93	2355.51	706.71	970.05	961.44	1000.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	2222.34	2995.36	2026.59	401.71	640.55	721.91	438.21
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	1363.43	1942.74	1335.57	260.75	418.40	464.45	126.63
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित#	--	--	--	339.18	339.18	339.18	--
	जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित	--	--	--	339.18	339.18	339.18	--

@ एटीएफ के साथ हुए समझौता ज्ञापन 2010-11 के दस्तावेज पर इस्पात मंत्रालय के साथ हस्ताक्षर किए जाने हैं।

 # निदेशक मंडल ने तरजीही शेयर पूंजी पर 7 प्रतिशत की दर से तथा वर्ष 2008-09 के लिए पीएवाई का 10 प्रतिशत साम्या शेयर धारकों को लाभांश का भुगतान करने का संकल्प पारित किया है। इसी के अनुसार वर्ष 2008-09 के लिए घोषित किया गया लाभांश 2009-10 के दौरान अदा किया गया।

2.5 कंपनी ने प्राचलों के सभी क्षेत्रों में अपने निष्पादन को सुधारने के लिए अनेक उपाय शुरू किए। इन संगठित प्रयासों के परिणामस्वरूप 2001 के बाद से कंपनी के उत्पादन के निष्पादन में सुधार हुआ तथा कंपनी ने 2002-03 में पहली बार निवल लाभ प्राप्त किया। कंपनी 2005-06 के अंत तक अपनी संचित हानियों को पूर्णरूप से समाप्त कर सकी। वर्तमान में, कंपनी अपनी रेटिंग क्षमताओं से अधिक प्रचालन कर रही है तथा संबंधित समझौता ज्ञापन के लक्ष्यों की तुलना में वित्तीय निष्पादन में कोई कमी नहीं है तथापि, वैश्विक मंदी ने लाभप्रदता को कम करते हुए इस्पात उद्योग को बुरी तरह प्रभावित किया। 2008-09 की बढ़ी कैरी फरवर्ड मात्रा के कारण लौह अयस्क तथा हाई कोकिंग कोल की कीमतों में वृद्धि जारी रही तथा एलटीएस ने 2009-10 की लाभप्रदता को बुरी तरह प्रभावित किया। कंपनी के पास लौह अयस्क और कोकिंग कोल जैसी महत्वपूर्ण कच्ची सामग्रियों की निजी खानें नहीं हैं। हाल ही में लौह अयस्क और कोकिंग कोल के मूल्यों में वृद्धि ने इन संसाधनों पर अधिक नियंत्रण रखने वाली अन्य कंपनियों की तुलना में आरआईएनएल की प्रतिस्पर्धा कम कर दी है।

3. स्पंज आयरन इंडिया लि0 (सिल)

3.1 स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड (सिल), 30,000 टीपीए प्रदर्शन स्पंज लौह संयंत्र के सफल प्रचालन के पश्चात् अस्तित्व में आया। यह भारत सरकार और आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की भागीदारी तथा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम/संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन की सहायता से लोह/लौह अयस्क की ठोस अपचयन प्रक्रिया तथा 100 प्रतिशत गैर कोककर कोयले के आधार पर स्पंज लोहे का उत्पादन करने के लिए स्थापित किया गया है। स्थानीय कच्चे माल और प्रचालन परिस्थितियों के अनुरूप रोटेरी किल्न प्रोसेस के आधार पर स्पंज लोहा संयंत्र में कई सुधार और संशोधन किये गये। इससे प्रौद्योगिकी विकसित करने में सिल को कोई सहायता नहीं मिली परंतु देश में स्पंज लोहा उद्योग के विकास के लिए इससे रास्ता साफ हो गया।

3.2 कंपनी की प्राधिकृत पूंजी 66.00 करोड़ रू0 और प्रदत्त पूंजी 65.10 करोड़ रू0 है जिसमें से भारत सरकार के शेयर 98.78 प्रतिशत हैं और शेष शेयर आंध्रप्रदेश सरकार के पास हैं।

3.3 भारत सरकार सिल के एनएमडीसी में विलय का 22.5.2008 को अनुमोदन कर चुकी है। निगमित मामले मंत्रालय ने 18.1.2010 को सिल के मैसर्स एनएमडीसी लिमिटेड के साथ विलय की स्वीकृति प्रदान कर दी है। शेष वैधानिक प्रक्रिया के मैसर्स एनएमडीसी के समन्वय से शीघ्र पूरे होने की आशा है।

3.4 वास्तविक निष्पादन

(मात्रा टन में)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		वास्तविक	वास्तविक	वास्तविक	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	**स्पंज आयरन का उत्पादन**	**55194**	**43331**	30489	34000	*	24076	*
(ii)	**स्पंज आयरन की बिक्री**	**54670**	**44447**	25203	34000		28671	

* संशोधित अनुमान 2009-10 के साथ-साथ बजट अनुमान 2010-11 मैसर्स एनएमडीसी लिमिटेड के साथ होने वाले विलय के कारण तैयार नहीं किया गया।

3.5 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		वास्तविक	वास्तविक)	वास्तविक	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	आय	56.32	59.15	52.67	38.10	*	35.61	*
(ii)	प्रचालन लागत	50.02	49.27	53.96	55.83		45.96	
(iii)	सकल मार्जिन	7.56	11.31	0.06	-16.33		-9.27	
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	6.29	9.88	-1.29	-17.33		-10.35	
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	4.02	6.47	-0.92	-17.33		-10.35	
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	0.81	1.30	शून्य	शून्य		शून्य	
	जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित							
	जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित	0.80	1.29	शून्य	शून्य		शून्य	

* **मै0 एनएमडीसी के साथ हो रहे विलय के कारण संशोधित अनुमान 2009-10 तथा बजट अनुमान 2010-11 तैयार नहीं किया गया। अपेक्षित मरत्रा में कच्चा माल उपलब्ध नहीं होने तथा बाजार में मंदी से 2008-09 के दौरान कंपनी का वास्तविक और वित्तीय निष्पादन कम हुआ।**

4. हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन्स लिमिटेड (एचएससीएल)

4.1 हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल), जिसका पंजीकृत कार्यालय कोलकत्ता में है, आधुनिक एकीकृत इस्पात संयंत्रों के संपूर्ण निर्माण कार्य करनेमें एक सक्षम संगठन के रूप में सरकारी क्षेत्र में सृजित करने के उद्देश्य से जून 1964 निगमित किया गया था। कंपनी ने बोकारो, विजाग और सेलम जैसे इस्पात संयंत्रों की स्थापना से लेकर चालू करने तक के कार्य किए हैं और भिलाई, दुर्गापुर, बर्नपुर (इस्को) तथा भद्रावती इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण/विस्तार से सम्बद्ध बड़े-बड़े निर्माण कार्य किए हैं। । इस्पात संयंत्रों में निर्माण संबंधी कार्यकलापों में कमी के चलते कंपनी ने अपने कार्यकलापों का विद्युत, कोयला, तेल एवं गैस जैसे अन्य क्षेत्रों में विस्तार किया है। इसके अलावा, कंपनी ने सड़क/राजमार्गों, पुलों, बांधों, भूमिगत संचार और परिवहन प्रणाली और उच्च स्तर की आयोजना वाले औद्योगिक तथा बस्ती परिसरों, समन्वय और आधुनिक तकनीकों आदि जैसे अवसंरचना क्षेत्रों में अपने कार्यकलापों का विविधीकरण किया है। अब एचएससीएल एक आईएसओ 9001-2000 कंपनी हैं और इसकी क्षमता निर्माण कार्यकलापों के लगभग सभी क्षेत्रों में है।

4.2 31 मार्च, 2009 की स्थिति के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत और प्रदत्त शेयर पूंजी क्रमश: 150 करोड़ रू0 तथा 117.10 करोड़ रू0 है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।

4.3 वास्तविक निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर , 09 तक)	प्रस्तावित बजट अनुमान (एमओयू)
(i)	आर्डर बुकिंग	781.00	940.00	871.00	650.00	650.00	691.24	960.00

4.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान (एमओयू) प्रस्तावित
(i)	आय	433.33	526.18	721.26	650.00	650.00	538.47	775.00
(ii)	प्रचालन लागत	403.16	485.97	656.63	605.00	605.00	506.68	726.37
(iii)	सकल मार्जिन (पीबीआईडीटी)	30.17	40.21	64.63	45.00	45.00	31.79	48.63
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	-83.50	-26.72	-6.88	-54.83	-54.83	-42.48	-53.88
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	-83.50	-26.72	-6.88	-54.83	-54.83	-42.48	-53.88
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

4.5 1999 में कंपनी के लिए सरकार द्वारा मंजूर पुनरूद्धार/पुनर्संरचना पैकेज के तहत परिकल्पित लाभों को प्राप्त करने में कंपनी सक्षम नहीं रही है। भारत सरकार के ऋणों पर ब्याज देयता तथा वी आर एस व्यय कंपनी को हुई हानि का मुख्य घटक है। कंपनी द्वारा सामना की गई कड़ी प्रतिस्पर्द्धा के फलस्वरूप मार्जिन में कमी होने से इनका वित्तीय निष्पादन भी प्रभावित हुआ है।

4.6 प्रतिकूल तथा अविश्वसनीय तुलन पत्र के बावजूद एचएससीएल का समग्र निष्पादन अच्छा रहा है। पिछले 4 वर्षों के दौरान कंपनी ने 2008-09 तक टर्नओवर वृद्धि 27 प्रतिशत (सीएजीआर), आर्डर बुकिंग 26 प्रतिशत (सीएजीआर) तथा सकल मार्जिन 28 प्रतिशत (सीएजीआर) के रूप में वृद्धि दर दर्ज की है। इस समय एचएससीएल की पुनर्संरचना का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

5. मेकॉन लिमिटेड

5.1 मेकॉन लिमिटेड, देश में पहला परामर्शी और इंजीनियरी संगठन है जिसे आई एस ओ: 9001-2000 मान्यता प्राप्त है तथा विश्व एशियाई बैंक, एशियाई विकास बैंक, यूरोपियन बैंक ऑफ री-कंस्ट्रक्शन एंड डवलपमेंट एवं संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन के पजीकृत हैं तथा विभिन्न प्रकार के मेगा प्रोजेक्टों के संबंध में इंजीनियरिंग, परामर्शदात्री एवं परियोजना प्रबंधन सेवाओं के कार्यान्वयन हेतु इसके पास काफी अवसंरचनात्मक सुविधाएं हैं। पिछले कुछ वर्षों में इस्पात क्षेत्र में चक्रीय मांग/निवेश को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने अर्थव्यवस्था के दूसरे क्षेत्रों विशेष रूप से तेल और गैस, विद्युत और अवसंरचना में अपने कार्यकलापों का विविधिकरण किया है। मेकॉन लोहा एवं इस्पात, रसायन, रिफाइनरीज तथा पैट्रो रसायनों, विद्युत, सड़क एवं राजमार्गों, रेलवे, जल प्रबंधन, पत्तन एवं बंदरगाह, गैस एवं तेल, पाइपलाइनों, अलौह खनन, सामान्य इंजीनियरिंग, पर्यावरण इंजीनियरिंग तथा संबद्ध/विविधीकृत क्षेत्रों में व्यापक विदेशी अनुभव सहित अग्रणी बहुविधिक डिजाइन, इंजीनियरिंग, परामर्शी और कांट्रैक्टिंग संगठन है। कंपनी ने विभिन्न क्षेत्रों में यू एस ए, जर्मनी, फ्रांस, इटली, रूस आदि की प्रतिष्ठित फर्मों के साथ सहयोग करार किया है।

5.2 कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 104.00 करोड़ रू0 है जिसमें से 103.14 करोड़ रू0 प्रदत्त पूंजी है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।

चूंकि मेकॉन एक परामर्शी संगठन है इसलिए कंपनी का वास्तविक निष्पादन देना संभव नहीं है। वित्तीय वर्ष 2007-08 में कंपनी की कुल व्यवसायिक उपलब्धि 1239.96 करोड़ रुपए, वित्तीय वर्ष 2008-09 में 968.92 करोड़ रुपए तथा चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 (दिसंबर, 2009 तक) में 108.16 करोड़ रुपए थी।

5.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07 (वास्तविक)	2007-08 (वास्तविक)	2008-09 (वास्तविक)	2009-10 बजट अनुमान	2009-10 संशोधित अनुमान	2009-10 वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	2010-11 बजट अनुमान
(i)	आय	396.62	504.15	614.66	515.10	650.67	522.05	493.00
(ii)	प्रचालन लागत	345.82	438.78	528.46	439.10	530.00	403.09	450.00
(iii)	सकल मार्जिन	50.80	65.37	86.20	76.00	120.67	118.96	43.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	23.38	39.53	74.76	64.50	110.52	110.49	36.50
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	20.38	33.32	65.88	55.00	82.89	82.87	36.50
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	शून्य	1.00	3.15	3.15	3.15	-	3.15
	जिसमें से लाभांश का	शून्य	1.00	3.15	3.15	3.15	-	3.15

	भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित							

5.5 मेकॉन ने 1997-98 तक लगातार लाभ अर्जित किया। इस्पात क्षेत्र में मंदी, अधिक जनशक्ति तथा कंपनी को प्राप्त होने वाले परामर्शी कार्यों के मूल्य में कमी के कारण इसे 1998-99 से 2003-04 तक हानि हुई। तथापि 2005 के बाद कंपनी ने 2003-04 के लिए (-) 10.72 करोड़ रू0 के कर पश्चात लाभ (पीएटी) की तुलना में 2008-09 के लिए 65.88 करोड़ रू0 के पीएटी सहित समग्र परिवर्तन किया।

6.0 एम एस टी सी लि0

6.0.1 एम एस टी सी लिमिटेड को 9 सितम्बर 1964 को कंपनी अधिनियम 1956 के तहत निगमित किया गया था और फरवरी 1992 तक यह कार्बन इस्पात, गलन स्क्रैप,स्पंज लोहे/हाट ब्रिकेवेटिड लोहे तथा रि-रोलेबल स्क्रैप का आयात करने वाली माध्यम एजेंसी थी । यह भंजन के लिए पुराने पोतों के आयात के लिए भी माध्यम एजेंसी थी। जिनका आयात डि-केनेलाइज कर दिया गया और इसे अगस्त 1991 से ओ जी एल के तहत रख दिया गया। यह कंपनी फरवरी 1974 में स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि0 (सेल) की सहायक कंपनी बन गई। वर्ष 1982-83 में एम एस टी सी सेल के शेयरों को भारत के राष्ट्रपति के नाम अंतरित करके भारत सरकार की कंपनी में बदल दी गई। अब यह कंपनी ट्रेडिंग कार्यकलाप, ई-कॉमर्स, लौह तथा अलौह स्क्रैप, अधिशेष भंडार जो मुख्य रूप से सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों तथा रक्षा मंत्रालय सहित सरकारी विभागों का है, के निपटान का कार्य कर रही है।

एम एस टी सी लि0 फैरो स्क्रैप निगम लि0 (एफ एस एन एल) जिसके 100 प्रतिशत प्रदत्त साम्या शेयर एम एस टी सी के पास हैं, की धारक कंपनी की भूमिका भी अदा करती है।

6.0.2 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार एम एस टी सी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 5.00 करोड़ रू0 और प्रदत्त पूंजी 2.20 करोड़ रू0 है जिसमें से लगभग 90 प्रतिशत भारत के राष्ट्रपति के पास है तथा शेष 10 प्रतिशत स्टील फर्नेस एसोसिएशन आफ इंडिया तथा आयरन एंड स्टील स्क्रैप एसोसिएशन आफ इंडिया के सदस्यों और अन्यों के पास हैं। 2.20 करोड़ रू0 की प्रदत्त पूंजी में 1:1 के अनुपात में वर्ष 1993-94 में जारी किए गए बोनस शेयर शामिल हैं।

चूंकि एमएसटीसी विनिर्माण से संबंधित नहीं है इसलिए विपणन एवं बिक्री एजेंसी के अधीन कारोबार के मूल्य के मामले में इसका निष्पादन नीचे तालिका में दिया गया है:-

6.0.3 वास्तविक निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	विपणन	4235	6345	8881	4780	3800	3382	4000
(ii)	एजेंसी	3495	5579*	11121*	5370	6100	3901	6000

* ई-प्रक्योरमेंट सहित

6.0.4 वास्तविक निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	आय	3100.06	5197.11	7082.09	4924.04	3920.00	2209.02	4128.00
(ii)	प्रचालन लागत	3006.66	5058.78	6950.00	4830.34	3844.50	2136.96	4050.00
(iii)	सकल मार्जिन	93.40	138.33	132.09	93.70	75.50	72.06	78.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	90.87	134.47	129.53	91.10	73.50	70.42	75.50
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	59.00	92.20	85.05	60.15	48.51	43.48	49.83
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	11.88	18.48	17.05	12.03	9.70	--	9.97
	जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित	10.69	16.63	15.34	10.82	8.73	--	8.97

6.1 फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल)

6.1.1 फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) एमएसटीसी लिमिटेड की एक 100 प्रतिशत अनुषंगी कंपनी है। एफएसएनएल का मुख्य उद्देश्य सेल, आरआईएनएल और एनआईएनएल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों में स्लैग से लघु तथा इस्पात स्क्रैप प्राप्त करना है और इस्पात इंडस्ट्रीज तथा जिंदल स्टील जैसे निजी क्षेत्रों के इस्पात संयंत्रों में प्रचालन करना है। यह एक पथ-प्रदर्शक उद्यम है जो देश में धातुकर्मीय उद्योगों को विशेषज्ञतायुक्त सेवाएं प्रदान करता है। कंपनी पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश तथा महाराष्ट्र में स्थित अपनी 10 यूनिटों के जरिए मिल सर्विस सोल्यूशन डिलीवर करने के लिए डिजाइन बिल्ट्स, आउंस, आपरेट, मेंटेन सुविधाएं और अवसंरचना उपलब्ध कराती है।

6.1.2 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी तथा अभिदत्त एवं प्रदत्त पूंजी 2.00 करोड़ रू0 है।

6.1.3 वास्तविक निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक(दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	स्क्रैप की रिकवरी (लाख एमटी)	22.04	23.77	22.63	22.50	22.50	17.39	24.80
(ii)	उत्पादन का बाजार मूल्य (करोड़ रूपए)	969.68	1045.95	995.82	990.00	990.00	765.05	1091.33

6.1.4 वास्तविक निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	आय	110.63	128.22	137.30	141.98	141.98	100.93	151.75
(ii)	प्रचालन लागत	95.20	112.48	120.47	123.64	123.64	85.17	132.05
(iii)	सकल मार्जिन	15.37	15.86	16.83	18.34	18.34	15.76	19.70
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	3.08	2.01	4.31	3.09	3.09	3.95	4.05
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	1.26	0.73	2.23	2.01	2.01	2.61	2.67
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	0.29	0.47	0.52	0.00	0.00	0.00	0.00
	जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित	0.29	0.47	0.52	0.00	0.00	0.00	0.00

होल्डिंग कंपनी होने के नाते मैसर्स एमएसटीसी लिमिटेड को लाभांश का भुगतान किया गया।

6.1.5 एफ एस एन एल का उत्पादन विभिन्न रूपों में स्लैग और स्क्रैप के सृजन पर निर्भर करता है। वर्ष 2006-07 से 2008-09 की अवधि के लिए उत्पादन में वृद्धि विशेष रूप से स्लैग को संभालने के क्षेत्र में वृद्धि होने के कारण एफ एस एन एल की आय में वृद्धि हुई तथापि लाभप्रदत्ता में अनुपातिक रूप से वृद्धि नहीं हुई है। जिससे सकल मार्जिन, पीबीटी तथा पीएटी में गिरावट आई। यह आदान लागतों जैसे डीजल, विद्युत, इस्पात, भारी मशीनों के पुर्जो आदि में वृद्धि के कारण हुआ। जबकि बढ़े हुए व्यय की क्षतिपूर्ति के लिए सेवा प्रभार दरों में पर्याप्त वृद्धि नहीं हुई है। आदान लागतों में वृद्धि के बावजूद लागतों को सीमा के भीतर तर्कपूर्ण ढंग से कम करने के लिए कंपनी द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

7. एनएमडीसी

7.1 15 नवम्बर, 1958 को स्थापित एन एम डी सी लि. देश में लौह अयस्क और हीरों का एकमात्र सबसे बड़ा उत्पादक है और यह विभिन्न खनिजों जैसे डोलोमाइट, चूना पत्थर, मैंगनेसाईट, टंगस्टन, ग्रेफाईट,टीन आदि के गवेषण विकास और संदोहन में लगी हुई है। एन एम डी सी लि. में आर एंड डी प्रयोगशाला जिसे सैंटर आफ एक्सीलेंस घोषित किया गया है, में किये गये अपने सघन आर एंड डी कार्यो के जरिये फैरिक आक्साईड, आयरन पाउडर आदि उच्च मूल्यों उत्पादों के उत्पादन के क्षेत्र में भी प्रवेश किया है। कंपनी ने तंजानिया में स्वर्ण का गवेषण कार्य भी किया है। एन एम डी सी की बड़ी यंत्रीकृत लौह अयस्क खान छत्तीसगढ़ में बेलाडिला 14/11 सी, बैलाडिला 5/10 तथा 11 ए और कर्नाटक में दौणिमलै में,पन्ना मध्यप्रदेश में भारत की यंत्रीकृत हीरा खान का प्रचालन करती है।

कंपनी ने मध्य प्रदेश में पन्ना हीरा में 4 वर्ष के अंतराल के बाद पुन: अपनी खनन गतिविधियां शुरू कर दी हैं।

एनएमडीसीसी ने विद्यमान की क्षमता विस्तार करने, नई खान शुरू करने, स्पंज लोहे, पैलेट और इस्पात में मूल्य मूल्यवर्धन करने के जरिए 2014-15 तक अपनी वर्तमान लौह अयस्क उत्पादन क्षमता 30 मिलियन टन से बढ़ाकर 50 मिलियन टन वार्षिक करने की योजना बनाई है। एनएमडीसी लिमिटेड ने हाल ही में छत्तीसगढ़ में नागरनार में 3 मिलियन टन वार्षिक क्षमता का एक एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के साथ एक समझ ौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है।

7.2 वर्ष 2008-09 के दौरान 2:1 अनुपात में बोनस शेयर देने के पश्चात 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार 400.00 करोड़ रू0 की प्राधिकृत शेयरपूंजी की तुलना में अभिदत्त एवं प्रदत्त पूंजी 396.47 करोड़ रू0 है। 98.38 प्रतिशत शेयर भारत सरकार के पास हैं। एनएमडीसी लिमिटेड एक ऋण मुक्त कंपनी है।

7.3. वास्तविक निष्पादन

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम) (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	**उत्पादन:**							
	लौह अयस्क (लाख एमटी)	262.31	298.16	285.15	236.00	210.00	169.02	180.00
	हीरे (कैरेट)	1703	-	-	-	15000	9317	35000
(II)	**बिक्री**							
	लौह अयस्क (लाख एमटी)	255.89	281.84	264.72	242.00	215.00	172.06	205.00
	हीरे (कैरेट)	14588	2632	-	-	15000	252	35000

7.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		वास्तविक	वास्तविक	वास्तविक	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम) (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	आय	4534.04	6412.01	8575.46	6122.00	5769.00	4916.88	5366.00
(ii)	प्रचालन लागत	952.25	1401.08	1850.21	1627.00	1709.00	1222.98	1698.00
(iii)	सकल मार्जिन(1-2)	3581.79	5010.93	6725.25	4495.00	4060.00	3693.90	3668.00
(iv)	मूल्यह्रास/डीआरई	83.48	63.46	77.02	83.00	71.00	51.26	98.00
(v)	कर पूर्व लाभ (हानि)	3498.31	4947.47	6648.23	4412.00	3989.00	3642.64	3570.00
(vi)	कर पश्चात लाभ (हानि)	2320.21	3250.98	4372.38	2912.00	2633.00	2404.59	2357.00
(vii)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	465.19	651.53	876.20	582.00	-	-	-
	जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित कर पूर्व लाभ	457.67	641.00	862.04	573.00	-	-	-

7.5 एन एम डी सी लि. का वास्तविक और वित्तीय निष्पादन पिछले कई वर्षों में लगातार अच्छा रहा है जो कंपनी के विभिन्न वित्तीय प्राचलों जैसे पी बी टी, पी ए टी, लाभांश आदि में प्रगामी रूप से वृद्धि में दिखाई देता है। 2007-08 में कुल आय 6412.01 करोड़ रूपए से 33.74 प्रतिशत बढ़कर 2008-09 में 8575.46 करोड़ रूपए हो गई है। कर-पूर्व लाभ 2007-08 में 4947.47 करोड़ रूपए से 34.38 प्रतिशत बढ़कर 2008-09 में 6648.23 करोड़ रूपए हो गया। मंदी के बावजूद एनएमडीसी 2008-09 के दौरान 285.15 एलएमटी लौह अयस्क का उत्पादन कर सका जबकि 2007-08 में 298.16 एलएमटी का उत्पादन हुआ था और 2007-08 में 281.84 एलएमटी बिक्री की तुलना में 2008-09 में 264.72 एलएमटी लौह अयस्क की बिक्री की।

कंपनी के विकसित होने की स्थिति तथा निरंतर उत्कृष्ट निष्पादन के परिणामस्वरूप कंपनी को 2008 में नवरत्न दर्जा दिया गया है।

8. केआईओसीएल लिमिटेड

8.1 लौह अयस्क सांद्रण के विनिर्माण हेतु कुद्रेमुख लौह अयस्क परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड को अप्रैल, 1976 में बनाया गया। नेशनल नेशनल इरानियन स्टील इंडस्ट्रीज कंपनी के साथ हस्ताक्षरित एक करार के तहत 21 वर्षों की अवधि, जो 1 सितंबर, 1980 से आरंभ होती है, तक कुल 150 मिलियन टन सांद्रण की आपूर्ति ईरान को जानी थी। ईरान ने इसके कार्यान्वयन लागत, 630 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक, को पूरा करने पर सहमति दी थी। इसमें से केवल 255 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्राप्त किए गए थे। तथापि, इस परियोजना को भारत सरकार द्वारा दिए गए धन से पूरा किया गया। इस परियोजना को पूरा करने की अंतिम लागत, 546.80 करोड़ रूपए की अनुमानित स्वीकृत लागत की तुलना में 516.87 करोड़ रूपए थी।

चूंकि करार के अनुसार ईरान लौह अयस्क सांद्रण उठाने में सक्षम नहीं था इसलिए सांद्रण के लिए नए बाजार तलाश करने के अलावा 3 मिलियन टन सांद्रण का उपयोग करने के लिए मई, 1981 में भारत सरकार ने एक पैलेट संयंत्र का नियंत्रण करने के लिए एक योजना अनुमोदित की है। इस परियोजना को 116.65 करोड़ रूपए की लागत पर कार्यान्वित किया गया तथा वाणिज्यिक उत्पादन अप्रैल, 1987 में शुरू हुआ था। लौह अयस्क पैलेट की आपूर्ति इस्पात इंडस्ट्रीज तथा आरआईएनएल जैसी घरेलू इकाइयों को की जाती है तथा चीन को भी इसका निर्यात किया जाता है। माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 31.12.2005 से कुद्रेमुख में खनन कार्य रोकने के निर्णय के परिणामस्वरूप पैलेट संयंत्र का प्रचालन खरीदे गए हैमेटाइट अयस्क से किया जाता है। किस्को नामक संयुक्त उद्यम के अंतर्गत 2001 में मंगलौर में एक कच्चा लोहा संयंत्र स्थापित किया गया था। किस्को का 1.4.2007 से केआईओसीएल लिमिटेड में विलय हो चुका है।

8.2 केआईओसीएल की प्राधिकृत पूंजी 675.00 करोड़ रूपए है। जारी एवं प्रदत्त पूंजी 634.51 करोड़ रूपए है जिसका लगभग 99 प्रतिशत (628.14 करोड़ रूपए) भारत सरकार के पास है।

8.3 वास्तविक निष्पादन

(मिलियन टन)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	पैलेट (चूरे सहित)	0.630	1.927	1.316	2.650	0.532	0.573	2.780
(ii)	कच्चा लोहा (अनुषंगी सहित)	शून्य	0.157	0.118	0.170	0.062	0.062	0.100

नोटः दिनांक 1.4.2007 से किस्को का केआईओसीएल में विलय कर दिया है इसलिए वर्ष 2007-08 के आंकड़ों में धमन भट्टी इकाई भी शामिल है।

8.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	आय	368.87	1565.41	1422.15	2047.61	479.76	487.22	1811.14
(ii)	प्रचालन लागत	317.05	1353.67	1354.48	1851.92	654.84	615.79	1744.76
(iii)	सकल मार्जिन	51.81	211.74	67.67	195.69	-175.08	-128.57	66.38
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	19.94	156.51	24.18	147.79	-250.27	-184.87	31.48
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	13.77	108.16	22.01	97.56	-250.27	-184.87	20.78
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	शून्य	21.63	6.34	19.51	-	-	-
	जिसमें से लाभांश का	शून्य	21.42	6.28	19.32	-	-	-

	भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित							

8.5 जैसाकि उल्लेख किया जा चुका है माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने केआईओसीएल को दिनांक 31.12.2005 से कुद्रेमुख में उत्खनन कार्य रोकने के लिए निदेश दिए हैं तदनुसार कुद्रेमुख में उत्खनन रोक दिया गया है जिससे कुद्रेमुख से मैग्नेटाइट अयस्क की आपूर्ति रूक गई तथा इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2005-06 के बाद सांद्रण तथा पैलेट दोनों के उत्पादन में गिरावट आई। इससे कंपनी के वास्तविक एवं वित्तीय दोनों निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। सांद्रण संयंत्र को बंद करना पड़ा। इसलिए कंपनी के हैमेटाइट अयस्क जिसका आउटसोर्स किया जाना था, से पैलेट का उत्पादन करने के लिए पैलेट संयंत्र के प्रक्रमण में आवश्यक संशोधन करने पड़े।

8.6 अंतर्राष्ट्रीय बाजार में विद्यमान मंदी के कारण पैलेट्स के मूल्य 240 अमरीकी डालर से घटकर 85 अमरीकी डालर हो गए हैं जो उत्पादन की लागत से कम है। इस प्रकार केआईओसीएल अपने पैलेटों की बहुत कम मात्रा में ब्रिकी कर रहा है तथा बहुत कम मात्रा की बिक्री की है इसलिए संयंत्र के रख-रखाव के लिए जनवरी, 2009 से उत्पादन क्रियाकलाप बंद कर दिए गए तथा जुलाई, 2009 में पुन: शुरू किए गए। इसके परिणामस्वरूप कंपनी के वास्तविक तथा वित्तीय निष्पादन में कमी आई है।

9. मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल)

9.1 मॉयल जिसका गठन 1962 में किया गया था, उच्च ग्रेड के मैंगनीज अयस्क का सबसे बड़ा घरेलू उत्पादक है जो फैरो मिश्र, इस्पात निर्माण में एक महत्वपूर्ण आदान है। डाई-ऑक्साइड का उत्पादन कंपनी की डोंगरी बुजुर्ग खान में किया जाता है जो शुष्क बैटरियों के निर्माण में प्रयुक्त होता है। उच्च ग्रेड के मैंगनीज ओर डाई-ऑक्साइड अयस्क की घरेलू मांग में वृद्धि से कंपनी ने अपनी खानों को विकसित करने तथा इनका आधुनिकीकरण करने के लिए विभिन्न पूंजीगत योजनाओं पर बल दिया है। इसके अलावा करोबार की मात्रा तथा लाभ प्रदता में सुधार करने के लिए मॉयल ने अपनी गतिविधियों को 90 के दशक के दौरान मूल्यवर्द्धित उत्पादों के निर्माण में वर्गीकृत किया है। वर्गीकरण के रूप में कंपनी ने वर्ष 1991 में इलेक्ट्रोलिटिक मैंगनीज डाई-ऑक्साइड के निर्माण के लिए एक परियोजना स्थापित की है जिसकी प्रारंभिक प्रतिस्थापित क्षमता 600 एमटी प्रति वर्ष है तथा जिसे वर्ष 2006-07 में चरणबद्ध तरीके से 1500 एमटी प्रति वर्ष तक बढ़ाया गया है। इसके अतिरिक्त वर्ष 1998 के दौरान मध्य प्रदेश में बालाघाट में मॉयल ने 5 एमवीए क्षमता वाला एक फैरो मैंगनीज संयंत्र, जिसकी प्रारंभिक क्षमता 10000 एमटी प्रति वर्ष है, की स्थापना की है। कंपनी ने मध्य प्रदेश में 4.8 एमडब्ल्यू वाली एक विंड पावर यूनिट की भी स्थापना की है जिसका उपयोग मध्य प्रदेश में स्थित फैरो मैंगनीज संयंत्र और खानों की विद्युत की आवश्यकता को पूरा करने के लिए किया जा रहा है। 15.2 मेगावाट विंड पावर यूनिट का दूसरा चरण भी चालू कर दिया गया है। दूसरे चरण से उत्पादित विद्युत एमपी पावर ट्रेडिंग कंपनी को बेची जाती है।

गहरे स्तर पर खनन करने के लिए कंपनी ने बालाघाट और बेलडोंगरी में वर्टिकल शॉफ्ट को गहरा किया है तथा गुमगॉंव में नई वर्टिकल शॉफ्ट लगाई है।

मॉयल ने भिलाई के समीप नंदनी में तथा विशाखापत्तनम के समीप बोबली मे फैरो अलायज निर्माण करने वाल इकाइयों की स्थापना हेतु सेल तथा आरआईएनएल के साथ संयुक्त उद्यम बनाए हैं। जिसका उद्देश्य इन कंपनियों की फैरो अलायज की मांग की पूर्ति करना है। परियोजना प्रारंभिक चरण में है तथा जेवी कंपनियों द्वारा क्रियान्वयन किया जाएगा। इन दो परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 608.00 करोड़ रूपए है। दोनों परियोजनाओं के निवेश में मॉयल का आंकलित भाग करीब 152.00 करोड़ रूपए है।

9.2 31 दिसम्बर, 2009 को स्थिति के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत पूंजी 250.00 करोड़ रूपए है तथा 31 दिसंबर, 2009 की स्थिति के अनुसार कंपनी की प्रदत्त एवं चुकता पूंजी 168.00 करोड़ रूपए है। भारत सरकार तथा महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश राज्य सरकार कंपनी के शेयर धारक हैं जिसमें भारत सरकार के 81.57% प्रतिशत शेयर हैं।

9.3. वास्तविक निष्पादन

(उत्पादन एमटी)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
	उत्पादन:							
(i)	मैंगनीज अयस्क	1047021	1364575	1175318	1175000	1075000	793926	1075000
(ii)	इलैक्ट्रोल्टिक मैंगनीज डाईऑक्साइड	1312	1122	1240	1300	1300	807	1300
(iii)	फैरो मैंगनीज	10200	11130	10120	10000	9000	6895	10000

9.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	आय	451.82	1030.04	1407.99	755.62	726.52	746.08	743.03
(ii)	प्रचालन लागत	221.59	286.49	435.66	388.54	383.35	299.11	404.06
(iii)	सकल मार्जिन	210.21	750.98	1031.42	410.31	391.48	445.49	383.75
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	201.15	734.91	1006.76	382.47	363.25	424.09	353.50
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	134.21	479.82	663.79	252.47	239.78	279.94	233.34
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	28.00	96.60	133.00	-	-	-	-
	जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित	22.84	78.80	108.49	-	-	-	-

लक्ष्यों की तुलना में मॉयल के वास्तविक तथा वित्तीय निष्पादन में कोई कमी नहीं आई है । वास्तव में इलैक्ट्रोल्टिक मैंगनीज डाईआक्साइड के उत्पादन को छोड़कर कंपनी का निष्पादन लक्ष्यों से भी अधिक हो गया है।

10. बर्ड ग्रुप कंपनियां

बर्ड ग्रुप की कंपनियां मंत्रालय के नियंत्रणाधीन एवं सरकारी प्रबंधन वाली कंपनी है। इसमें निम्नलिखित पांच प्रचालनात्मक कंपनियां शामिल हैं :

(1) द उड़ीसा मिनरल डवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओएमडीसी)
(2) द बिरसा स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड (बीएसएलसी)
(3) द कर्णपुरा डवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (केडीसीएल)
(4) स्कॉट एंड सेक्सबी लिमिटेड (एसएएल),
(5) इस्टर्न इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. (ईआईएल)

ओएमडीसी, बीएसएलसी तथा केडीसीएल उत्खनन कंपनियां हैं जबकि एसएसएल गहरे नलकूप खोदने तथा खनिज उत्खनन से संबंधित कार्यों में लगी है। ईआईएल एक निवेश कंपनी है और प्रमुख शेयरधारिता ओएमडीसी, बीएसएलसी और केडीसीएल के पास है।

भारत सरकार ने 10.9.2009 को बर्ड ग्रुप कंपनियों के पुनर्गठन का अनुमोदन कर दिया है। पुनर्गठन के अनुसार ओएमडीसी तथा बीएसएलसी ईआईएल की अनुषंगी बन जाएंगी तथा ईआईएल को आरआईएनएल की अनुषंगी बनाया जाएगा, इस प्रकार ओएमडीसी एवं बीएसएलसी आरआईएनएल के अधीन हो जाएंगी। दो अन्य कंपनियों को बंद किया जाएगा।

10.1 द उड़ीसा मिनरल डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओएमडीसी)

वर्ष 1918 में एकीकृत ओएमडीसी लौह अयस्क तथा मैंगनीज अयस्क के उत्खनन तथा विपणन के कार्य में लगी है। कंपनी की खानें उड़ीसा के क्योंझर जिले में बारबील के निकट स्थित है। वर्ष 2004 के दौरान ओएमडीसी ने 30,000 टीपीए क्षमता वाला स्पंज लोहा संयंत्र स्थापित किया है। कंपनी की प्राधिकृत एवं चुकता पूंजी 0.60 करोड़ रूपए है। पुनर्गठन संबंधी अनुमोदन के अनुसार ओएमडीसी ईआईएल की अनुषंगी बन जाएगी।

10.1.1 वास्तविक निष्पादन

(लाख एमटी)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
1.	उत्पादन							
	लौह अयस्क	22.30	17.28	16.60	18.00	6.31	5.51	20.00
	मैंगनीज अयस्क	0.27	0.82	0.32	0.60	0.19	0.17	0.42
	स्पंज आयरन	0.11	0.11	0.03	0.18	0.10	0.07	0.18
2.	प्रेषण							
	लौह अयस्क	21.16	16.63	17.34	17.70	9.52	5.72	20.00
	मैंगनीज अयस्क	0.39	0.86	0.26	0.60	0.24	0.19	0.42
	स्पंज आयरन	0.05	0.17	0.02	0.18	0.06	0.04	0.18

10.1.2 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	आय	338.39	302.54	348.69	348.00	195.00	127.57	340.00
(ii)	प्रचालन लागत	75.48	74.66	59.39	96.00	55.00	35.74	130.00
(iii)	सकल मार्जिन	262.91	227.88	289.29	252.00	142.50	91.83	213.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	258.99	224.46	286.24	248.00	140.00	89.94	210.00
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	173.47	148.84	181.81	163.70	92.41	59.22	138.62
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	26.02	22.32	27.30	24.56	-	-	-
	जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित	3.70	3.17	3.88	3.49	-	-	-

नोट: 2009-10 के संशोधित अनुमान तथा 2010-11 के बजट अनुमान संबंधी आंकड़े अनंतिम रूप से पट्टों के नवीकरण तथा पर्यावरण एवं वन संबंधी मंजूरी की प्राप्ति पर निर्भर है।

वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ कंपनी ने समस्त बकाया सरकारी ऋण तथा वर्ष 2003-04 के दौरान इस पर ब्याज का भुगतान कर दिया। अब कंपनी बिना किसी ऋण के कार्य कर रही है। तथापि, ओएमडीसी की वर्गीकृत योजनाओं

में उन तीन खनन पट्टों जो लौह अयस्क निक्षेपों के भंडार हैं, के नवीकरण की अनिश्चितता के कारण अड़चनें आ रही हैं। नवीकरण संबंधी आवेदन के परिणाम से कंपनी के निष्पादन पर प्रभाव पड़ेगा।

10.2 द बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड (बीएसएलसी)

बीएसएलसी का गठन वर्ष 1910 में किया गया था। कंपनी का प्रमुख कार्य चूना पत्थर और डोलोमाइट का उत्खनन तथा विपणन करना है। इसकी खानें उड़ीसा में सुन्दरगढ़ जिले में बिरमितरापुर में स्थित है। बीएसएल की प्राधिकृत एवं चुकता पूंजी 0.50 करोड़ रूपए है। पुनर्गठन संबंधी अनुमोदन के अनुसार बीएसएलसी ईआईएल की अनुषंगी होगी।

10.2.1 वास्तविक निष्पादन

(लाख एमटी)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
1.	उत्पादन							
(i)	लाइमस्टोन	2.58	2.83	2.06	2.00	2.00	1.53	3.60
(ii)	डोलोमाइट	7.04	8.31	8.64	9.00	9.00	7.19	6.00
2.	प्रेषण							
(i)	लाइमस्टोन	2.17	2.42	2.02	2.00	2.00	1.51	4.80
(ii)	डोलोमाइट	7.08	8.27	7.95	9.00	9.00	6.98	7.80

10.2.2 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10			2010-11
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 09 तक)	बजट अनुमान
(i)	आय	40.66	45.82	50.85	60.00	56.14	41.24	89.00
(ii)	प्रचालन लागत	35.98	44.63	45.43	49.29	50.81	38.20	69.60
(iii)	सकल मार्जिन	4.52	1.19	5.43	10.71	5.33	3.04	19.40
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	-66.63	-81.60	-91.35	-102.13	4.49	2.41	18.80
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	-66.65	-81.61	-91.38	-102.13	4.49	2.41	12.41
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित							

पिछले कुछ वर्षों में से बीएसएलसी हानि में चल रही है। कंपनी के निष्पादन पर इस्पात निर्माण प्रौद्योगिकी फेरबदल, औद्योगिक संबंधों तथा विभिन्न मांग संबंधी अड़चनों ने प्रभाव डाला जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को भारी हानि हुई। बाद में कंपनी की स्थिति में कुछ सुधार होने से कंपनी ने 2006-07 के बाद धनात्मक सकल मार्जिन अर्जित किया है तथापि विभिन्न समस्याओं के कारण विकास करते रहने में यह अब भी समस्याओं का सामना कर रही है।

****